नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 12

अंक : 40

सोमवार, 31 अक्टूबर से 06 नवम्बर 2022

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

हवा की दिशा बदलने से राहत 03

वहां सुनक और यहां सियासी विरोध की सनक 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में 8 भारतीय दौड़ में, 5 के जीतने की संभावना 10

सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बने बेटी के माता-पिता 12

उपचुनावों में लहराया भाजपा का परचम

राजद, टीआरएस और शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने एक-एक सीट जीती

नयी दिल्ली, एजेंसी।

देश में छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चार सीटें जीतकर अपना परचम लहराया वहीं शेष पर राष्ट्रीय जनता दल(राजद), तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने एक-एक सीट जीती जबकि कांग्रेस की झोली खाली रही।

भाजपा ने गोला गोकर्ण (उत्तर प्रदेश), धामनगर (ओडिशा), आदमपुर (हरियाणा) और गोपालगंज(बिहार) में जीत दर्ज की। मोकामा (बिहार) सीट पर राजद, मुनुगोड़े(तेलंगाना) में टीआरएस और अंधेरी(महाराष्ट्र) में शिवसेना के उद्धव गुट ने जीत हासिल की। गोला गोकर्णनाथ विधान सभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार अमन गिरि ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी विनय तिवारी को 34 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। यहां श्री गिरि को 1,24,810 और श्री तिवारी 90,512 मत मिले

धामनगर (सु) विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के सुरवंशी सूरज ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजू जनता द(बीजद) उम्मीदवार अबंती दास को 9802 मतों के अंतर से हराया। श्री सुरवंशी को 80,090 वोट मिले, वहीं दास को 70,288 वोट मिले। हरियाणा में हिसार जिले की आदमपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में पहली बार कमल खिला है। यहां भाजपा उम्मीदवार भव्य बिश्नोई अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के जय प्रकाश को 15740 मतों के अंतर से पराजित कर पहली बार विधानसभा में पहुंचे हैं। श्री बिश्नोई को 67492 तथा श्री जय प्रकाश को 51752 मत मिले।

बिहार में गोपालगंज उपचुनाव में कांटे की टक्कर रही। अंतिम चक्र की मतगणना की समाप्ति के बाद भाजपा की कुसुम देवी ने राजद के मोहन प्रसाद गुप्ता को 2183 मतों के अंतर से पराजित कर दिया है। वहीं मोकामा सीट पर राजद की नीलम देवी ने भाजपा की सोनम देवी को 16,707 मतों से हराया। तेलंगाना में मुनुगोड़े विधानसभा उपचुनाव में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति(टीआरएस) उम्मीदवार के प्रभाकर रेड्डी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के राजगोपाल रेड्डी को 10 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। टीआरएस ने कांग्रेस पार्टी से मुनुगोडु विधानसभा सीट छीनी है। श्री प्रभाकर रेड्डी को 96574 वोट मिले हैं जबकि श्री राजगोपाल रेड्डी के 86515 मत हासिल हुए हैं।वहीं कांग्रेस पार्टी ने निराशाजनक प्रदर्शन किया और उसके उम्मीदवार पलवई श्रावंती को 23,449 वोट मिले। महाराष्ट्र में श्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना धड़े की उम्मीदवार ऋतुजा लटके ने रविवार को मुंबई उपनगर के अंधेरी निर्वाचन क्षेत्र से 66,247 मतों से जीत हासिल की। श्रीमती लटके ने 66,530 वोट यानी 76.85 प्रतिशत मत हासिल किये। वहीं 12,806 मतदाताओं यानी 14.79 प्रतिशत वोटरों ने 'उपरोक्त में से कोई नहीं' (नोटा) विकल्प चुना, जो दो छोटी पार्टियों और चार निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलाकर मिले कुलों वोटों से लगभग दोगुना है।

टीआरएस उम्मीदवार के प्रभाकर रेड्डी ने मुनुगोड़े विस उपचुनाव जीता

हैदराबाद। तेलंगाना में मुनुगोड़े विधानसभा उपचुनाव में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति(टीआरएस) उम्मीदवार के प्रभाकर रेड्डी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के राजगोपाल रेड्डी को 10 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। टीआरएस ने कांग्रेस पार्टी से मुनुगोडु विधानसभा सीट छीनी है। चुनाव आयोग ने हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर नतीजे घोषित नहीं किये हैं। श्री प्रभाकर रेड्डी को 96574 वोट मिले हैं जबकि श्री राजगोपाल रेड्डी के 86515 मत हासिल हुए हैं।वहीं कांग्रेस पार्टी ने निराशाजनक प्रदर्शन किया और उसके उम्मीदवार पलवई श्रावंती को 23,449 वोट मिले। इस बीच टीआरएस कार्यकताओं ने मुनुगोड़े में टीआरएस भवन में मिठाइयों का वितरण कर जीत का जश्न मनाया और ढोल की थाप पर नृत्य किया तथा 'जय केसीआर, जय तेलंगाना' और 'देश का नेता, केसीआर' के नारे लगाये। वर्ष 2018 के चुनाव में श्री राजगोपाल रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर मुनुगोड़े विधानसभा सीट जीती थी। उन्होंने टीआरएस के श्री प्रभाकर रेड्डी को 23,552 मतों से हराया था। उन्होंने अगस्त में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और भाजपा में शामिल होने के बाद उपचुनाव चुनाव लड़ा लेकिन इस बार उनकी हार हुई।

राजद की नीलम देवी मोकामा से तो गोपालगंज में भाजपा की कुसुम देवी उप चुनाव जीती

पटना। बिहार में मोकामा विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नीलम देवी वहीं गोपालगंज विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कुसुम देवी उप चुनाव जीत गई हैं। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, मोकामा और गोपालगंज विधानसभा उप चुनाव के अंतिम नतीजे की औपचारिक घोषणा होना अभी बाकी है लेकिन मोकामा में मतगणना के अंतिम चक्र की समाप्ति के बाद राजद की नीलम देवी भाजपा की सोनम देवी से 16 हजार 420 मत से आगे हैं। वहीं, गोपालगंज विधानसभा क्षेत्र में मुकाबला कांटे का रहा। मतगणना के किसी चक्र में कभी भाजपा तो कभी राजद के उम्मीदवार आगे हो जाते थे लेकिन अंतिम चक्र मतगणना की समाप्ति के बाद भाजपा की कुसुम देवी ने राजद के मोहन प्रसाद गुप्ता को 2183 मतों के अंतर से पराजित कर दिया है। दोनों सीटों पर हुए इस उपचुनाव में राजद और भाजपा ने अपनी-अपनी सीटों को बरकरार रखा है। वर्ष 2020 में हुए चुनाव में गोपालगंज से भाजपा के सुभाष सिंह और मोकामा से राजद के अनंत सिंह निर्वाचित हुए थे लेकिन इस वर्ष सुभाष सिंह की असमय मृत्यु होने और अनंत सिंह के सजायाफ्ता होने के कारण सीट रिक्त हो गई, जिसके कारण इन सीटों पर उपचुनाव कराया गया।

गुजरात विधान सभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

नयी दिल्ली, एजेंसी।

गुजरात मोरबी की घटना के बाद ये बेहद जरूरी हो गया है कि मामला और गम्भीर रूप ले इससे पहले ही जनता और मीडिया का ध्यान दूसरी ओर खींच लिया जाए और यही एक बड़ी वजह है कि, इतने बड़े हादसे के बाद भी गुजरात में आज चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ है। चुनाव आयोग ने गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी, जिसमें उन्होंने चुनाव की तारीखों का एलान किया। आपको बता दें कि, गुजरात का विधानसभा चुनाव 2 चरणों में कराया जायेगा, जिसके लिए आज की ये प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई। गुजरात में पहले चरण का मतदान 1 दिसंबर को होगा और वहीं दूसरे चरण का मतदान 5 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। दोनों ही चरणों के मतदान के बाद गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को लोगों के सामने आएंगे।

आनन फानन में चुनाव की तारीखों के ऐलान को देखते हुए सभी का यही कहना है कि, ये एक बड़ी साजिश है लोगों का ध्यान मोरबी के हादसे से हटाने की।

पिछले 24 सालों से लगातार गुजरात पर बीजेपी का शासन रहा है, लेकिन इस बार के आकड़ें कुछ और ही कहते है। मिली जानकारी और जनता सर्वे के मुताबिक, इस बार आम आदमी पार्टी बीजेपी को टक्कर दे सकती है या फिर ये भी हो सकता है कि इस बार आम आदमी पार्टी गुजरात का विधानसभा चुनाव ठीक उसी तरह जीत ले जिस तरह दिल्ली और पंजाब का जीता है।

1 दिसंबर को होगा पहले चरण का मतदान

मोरबी पुल हादसा एक बड़ी वजह बन सकता गुजरात में चुनाव के नतीजों को बदलने का। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, गुजरात विधानसभा चुनाव में 3,24,422 नए मतदाता इस बार अपना पहला मतदान करेंगे। गुजरात में कुल मतदान केंद्र की संख्या 51,782 है। राज्य में स्थापित मतदान स्थलों में से लगभग 50% मतदान केंद्र पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली में झुग्गी वासियों को सौंपा फ्लैट

नयी दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को झुग्गी-झोपड़ी वासियों के पुनर्वास के लिए दिल्ली के कालकाजी में यथास्थान झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत बनाए गए 3024 नवनिर्मित ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का उद्घाटन किया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने भूमिहीन कैंप के पात्र लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबियां सौंपी। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि एक ओर शहर के कुछ इलाकों को 'पॉश' कहा जाता है तो दूसरी ओर कई इलाकों में लोग जीवन की मौलिक जरूरतों के लिए तरसते हैं। जब एक ही शहर में इतनी असमानता और भेदभाव हो तो समग्र विकास की कल्पना कैसे की जा सकती है? पीएम ने इसको पाटने की जरूरत बताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज दिल्ली के सैंकड़ों परिवारों, गरीब भाई बहनों के लिए बड़ा दिन है। बरसों से जो परिवार जो दिल्ली की झग्गी में रह रहे थे उनके लिए एक तरह से जीवन की नई शुरूआत हो रही है। दिल्ली के गरीब परिवारों को पक्का घर देने का जो अभियान शुरू हुआ है वह हजारों गरीब परिवारों के सपने पूरा करेगा। सिर्फ कालकाजी एक्सटेंशन के पहले फेज में ही 3 हजार से ज्यादा घर तैयार कर लिए गए हैं। बहुत जल्द यहां रह रहे बाकी परिवारों को भी नए घर में गृह प्रवेश का मौका मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि शहरों के विकास के लिए जिन गरीबों का खून-पसीना लगता है उसी शहर में वे बदहाली का जीवन जीने के लिए मजबूर हैं।

भारत में आठ नवंबर को पूर्ण चंद्र ग्रहण

नयी दिल्ली, एजेंसी।

देश में इस साल का आखिरी चंद्र ग्रहण आठ नवंबर को घटित होगा। चंद्रोदय के समय ग्रहण भारत के सभी स्थानों से दिखाई देगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बयान में यह जानकारी दी गई है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, ग्रहण की आंशिक एवं पूर्णावस्था का आरम्भ भारत के किसी भी स्थान से दिखाई नहीं देगा क्योंकि यह घटना भारत में चंद्रोदय के पहले ही प्रारम्भ हो चुकी होगी। इसमें कहा गया है कि चंद्र ग्रहण की पूर्णावस्था एवं आंशिक अवस्था दोनों ही का अंत देश के पूर्वी हिस्सों से दिखाई देगा। देश के बाकी हिस्सों से आंशिक अवस्था का केवल अंत ही दिखाई देगा। मंत्रालय ने बताया कि भारत में पूर्ण चंद्र ग्रहण आठ नवंबर को होगा। चंद्र ग्रहण दक्षिण अमेरिका, उत्तर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, उत्तर अटलांटिक महासागर तथा प्रशांत महासागर के क्षेत्रों में दिखाई देगा।

देश के पूर्वी भाग में कोलकाता एवं गुवाहाटी जैसे शहरों में चंद्रोदय के समय ग्रहण की पूर्णावस्था चल रही होगी। कोलकाता में चंद्रोदय के समय से लेकर पूर्णावस्था के अंत तक की अवधि 20 मिनट की होगी तथा चंद्रोदय के समय से लेकर ग्रहण की आंशिक अवस्था के अंत तक की अवधि 1 घंटा 27 मिनट की होगी। गुवाहाटी में चंद्रोदय के समय से लेकर पूर्णावस्था के अंत तक की अवधि 38 मिनट की होगी। दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं बेंगलुरू में ग्रहण की पूर्णावस्था के अंत के उपरांत चंद्रोदय होगा एवं उस समय आंशिक ग्रहण चल रहा होगा। इन शहरों में चंद्रोदय के समय से लेकर ग्रहण की आंशिक अवस्था के अंत तक की अवधि क्रमशः 50 मिनट, 18 मिनट, 40 मिनट एवं 29 मिनट तक की होगी। भारत में अगला चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर 2023 को घटित होगा जो कि आंशिक चंद्र ग्रहण होगा।

दिल्ली नगर निगम चुनाव का ऐलान

4 दिसंबर को मतदान और 7 को आएंगे नतीजे

नयी दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में तीनों नगर निगमों को एक करने और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई। दिल्ली में नगर निगम के 250 वार्डों के लिए 4 दिसंबर (रविवार) को मतदान होगा और 7 दिसंबर (बुधवार) को नतीजे आएंगे।

दिल्ली राज्य निर्वाचन आयुक्त विजय देव ने आज यहां एक प्रेस वार्ता में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमने तीनों नगर निगमों को एक करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बेहद कम समय में परिसीमन और चुनाव प्रबंधन का काम पूरा किया है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद दिल्ली में अब 250 वार्ड होंगे। इनमें से 42 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होंगे। सभी सीटों में से आधी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसका अर्थ है कि सामान्य की 104 और अनुसूचित जाति की 21 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

विजय देव ने बताया कि दिल्ली में नामांकन की प्रक्रिया 09 नवंबर से शुरू होगी और 14 नवंबर तक 68 स्थानों पर सुबह 10:00 बजे से दोपहर को 3:00 बजे तक नामांकन किए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 16 नवंबर को होगी। उम्मीदवार 19 नवंबर तक अपने नाम वापिस ले सकेंगे। मतदान 4 दिसंबर को रविवार को होगा और मतगणना 7 दिसंबर को की जाएगी। परिसीमन की जानकारी देते हुए विजय देव ने बताया कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 68 सीटें दिल्ली कैंट और नई दिल्ली को छोड़कर दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आती हैं। 2011 की जनसंख्या के आधार पर सीटों और आरक्षित सीटों का निर्धारण किया गया है। चुनाव के लिए इस बार 13,665 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। करीब 55 हजार ईवीएम मशीनों का उपयोग किया जाएगा। करीब एक लाख कार्मचारी को नगर निगम चुनाव में नियुक्त किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आज से ही दिल्ली में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। रात्रि 10:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर से प्रचार पर रोक रहेगी। उम्मीदवार चुनाव प्रचार में केवल 8 लाख ही खर्च कर सकेंगे। पिछली बार यह सीमा 5.75 लाख थी।

आयुक्त ने बताया कि इस बार दिल्ली नगर निगम के चुनावों में कई आईटी पहल की गई हैं। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए एक विशेष ऐप तैयार की गई है। जिसमें मतदाता अपना नाम, पोलिंग स्थल, संबंधित उम्मीदवार की जानकारी हासिल कर सकते हैं। साथ ही इसमें शिकायतें भी दर्ज करा सकते हैं। वहीं उम्मीदवारों को अनुमति प्रदान करने के लिए एक विशेष पोर्टल तैयार किया गया है।

कैसी हैं भाजपा की चुनाव तैयारी

भाजपा कोई एक मौका भी ऐसा नहीं छोड़ना चाहती, जिससे आम आदमी पार्टी यानी केजरीवाल की तारीफ हो, हर जगह केजरीवाल की खामियों को दिखाने में भाजपा के सभी नेता जुट गए हैं। भाजपा के सभी कार्यकर्ता गली गली वोटरो से संपर्क करने में जुट गए है, जिससे चुनाव आने पर वोटर धोखा न दे सके।

संगम विहार से कौन जीतेगा चुनाव

हर चुनाव में सबसे चर्चित सीट संगम विहार की होती है, जहां से सभी दिग्गजों को चुनाव में उतारा जायेगा, आप पार्टी के वर्तमान पार्षद जितेंद्र सिंह जीतू और उर्मिला यादव के खिलाफ जनता ने अपनी आवाज उठानी शुरू कर दी हैं, जिससे इन दोनों नेताओं को बहुत ज्यादा मसक्कत करनी पड़ेगी। संगम विहार में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओ में आपसी मतभेद से हो सकता है कि, भाजपा संगम विहार में सभी से आगे निकल जाये। आप पार्टी के नेताओ पर लगातार आरोप लगते आ रहे है कि पार्षद सिर्फ भाजपा के कार्यकताओं के कार्य करवाते है बाकी लोगों की नहीं सुनते, युवा पार्षद से नाराज चल रहे हैं। जिस तरह लगातार दक्षिणी दिल्ली संगम विहार की जनता वर्तमान पार्षद से नाराजगी दिखा रही उससे तो यह स्पष्ट है कि, आने वाले नगर निगम के चुनाव में संगम विहार की जनता आम आदमी पार्टी को नहीं देखना चाहती है।

हिंदी के प्रख्यात वामपंथी आलोचक मैनेजर पाण्डेय नहीं रहे

नयी दिल्ली, एजेंसी।

हिंदी के प्रख्यात वामपंथी आलोचक एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर मैनेजर पांडे का रविवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे तथा आईसीयू में भर्ती भी थे। श्री पाण्डेय के परिवार में उनकी दूसरी पत्नी के अलावा दो बेटियां भी हैं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार शाम चार बजे लोदी रोड स्थित शव दाह गृह में किया जाएगा। जन संस्कृति मंच जनवादी लेखक संघ जैसे प्रमुख वामपंथी लेखक संगठनों तथा जाने माने लेखकों ने श्री पाण्डेय के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन :
8888883968,
9811111715

दिल्ली सरकार डीजल से चलने वाले वाहनों पर प्रतिबंध का आदेश वापस ले: एआईएमटीसी

नयी दिल्ली, एजेंसी।

आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने रविवार को डीजल पर चलने वाले मध्यम और भारी वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाये जाने के आदेश का विरोध करते हुए राज्य सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है। आल इंडिया ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के चेयरमैन के. एस. अटवाल ने आज यहां कहा की दिल्ली सरकार के तुगलकी आदेशों के बाद देश के विभिन्न हिस्सों से राजधानी दिल्ली के लिए भेजे गये लगभग 150 ट्रक दिल्ली बॉर्डर पर खड़े हैं। उन्होंने कहा सरकार के प्रतिबंध लगाये जाने के कारण मुंबई, चेन्नई, कोलकत्ता आदि महानगरों से सामान लेकर दिल्ली आ रहे लगभग एक हजार ट्रक अगले एक हफ्ते तक दिल्ली सीमा पर फंस जायेंगे। श्री अटवाल ने कहा की लम्बी दूरी के समान ढोने वाले ट्रक केवल डीजल पर ही चलते हैं क्योंकि इन वाहनों के सी एन जी या इलेक्ट्रिक मोड पर चार्जिंग की सरकार ने व्यवस्था ही नहीं की है। उन्होंने कहा की इस आदेश से राजधानी दिल्ली में अनेक वस्तुओं की कमी हो जाएगी तथा शादियों और त्योहारों के सीजन में लोगों को अनेक दिक्क्तों का सामना करना पड़ेगा तथा राजधानी दिल्ली का व्यापार ठप्प हो जायेगा और लोगों को पड़ोसी राज्यों से खरीददारी करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा की दिल्ली सरकार हर वर्ष प्रदूषण की आड़ में ट्रकों के प्रवेश को प्रतिबंध करके खानापूर्ति कर देती है तथा प्रदूषण का ठीकरा ट्रकों पर फोड़ती है जिससे ट्रांसपोर्ट व्यवसास से जुड़े अनेक परिबारों पर रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाता है तथा राजधानी दिल्ली का व्यापार ठप्प हो जाता है। उन्होंने कहा की दिल्ली सरकार वर्ष 2015 से दिल्ली में प्रवेश करने बाले ट्रकों से ग्रीन टैक्स वसूली कर रही है और तब से अब तक कुल 1355 करोड़ रुपए ग्रीन टैक्स वसूला जा चुका है जबकि दिल्ली सरकार ने अब तक कुल बसूल किए गए ग्रीन टैक्स में से मात्र 290 करोड़ रुपए गैर उत्पादक कार्यों के लिए खर्च किये हैं।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

अफगानिस्तान में भूस्खलन में 1 की मौत, 2 लापता

काबुल/ एजेंसी। अफगानिस्तान के मैमई जिले में भूस्खलन के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य व्यक्ति लापता हो गए।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को प्रांतीय निदेशक कारी माजुदीन अहमदी के हवाले से बताया कि, घटना शनिवार शाम वारो इलाके में हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि, पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के बाद दो और ग्रामीण लापता हो गए।

ईरान ने कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया

तेहरान/ एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने तीन चरण के ठोस ईंधन कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया है।

ईरानी की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी।

आईआरएनए ने शनिवार को कहा कि कैम-100 के पहले चरण के इंजन ने जनवरी में अपना जमीनी परीक्षण पूरा किया, ने अपनी पहली उप-कक्षीय उड़ान भरी है।

यह रॉकेट अस्सी किलो वजनी उपग्रहों को पृथ्वी की सतह से पांच सौ किलोमीटर की कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है।

रिपोर्ट के अनुसार परीक्षणों के बाद कैम-100 अब सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्मित नाहिद उपग्रह को कक्षा में भेजने के लिए तैयार है।

पत्नी की मौत के बाद मानसिक रूप से परेशान युवक ने आत्महत्या की

जयपुर/ एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी थाना क्षेत्र में 30 वर्षीय एक युवक ने एक पेड़ से लटककर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताया कि मृतक अपनी पत्नी की मौत के बाद से अवसाद में था।

थानाधिकारी देवी लाल मीणा के मुताबिक, सुभाष डिंडोर (30) की बीमार पत्नी का लगभग डेढ़ माह पहले निधन हो गया था। उसके दो मासूम बच्चे हैं।

उन्होंने बताया कि सुभाष अपनी पत्नी की याद में अक्सर बारेठ गांव स्थित ससुराल जाता था। वह अपने घर में भी परेशान रहता था।

मीणा के अनुसार, शुक्रवार को सुभाष अपने बच्चों को लेकर ससुराल पहुंचा और फिर किसी काम से आनंदपुरी कस्बे चला गया, जहां देर रात उसने घर के पास एक पेड़ से लटककर कथित तौर पर फांसी लगा ली।

मीणा ने बताया कि सुभाष का शव शनिवार को मिला। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

संरा ने मस्क से ट्विटर प्रबंधन में मानवाधिकार सुनिश्चित करने का आग्रह किया

जिनेवा/ एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलोन मस्क को एक खुला पत्र जारी करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करें कि ट्विटर प्रबंधन के लिए मानवाधिकार केन्द्रीय है।

पत्र ने शुक्रवार को ट्विटर के कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी की रिपोर्ट का पालन किया। जिसमें इसकी मानवाधिकार टीम और नैतिक एआई टीम शामिल थी।

श्री तुर्क ने शनिवार को पत्र में कहा कि हमारे साझा मानवाधिकारों का सम्मान मंच के उपयोग और विकास के लिए रेलिंग सेट करना चाहिए।

उन्होंने पत्र में ट्विटर से निजता के अधिकार के लिए खड़े होने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि ट्विटर की जिम्मेदारी है कि अन्य लोगों के अधिकारों को नुकसान नहीं पहुंचाए।

एलोन मस्क ने सोशल नेटवर्क कंपनी का नियंत्रण हासिल करते हुए अक्टूबर में ट्विटर को 44 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदने का सौदा पूरा किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को ट्विटर ने लागत कम करने की आक्रामक योजना के तहत हजारों कर्मचारियों की छंटनी की।

अफगानिस्तान में भूस्खलन से एक व्यक्ति की मौत

फैजाबाद/ एजेंसी। अफगानिस्तान के मैमई जिले में भूस्खलन के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य व्यक्ति लापता हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को प्रांतीय निदेशक कारी माजुदीन अहमदी के हवाले से बताया कि, घटना शनिवार शाम वारो इलाके में हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

अधिकारी ने बताया कि, पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के बाद दो और ग्रामीण लापता हो गए।

कोलकाता में अलमारी निर्माण इकाई में आग लगी

कोलकाता/ एजेंसी। महानगर के उत्तरी हिस्से में माणिकतला इलाके में एक बेकार पड़ी अलमारी निर्माण इकाई में रविवार को भीषण आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्वाह्न करीब 11 बजे आग लगने का पता चला जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को भेजा गया। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने या इकाई के अंदर किसी के फंसे होने की खबर नहीं है।

उन्होंने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और ऐसा लगता है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

पाकिस्तान में बुलेट-प्रूफ कारों में चलेंगे चीनी कामगार: रिपोर्ट

इस्लामाबाद/ एजेंसी। पाकिस्तान और चीन ने सीपेक परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों के बाहर निकलने पर उनके लिए बुलेट-प्रूफ वाहन इस्तेमाल करने पर सहमति जतायी है ताकि उन्हें आतंकवादी हमलों से बचाया जा सके। मीडिया में आयी एक खबर में रविवार को यह जानकारी दी गयी। चीन ने अपने कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की थी जिसके बाद यह कदम उठाया गया है।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक) अरब सागर में पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में काश्गर से जोड़ता है। चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) के तहत 60 अरब डॉलर की लागत वाला सीपेक राष्ट्रपति शी चिनफिंग की एक बड़ी परियोजना है। चीन की विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उसके कामगारों की सुरक्षा एक बड़ी बाधा रही है।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, दोनों पक्षों ने सीपेक की 11वीं संयुक्त सहयोग समिति (जेसीसी) के मसौदे में कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा जांचकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी सहमति जतायी है।

ग्यारहवीं जेसीसी के मसौदे के ब्योरे में कहा गया है, ''यह तय किया गया है कि परियोजनाओं में काम कर रहे चीन के लोगों की सभी बाहरी गतिविधियों के लिए बुलेट-प्रूफ वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा।''

राष्ट्रपति चिनफिंग ने पिछले सप्ताह सीपेक परियोजनाओं पर पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर ''गहरी चिंता'' व्यक्त की थी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बीजिंग की पहली यात्रा के दौरान उनसे बातचीत में चीनी कामगारों के लिए ''विश्वसनीय तथा सुरक्षित माहौल'' बनाने का अनुरोध किया था।

मसौदे के विवरण से पता चलता है कि चीन, पाकिस्तानी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता निर्माण के लिए सुरक्षा संबंधित उपकरण मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

चीनी नागरिकों से जुड़े अपराधों की जांच में तेजी लाने के लिए राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान एजेंसी (एनएफएसए) का आधुनिक तर्ज पर विकास करने का फैसला किया गया है।

मसौदे के अनुसार, पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए चीन से सहयोग देने का अनुरोध किया है। चीन ने इसके लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

सूत्रों के अनुसार, अपने कामगारों पर बार-बार हमलों के कारण चीन ने पाकिस्तान से चीनी नागरिकों की सुरक्षा उसके सुरक्षाकर्मियों को सौंपने के लिए भी कहा था।

नॉर्थरूप ग्रुम्मन के एंटारेस रॉकेट को वॉलॉप्स द्वीप में नासा वॉलॉप्स फ़्लाइट फैसिलिटी में अपनी लॉन्च स्थिति में उठाया गया है। वीए। रॉकेट को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को आपूर्ति कैप्सूल देने के लिए रविवार सुबह लॉन्च किया जाना है।

हिंदी के प्रख्यात वामपंथी आलोचक मैनेजर पाण्डेय नहीं रहे

नई दिल्ली/ एजेंसी। हिंदी के प्रख्यात वामपंथी आलोचक एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर मैनेजर पांडे का रविवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे तथा आईसीयू में भर्ती भी थे।

श्री पाण्डेय के परिवार में उनकी दूसरी पत्नी के अलावा दो बेटियां भी हैं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार शाम चार बजे लोदी रोड स्थित शव दाह गृह में किया जाएगा।

जन संस्कृति मंच जनवादी लेखक संघ जैसे प्रमुख वामपंथी लेखक संगठनों तथा जाने माने लेखकों ने श्री पाण्डेय के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

बिहार के गोपाल गंज जिले के लोहाटी गांव में 23 सितम्बर, 1941 को जन्मे श्री पाण्डेय नामवर सिंह के बाद की पीढ़ी के शीर्ष वामपंथी आलोचक थे। उनकी आरम्भिक शिक्षा गाँव में तथा उच्च शिक्षा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हुई, जहाँ से उन्होंने एम.ए. और पी.एच.डी. की उपाधियाँ प्राप्त कीं। वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भाषा संस्थान के भारतीय भाषा केन्द्र में हिन्दी के प्रोफेसर रहे। वह जेएनयू में भारतीय भाषा केन्द्र के अध्यक्ष भी थे। इसके पूर्व वह बरेली के कॉलेज, और जोधपुर विश्वविद्यालय में भी प्राध्यापक रहे।

उन्हें दिनकर सम्मान तथा हिंदी अकादमी के शलाका सम्मान से नवाजा गया था। वह भक्तिकाल और सूर साहित्य के विशेषज्ञ थे। साहित्य और इतिहासदृष्टि तथा साहित्य में समाजशास्त्र भूमिका एवम शब्द और कर्म पुस्तक से उनको ख्याति मिली थी। मुगल बादशाहों की हिंदी कविता उनकी चर्चित कृति थी। वह जनसंस्कृति मंच के अध्यक्ष भी थे।

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के सम्मान में आठ मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित

लंदन/ एजेंसी। ब्रिटेन में महाराजा चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक के अवसर पर विशेष सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

महाराजा चार्ल्स तृतीय का राज्याभिषेक अगले साल छह मई से तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान लंदन के वेस्टमिंस्टर एबे में होगा। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पिछले महीने निधन के बाद उनके पुत्र 73 वर्षीय चार्ल्स को ब्रिटेन का महाराजा घोषित किया गया था। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की ताजपोशी पर भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, ''नए महाराजा का राज्याभिषेक हमारे देश के लिए एक अद्भुत क्षण है।

मोदी निर्वाचन क्षेत्र आधारित संसदीय लोकतंत्र के आधार को कमजोर कर रहे: चिदंबरम

नई दिल्ली/ एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निर्वाचन क्षेत्र आधारित संसदीय लोकतंत्र के आधार को ''कमजोर'' करने का रविवार को आरोप लगाया और दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जिस प्रकार की राष्ट्रपति प्रणाली को लाना चाहता है, उससे ''बहुसंख्यकवाद'' को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी ने हिमाचल प्रदेश के सोलन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लोगों से ''कमल'' (भाजपा का चुनाव चिह्न) का समर्थन करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि लोगों का वोट उनके लिए उनका ''आशीर्वाद'' होगा और उन्हें उम्मीदवारों को नहीं बल्कि ''कमल के फूल'' को ध्यान में रखना चाहिए।

चिदंबरम ने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदाताओं को निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवारों का नाम याद रखने की आवश्यकता नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'कमल के लिए वोट, मोदी के लिए वोट' है।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, ''संसद में बहस और संवाददाता सम्मेलनों का त्याग करने के बाद माननीय प्रधानमंत्री अब निर्वाचन क्षेत्र आधारित संसदीय लोकतंत्र के आधार को ही कमजोर कर रहे हैं।''

चिदंबरम ने कहा, ''हम जानते हैं कि आरएसएस और उसके भक्तों की सरकार की राष्ट्रपति प्रणाली को लागू करने की लंबे समय से इच्छा रही है।''

भाजपा के 'डबल इंजन' के धोखे से गुजरात के लोगों को बचाएंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी गुजरात के लोगों के साथ किए वादों को पूरा करेगी और उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'डबल इंजन' के ''धोखे'' से बचाएगी। गांधी ने ट्वीट किया, ''500 (रुपये) में एलपीजी सिलेंडर, युवाओं को 10 लाख नौकरियां, किसानों का तीन लाख (रुपये) तक कर्ज माफ- हम, गुजरात के लोगों से किए सारे वचन निभाएंगे।''कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने कहा, ''भाजपा के 'डबल इंजन' के धोखे से बचाएंगे, प्रदेश में परिवर्तन का उत्सव मनाएंगे।'' गुजरात में दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को विधानसभा चुनाव होगा तथा मतगणना आठ दिसंबर को होगी।

राजद की नीलम देवी मोकामा से तो गोपालगंज में भाजपा की कुसुम देवी उप चुनाव जीती

पटना/ एजेंसी। बिहार में मोकामा विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नीलम देवी वहीं गोपालगंज विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कुसुम देवी उप चुनाव जीत गई हैं।

राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, मोकामा और गोपालगंज विधानसभा उप चुनाव के अंतिम नतीजे की औपचारिक घोषणा होना अभी बाकी है लेकिन मोकामा में मतगणना के अंतिम चक्र की समाप्ति के बाद राजद की नीलम देवी भाजपा की सोनम देवी से 16 हजार 420 मत से आगे हैं। वहीं, गोपालगंज विधानसभा क्षेत्र में मुकाबला कांटे का रहा। मतगणना के किसी चक्र में कभी भाजपा तो कभी राजद के उम्मीदवार आगे हो जाते थे लेकिन अंतिम चक्र मतगणना की समाप्ति के बाद भाजपा की कुसुम देवी ने राजद के मोहन प्रसाद गुप्ता को 2183 मतों के अंतर से पराजित कर दिया है।

दोनों सीटों पर हुए इस उपचुनाव

में राजद और भाजपा ने अपनी-अपनी सीटों को बरकरार रखा है। वर्ष 2020 में हुए चुनाव में गोपालगंज से भाजपा के सुभाष सिंह और मोकामा से राजद के अनंत सिंह निर्वाचित हुए थे लेकिन इस वर्ष सुभाष सिंह की असमय मृत्यु होने और अनंत सिंह के सजायाफ्ता होने के कारण सीट रिक्त हो गई, जिसके कारण इन सीटों पर उपचुनाव कराया गया।

राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद सऊदी क्राउन प्रिंस की पाक यात्रा पटरी पर

इस्लामाबाद/ एजेंसी। राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की पाकिस्तान यात्रा पटरी पर है। सऊदी क्राउन प्रिंस के इस महीने के तीसरे सप्ताह में इस्लामाबाद की यात्रा करने की संभावना है, स्थानीय मीडिया ने ये जानकारी दी है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि, दोनों पक्ष मोहम्मद बिन सलमान की यात्रा की तैयारी में व्यस्त हैं जो अब सऊदी प्रधान मंत्री भी हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि विदेश कार्यालय ने चुप्पी साध रखी है लेकिन यात्रा की संभावित तारीख 21 नवंबर है।

इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लंबे मार्च के कारण यह यात्रा संदेह के घेरे में थी।

पीटीआई अध्यक्ष ने अब लंबा मार्च वापस ले लिया है और पूरी तरह से ठीक होने के बाद अपना विरोध फिर से शुरू करेंगे।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि, अधिकारियों को उम्मीद है कि स्थिति नियंत्रण में रहेगी और यात्रा के समय कोई हलचल नहीं होगी।

- पीटीआई अध्यक्ष ने अब लंबा मार्च वापस ले लिया है और पूरी तरह से ठीक होने के बाद अपना विरोध फिर से शुरू करेंगे।
- द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि, अधिकारियों को उम्मीद है कि स्थिति नियंत्रण में रहेगी और यात्रा के समय कोई हलचल नहीं होगी।

कई आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही शहबाज शरीफ सरकार चाहती है कि सऊदी क्राउन प्रिंस पाकिस्तान के लिए एक और वित्तीय राहत पैकेज की घोषणा करें।

रियाद पहले ही 3 बिलियन डॉलर से अधिक का ऋण दे चुका है जिसे पाकिस्तान को इस साल के अंत में चुकाना पड़ा था।

वित्त मंत्री इशाक डार ने हाल ही में सऊदी अरब की यात्रा के दौरान 4.2 अरब डॉलर के अतिरिक्त वित्तीय राहत पैकेज की मांग की थी।

उन्होंने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि, सऊदी अरब ने उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की यात्रा के दौरान चीन ने भी 1.5 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ 7.3 अरब डॉलर का ऋण देने पर सहमति व्यक्त की।

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में 8 भारतीय दौड़ में, 5 के जीतने की संभावना

न्यूयॉर्क/ एजेंसी। मध्यावधि चुनावों में प्रतिनिधि सभा के लिए आठ भारतीय अमेरिकी दौड़ में हैं, जिनमें से चार डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं, और तीन रिपब्लिकन और एक डेमोक्रेट समोसा कॉकस में शामिल होने के इच्छुक हैं।

सभी चार प्रतिनिधि, जिन्होंने खुद को समोसा कॉकस उपनाम दिया था, उनके पूर्वानुमान के अनुसार, वह फिर से चुने जाएंगे। पांचवे डेमोक्रेट श्री थानेदार जो पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं, के जीतने की पूरी संभावना है।

तीन रिपब्लिकन उम्मीदवारों, रितेश टंडन, टेक्सास में संदीप श्रीवास्तव और कैलिफोर्निया में ऋषि कुमार को लेकर पूर्वानुमान में इनकी स्थिति ठीक नहीं है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक जेडी वेंस ओहायो सीनेट सीट से लड़ रहे हैं। यह सीट पहले डेमोक्रेट रॉब पोर्टमैन के पास थी। चुनावों के रियलक्लियर पॉलिटिक्स एग्रीगेशन ने उन्हें 3.3 प्रतिशत की बढ़त दी है। वेंस ने अपनी दोस्त येल लॉ स्कूल की स्नातक उषा चिलुकुरी से शादी की।

एक चुनावी डेटा विश्लेषण संगठन के अनुसार, मिशिगन के डेट्रॉइट में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी मार्टेल बिविंग्स के खिलाफ थानेदार के जीतने का 99 प्रतिशत चांस है।

गुरुवार की रात को समर्थकों से फंड की अपील में, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन द्वारा लाखों डॉलर के समर्थन से मुझे अपनी सीट हारती हुई नजर आ रही है।

उनके निर्वाचन क्षेत्र के एक सर्वे ने उन्हें रिपब्लिकन क्रिस डार्गिस पर छह प्रतिशत की बढ़त दी है और पोलिटिको फोरकास्ट ने उनके जीतने की संभावना जताई है, जबकि फाइव थर्टीह ने उन्हें जीत को 98 प्रतिशत निश्चित बताया है।

पोलिटिको फोरकास्ट ने कहा कि अन्य तीन भारतीय अमेरिकियों के निर्वाचन क्षेत्र ठोस डेमोक्रैटिक है।

कैलीफोर्निया में फाइव थटीर्हाइट ने टंडन पर खन्ना की जीत को 99 प्रतिशत बताया।

एमी बेरा के कैलिफोर्निया में जीतने की संभावना 98 प्रतिशत और वाशिंगटन राज्य में प्रेमिला जयपाल की 99 प्रतिशत है।

इससे पहले, रिपब्लिकन प्राथमिक चुनावों में टेक्सस में अभिराम गरपति और मिशिगन में हिमा कोलानागिरेड्डी हार गए। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार श्रिना कुरानी कैलिफोर्निया में ओपन प्राइमरी में हार गईं।

गोला गोकर्णनाथ उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार ने 34 हजार से ज्यादा मतों से जीत हासिल की

लखीमपुर खीरी/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी अमन गिरि ने 34 हजार से अधिक मतों से जीत हासिल कर ली है। यह सीट अमन के पिता अरविंद गिरि के निधन के कारण रिक्त हुई थी।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, गिरि ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी (सपा) के विनय तिवारी को करीब 34,298 मतों से पराजित किया। गिरि को कुल 1,24,810 वोट मिले। वहीं, तिवारी को 90,512 मत प्राप्त हुए।

उपचुनाव जीतने के बाद अमन गिरि ने कहा कि वह अपने पिता के सपनों को पूरा करेंगे और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने गोला गोकर्णनाथ को 'छोटी काशी' के रूप में विकसित करने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुक्रिया अदा किया।

एक नजर

हर झुग्गीवाले को मिलेगा फ्लैट : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को गोविंदपुरी इलाके में जहां झुग्गी वहां मकान योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। टीम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव बब्बर और सुनील यादव शामिल थे। इस मौके पर आदेश गुप्ता ने कहा कि निगम में दोबारा भाजपा के जीतकर आने पर तुरंत ही दिल्ली के सभी झुग्गी झोपड़ियों वालों को इस तरह के जहां झुग्गी वहां मकान योजना में फ्लैट दिलवाए जाएंगे। सांसद रमेश बिधूड़ी ने वहां अपना घर देखने के लिए आए लोगों से कहा कि देश में ये पहला ऐसा प्रोजेक्ट है, जो कि जहां झुग्गी थी, वहीं अपार्टमेंट में फ्लैट दिया गया है। धीरे धीरे करके हमारी कोशिश होगी कि सभी झुग्गीवालों को ऐसे अपार्टमेंट में फ्लैट दे सकें।

बायो डीकंपोजर घोल पंजाब में क्यों नहीं बांटा : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर दिल्ली के खराब प्रदूषण पर सवाल खड़े किए। उन्होंने दिल्ली सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि अगर दिल्ली में बायो डिकम्पोजर घोल इतने ही असरदार साबित हुए तो उसे पंजाब में क्यों नहीं लागू किया जा रहा है। पंजाब में पराली जलाने के मामलों में 34 फीसदी वृद्धि हुई है, जबकि, हरियाणा में 30 फीसदी की कमी भी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि बहुत सीधी बात है कि यह बायो डीकम्पोजर घोल वितरण सफल नहीं हो पाया है क्योंकि अगर यह सफल हुआ है तो पंजाब में क्यों नहीं लागू हुआ।

फार्च्यूनर लूट के मामले में एक बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। क्राइम ब्रांच ने दिल्ली कैंट इलाके से पिस्टल के बल पर फॉर्च्यूनर लूटने वाले गैंगस्टर प्रिंस तेवतिया गैंग के एक बदमाश सौरभ को गिरफ्तार किया है। पुलिस को अब इस मामले में शामिल प्रिंस समेत कई बदमाशों की तलाश है। सौरभ कुछ समय पहले ही परोल पर प्रिंस के साथ जेल से बाहर आया था, जिसे 27 अक्तूबर को सरेंडर करना था। शुरूआती पूछताछ में पता चला है कि बदमाश प्रिंस को फार्च्यूनर पसंद आ गई थी। इसलिए वारदात को अंजाम दिया गया। जानकारी के मुताबिक गत 28 अक्तूबर को मेरठ निवासी राहुल अपने मालिक को आईजीआई एयरपोर्ट छोड़ने के लिए आया था। वापस लौटते वक्त आरटीआर फ्लाईओवर स्थित एक आउटलेट पर उसने फॉर्च्यूनर रोकी। अचानक तीन लड़के बाइक से आए और पिस्टल दिखाकर फॉर्च्यूनर लूट ली और फायरिंग करते हुए फरार हो गए। इस बीच वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो क्राइम ब्रांच भी जांच में जुट गई और बदमाश को धर दबोचा।

अग्रसेन कॉलेज में मनाया डीयू का शताब्दी वर्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध महाराजा अग्रसेन कॉलेज परिसर में विश्वविद्यालय का शताब्दी समारोह आयोजन के तहत दो सांस्कृतिक प्रतियोगिता ऑल राइस बैटल ऑफ बैंड्स और महाराजा क्विज का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य दिल्ली विश्वविद्यालय के जॉइंट डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने कहा कि छात्र इस विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और महत्ता के मुख्य कारण हैं। यही युवा देश के भविष्य हैं। प्रो. रंजन ने बताया कि छात्र जीवन के पांच वर्षों का उपयोग जिस तरीके से करते हैं, वही आपके भविष्य का निर्माण करता है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजीव कुमार तिवारी ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय की शुरूआत 750 छात्रों से हुई थी और आज यह संख्या लगभग सात लाख तक पहुंच गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय अपने छात्रों की विविधता और एकता के लिए जाना जाता है, यहां भारत के सभी राज्यों से छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं।

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला क्षेत्र के अंतर्गत भोरगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फैक्टरी में शनिवार सुबह साढ़े सात बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के समय कोई भी कर्मचारी फैक्टरी के भीतर मौजूद नहीं था जिससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं पिछले दिनों हुए नरेला अग्निकांड मामले को ध्यान में रखते हुए राहत बचाव दल के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि यह फैक्टरी प्लास्टिक के जूते-चप्पल बनाने वाली है। आग फैक्टरी के पहली मंजिल पर लगी थी जिसके बाद फिलहाल वहां कूलिंग की जा रही है। घटना में किसी के हताहत होने की तो खबर नहीं है लेकिन फैक्टरी में रखा लाखों का माल जलकर राख हो गया है। हालांकि नुकसान की सटीक जानकारी कूलिंग के बाद ही पता चलेगी। आग लगने के बाद पूरी बिल्डिंग जर्जर हो गई है जिससे यह कभी भी गिर सकती है। फैक्ट्री के गार्ड ने आग लगने की जानकारी दमकल विभाग को दी थी।

हवा की दिशा बदलने से राहत

मंगलवार तक प्रदूषण में आएगी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बीते दो दिनों से बढ़े हुए प्रदूषण से शनिवार को हल्की राहत मिली। हवा की दिशा बदलने के चलते शनिवार को प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी से बेहद खराब श्रेणी में आ गया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक जहां गुरुवार को 450, शुक्रवार को 447 दर्ज हुआ था तो वहीं शनिवार को यह आंकड़ा 385 दर्ज किया गया है। शनिवार को भी दिल्ली के 13 इलाके ऐसे रहे जहां पर प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा। इनमें अधिकांश इलाके दिल्ली बार्डर के पास वाले हैं। अगले दो दिनों में प्रदूषण में कम होकर खराब श्रेणी में जाने की संभावना है।

राजधानी में प्रदूषण के चलते लगातार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस सप्ताह के अधिकांश दिनों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी या उसका आसपास रहा है। लेकिन शनिवार से इसमें कमी देखने को मिल रही है। शनिवार सुबह जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 415 दर्ज किया गया तो वहीं शाम तक यह घटकर 385 पर आ गया। अगले दो दिनों में इसमें और कमी आने की संभावना जताई गई है। सफर की माने तो आगामी मंगलवार तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से नीचे जा सकता है। ऐसा होने पर यह बेहद खराब श्रेणी से खराब श्रेणी में पहुंच जाएगा। राजधानी में शनिवार को तेज हवा चलने से प्रदूषक कणों का बिखराव हुआ है जिसके चलते वायु गणवत्ता सूचकांक में कमी देखने को मिल रही है।

जगह वायु गुणवत्ता सूचकांक

नरेला 427
बवाना 424
सोनिया विहार 420
जहांगीरपुरी 419
आरकेपुरम 416
रोहिणी 413
वजीरपुर 410
मुंडका 407
अलीपुर 406
अशोक विहार 402
पडपड़गंज 402
विवेक विहार 401
नेहरु नगर 401

शनिवार को दिल्ली में हवा 10 से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली, जिसके चलते प्रदूषण से लोगों को राहत मिली है। शनिवार को उत्तर-पश्चिम की जगह पूर्वी एवं दक्षिण पूर्वी दिशा से हवाएं चली। इस वजह से पराली का प्रदूषण दिल्ली तक काफी कम पहुंचा। सफर के मुताबिक दिल्ली के प्रदूषण में गुरुवार को पराली का प्रदूषण 30 फीसदी, शुक्रवार को 34 फीसदी जबकि शनिवार को 21 फीसदी शामिल रहा है। बीते 24 घंटे में पराली जलाने के 1761 मामले दर्ज हुए हैं। पराली के कम जलने की वजह से भी दिल्ली की हवा में सुधार देखने को मिला है। शनिवार को अधिकत्तम तापमान 30 डिग्री जबकि न्यूनत्तम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया है।

13 जगहों पर गंभीर श्रेणी में प्रदूषण

राजधानी में शनिवार को 13 जगहों पर प्रदूषण गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। इनमें अधिकांश क्षेत्र दिल्ली के बार्डर से सटे हुए हैं। इनमें नरेला, अलीपुर, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, रोहिणी, अशोक विहार आदि शामिल हैं। इनके अलावा विवेक विहार, नेहरु नगर, पटपड़गंज, आरकेपुरम, सोनिया विहार और वजीरपुर में भी प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा।

दिल्ली सरकार ने दिल्ली को गैस चैंबर बना डाला: हरीश खुराना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना ने दिल्ली के खराब प्रदूषण पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि बार-बार कहने के बावजूद केजरीवाल सरकार प्रदूषण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं रही है। आज स्थिति यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली को गैस चैंबर बना डाला है। आज दिल्ली में हवा का ए.क्यू.आई. लेवल 550 से ऊपर हो चुका है और ऐसी हवा खासकर बच्चों के लिए जहरीली ही नहीं बल्कि जानलेवा है। यह बाते हरीश खुराना ने आज प्रेसवार्ता के दौरान कही। इस बीच प्रदेश प्रवक्ता अजय सहरावत भी उपस्थित थे। खुराना ने कहा कि आरटीआई से इस बात का खुलासा हुआ है कि दिल्ली सरकार ने पूसा इंस्टीट्यूट से बायो डीकम्पोजर का घोल दो साल के अंदर 3.79 लाख रुपये का खरीदा और फिर उसके छिड़काव करने में 64.12 लाख रुपये खर्च आए जबकि छिड़काव में सिर्फ किराए के ट्रैक्टर और टैंट का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि 23.27 करोड़ रुपये विज्ञापन बाज मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अपने चेहरा चमकाने के लिए खर्च कर डाले। जबकि ये सारी बातें भाजपा की नहीं बल्कि दिल्ली सरकार द्वारा ही दिए गए आरटीआई की है। खुराना ने केजरीवाल सरकार से प्रश्न करते हुए कहा कि अगर दिल्ली में बायो डिकम्पोजर घोल इतने ही असरदार साबित हुए तो उसे पंजाब में क्यों नहीं लागू किया जा रहा है क्योंकि पंजाब में 34 फीसदी पराली जलाने के मामलों में वृद्धि हुई है। वही हरियाणा में 30 फीसदी की कमी भी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि बहुत सीधी बात है कि यह बायो डीकम्पोजर घोल वितरण सफल नहीं हो पाया है। क्योंकि अगर यह सफल हुई है तो पंजाब में क्यों नहीं लागू हुई और अगर सफल नहीं हुई तो फिर इसके पीछे 23.27 करोड़ रुपये बर्बाद करने की क्या आवश्यकता थी।

महंगी टॉयलेट सीट हटाने से मना करने पर पूर्व किरायेदार ने मकान मालिक को पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक किरायेदार ने महंगी टॉयलेट सीट को हटवाने से इनकार करने पर अपने पूर्व मकान मालिक की पिटाई कर दी। उक्त किरायेदार ने यह टॉयलेट सीट संबंधित मकान मालिक की संपत्ति में रहने के दौरान लगवाई थी।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि घटना शुक्रवार दोपहर की है। पुलिस को तीन बजकर 38 मिनट पर 30 फुटा रोड स्थित चाणक्य प्लेस पर एक चर्च के पास एक मकान मालिक और उसके पूर्व किरायेदार के बीच हाथापाई की सूचना मिली।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, हाथापाई में घायल वेद प्रकाश ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने वर्ष 2021 में कार्यालय खोलने के उद्देश्य से अपनी संपत्ति सुभाष मैग्गो नाम के व्यक्ति को किराये पर दी थी, जिसने लगभग एक महीने पहले परिसर खाली कर दिया था। अधिकारी के अनुसार, परिसर के इस्तेमाल के दौरान मैग्गो ने वहां एक महंगी टॉयलेट सीट लगवाई थी, जिसे वह संबंधित परिसर को खाली करने के बाद हटवाना चाहता था।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) हर्षवर्धन ने बताया कि शुक्रवार को मैग्गो ने टॉयलेट सीट हटाने के लिए कुछ मजदूर भेजे, जिस पर मकान मालिक ने आपत्ति जताई। इसके बाद मैग्गो कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंचा और प्रकाश से बहस शुरू कर दी।

हर्षवर्धन ने कहा कि मैग्गो और उसके साथ अगले कुछ ही पलों में लाठी-डंडों से प्रकाश की पिटाई करने लगे। उन्होंने बताया कि डाबरी थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा), 341 (गलत तरीके से रोकने के लिए सजा), 452 (चोट पहुंचाने, हमला करने या गलत तरीके से रोकने के इरादे से घर में घुसलना), 427 (नुकसान पहुंचाने के इरादे से गलत हरकत करना) और 34 (समान इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है और आरोपियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

अभिजीत बनर्जी ने जन आकांक्षाओं के अनुरूप राष्ट्र बनाने के लिए आईआईटी छात्रों से अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली से स्नातक की उपाधि हासिल करने वाले छात्रों से भारत को प्रत्येक व्यक्ति की आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र बनाने के लिए अतिरिक्त योगदान देने की अपील की। आईआईटी, दिल्ली के 53वें दीक्षांत समारोह में बनर्जी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की इस दृष्टि का समर्थन किया कि यदि आईआईटी का कोई औचित्य है तो यह राष्ट्र के लिए दिया जा सकने वाला इसका योगदान है।

प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा, हम जिस राष्ट्र की आकांक्षा करते हैं, उसके लिए अतिरिक्त योगदान देने वाले आप जैसे लोगों की हमें जरूरत है। इसके लिए, मुझे यह कहना है कि मैं चाहता हूं कि आपके कदम अब न रुकें। (आप) परिवर्तन लाना जारी रखें। बनर्जी ने छात्रों से कहा, हम एक ऐसे समय में हैं जब हमारी बड़ी आकांक्षाएं हैं, हमारी बड़ी समस्याएं हैं और वहां प्रतिभाशाली लोगों को आना ही होगा। इसलिए, आशावादी बनें और खुद को परिवर्तन का वाहक बनाएं।

उन्होंने कहा, बेशक, राष्ट्र के लिए उपयोगी होने के हजारों रास्ते हैं। आप विज्ञान में कुछ बेहतरीन चीजें कर सकते हैं और राष्ट्र को गौरवान्वित कर सकते हैं। आप वैश्विक कंपनी स्थापित कर सकते हैं और सैकड़ों-हजारों युवाओं को नौकरी दे सकते हैं। आप एक औषधि की खोज कर सकते हैं और लाखों लोगों की जान बचा सकते हैं। उन्होंने कहा, आपने यहां पहुंचने के लिए कई बाधाएं पार की हैं। राष्ट्र को आपकी जरूरत है। नेहरू का प्रौद्योगिकी में बहुत विश्वास था...मैं नेहरू की इस दृष्टि का पूरी तरह से समर्थन करता हूं कि यदि आईआईटी का कोई औचित्य है तो यह राष्ट्र के लिए आपका योगदान है।

दीक्षांत समारोह में, कुल 21,000 छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किये गये। इस अवसर पर आईआईटी, दिल्ली के निदेशक मंडल के अध्यक्ष आर. चिदंबरम ने कहा, भारत अब एक विकासशील देश है, जहां अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र तथा रक्षा के कुछ क्षेत्रों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अत्यधिक विकसित है।

पक्का मकान पाने वाले लाभार्तियों से आदेश गुप्ता ने की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने शनिवार को कालकाजी जाकर पक्का मकान पाने वाले लाभार्तियों से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने दक्षिणी दिल्ली के विभिन्न झुग्गी क्षेत्रों के लोगों को फ्लैट दिखाये।

इस मौके पर आदेश गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कालकाजी में झुग्गीवासियों को पक्के मकान देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जहां झुग्गी वहां मकान का जो सपना मोदी ने देशवासियों को दिखाया था उसे अब प्रत्यक्ष रूप मिला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 45 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अगर किसी सरकार ने झुग्गीवासियों का हित सोचा उन्हें पक्के मकान दिये तो वो मोदी सरकार है। इन सुंदर अपार्टमेंट में मोदी सरकार ने सभी आधुनिक सुविधाएं दी हैं। दिल्ली के सभी झुग्गीवासियों को मोदी सरकार पक्के मकान देगी।

इस अवसर पर दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी भी उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि दक्षिणी दिल्ली में भूमिहीन कैम्प गोविंदपुरी के गरीब झुग्गीवासियों को दिए गए फ्लैट्स को देखने के लिए आए दक्षिणी दिल्ली के विभिन्न झुग्गी क्षेत्रों के लोगों की खुशी उत्साह व आत्म विश्वास शब्दो में व्यक्त नही किया जा सकता।

एसओएल में 74 हजार से अधिक छात्रों ने लिया दाखिला

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में अब तक 1 लाख 17 हजार से अधिक नामांकन और 74 हजार से अधिक छात्रों ने स्नातक कोर्स में दाखिला लिया है। एसओएल में अब भी एमबीए और बीबीए में अपेक्षित दाखिला नहीं हुआ है। एमबीए में शनिवार शाम 5 बजे तक मात्र 3524 छात्रों ने दाखिला लिया है। जबकि 5153 ने नामांकन कराया था। इसी तरह बीलिब में 703 छात्रों ने नामांकन कराया, लेकिन 299 छात्रों ने ही दाखिला लिया है। एमलिब में 176 ने नामांकन कराया और 27 ने दाखिला लिया। एसओएल में दाखिला की अंतिम तिथि 15 नवंबर है। डीयू में स्नातक के नियमित कोर्स में अब तक सबसे अधिक दाखिला बीए प्रोग्राम में 44,425, बीकाम में 12,243, बीकॉम ऑनर्स में 5,777, बीए इंग्लिश ऑनर्स में 2,324, बीए पॉलिटिकल साइंस में 9,674, बीए इकोनोमिक्स में 214 तथा बीबीए में 158 और बीएमएस में 78 छात्रों ने दाखिला लिया है। ज्ञात हो कि डीयू में नियमित और दूरस्थ शिक्षा के लिए समान कोर्स पढ़ाया जाता है, लेकिन दूरस्थ शिक्षा में नियमित कक्षाएं नहीं चलती हैं।

स्पा में महिला की मौत के बाद एफआईआर दर्ज नहीं करने पर डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस को भेजा समन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में एक स्पा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में दिल्ली पुलिस को समन जारी किया है। मृतका ने 04 सितंबर को बतौर थेरेपिस्ट स्पा में नौकरी शुरू की थी। कथित तौर पर, नौकरी के पहले ही दिन स्पा में कुछ पीने के बाद उसे उल्टी होने लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उक्त स्पा को भी करीब नौ महीने पूर्व दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन करने पर सील कर दिया गया था लेकिन फिर से खोल दिया गया था। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रीत विहार से दिनांक 06.09.2022 को कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई, जिन्होंने बताया कि इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आयोग ने अरुणा आसफ अली अस्पताल को एक नोटिस जारी किया, जिसने बताया कि मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पहले ही दिल्ली पुलिस को सौंपी जा चुकी है और मृतका की मृत्यु का कारण जानने के लिए फोरेंसिक से राय लेने के लिए विसरा नमूना भी संरक्षित किया गया है।

शाम होते ही गैस चैंबर में तब्दील हो रही दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में शनिवार का दिन धूप खिलने से साफ रहा लेकिन शाम होते ही ऊपर स्मॉग की चादर छा गई। मौसम वैज्ञानिक महेश पालावत ने बताया कि राजधानी में शाम के समय हवा का बहाव लगभग बंद हो जाता है। इसके चलते प्रदूषण के कण शाम के समय तेजी से बह नहीं पाते और इसकी वजह से आसमान में स्मॉग की चादर बन रही है। उन्होंने बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक इस तरह की स्मॉग की चादर दिल्ली में बने रहने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली में एक तरफ प्रदूषण का स्तर कम हो रहा है तो वहीं दूसरी तरफ शाम से स्मॉग की चादर आसमान में बन रही है। मौसम विशेषज्ञ महेश पालावत ने बताया कि राजधानी में प्रदूषण का स्तर घटने की वजह पूर्वी हवा है। दिल्ली में अभी पूर्व की तरफ से हवा बह रही है जिसके चलते पराली का धुआं दिल्ली की तरफ बहुत ही कम आ रहा है। इसकी वजह से वायु गुणवत्ता सूचकांक में गिरावट दिख रही है। लेकिन अभी भी दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में दिन के समय तो हवा बह रही है, लेकिन शाम होते ही हवा लगभग स्थिर हो जाती है। हवा के नहीं बहने की स्थिति में दिल्ली का लोकल प्रदूषण आसमान में ठहर जा रहा है जिसकी वजह से स्मॉग देखने को मिल रही है। शनिवार को भी इसी कारण से शाम के समय दिल्ली में स्मॉग की चादर देखने के मिल रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में अगले दो से तीन दिनों तक स्मॉग की चादर आसमान में बनी रह सकती है।

समन करने की मांग संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय, उनके पिता सुरेश ओबेरॉय और उनकी दिल्ली स्थित फर्म याशी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड को वर्ष 2003 में एक मनोरंजन कंपनी को कथित रूप से धोखा देने के लिए समन करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि पूरे मामले को देखने के बात दस्तावेजों से यह तथ्य सामने नहीं आया है कि इस मामले में भारती दंड संहिता के तहत धोखाधड़ी का मामला बनता है। लिहाजा याचिकाकर्ता की मांग को खारिज किया जा रहा है। वह इस मामले में दीवानी उपचार का सहारा ले सकता है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यहां तक कि पूरी शिकायत के आधार पर अपराध का खुलासा न करना भी शिकायत को रद्द करने का एक आधार बन रहा है। मुंबई के मेहता एंटरटेनमेंट के सीईओ याचिकाकर्ता दीपक मेहता ने शुरूआत में ओबेरॉय परिवार और उनकी कंपनी के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत के साथ यहां एक मजिस्ट्रेट अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उनके खिलाफ समन जारी करने की मांग की गई थी। निचली अदालत से शिकायत खारिज कर दी गई थी। निचली अदालत के आदेश को सत्र अदालत और उसके बाद उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई थी।

शिकायत के अनुसार, याचिकाकर्ता एक इवेंट मैनेजमेंट व्यवसाय चला रहा था और संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न हिस्सों में मशहूर हस्तियों/सिने सितारों और फिल्म अभिनेताओं के शो आयोजित कर रहा था। याचिका के अनुसार, जनवरी 2003 में, शिकायतकर्ता को ओबेरॉय से मिलवाया गया था। सुरेश ओबेरॉय ने उसे अपने बेटे विवेक के लिए यूएसए और कनाडा में उस साल अगस्त और सितंबर में कुछ शो आयोजित करने के लिए कहा था। इसने आरोप लगाया कि शो के आयोजन का सौदा पूरा हो गया था और विवेक की सहमति प्राप्त कर ली गई थी। इनके बैंक खाते में रकम भी भेज दी गई थी। शिकायतकर्ता ने आगे कहा कि उसने प्रतिवादी नंबर 1 (यशी एंटरटेनमेंट) के बैंक खाते में उक्त राशि भेज दी।

विवेक ओबेरॉय को तलब करने की अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय, सुरेश ओबेरॉय और उनकी दिल्ली स्थित फर्म यशी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड को तलब करने की मांग से संबंधित याचिका खारिज कर दी है। विवेक और उनकी कंपनी पर एक मनोरंजन कंपनी ने 2003 में कथित रूप से धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि वह न केवल इस आधार पर याचिका खारिज कर रहे हैं कि याचिकाकर्ता ने दीवानी उपायों का सहारा लिया है, बल्कि इसलिए भी कि अदालत ने पाया कि भारतीय दंड संहिता के तहत धोखाधड़ी का मामला प्रथम दृष्टया नहीं बनता है। उच्च न्यायालय ने एक नवंबर को जारी आदेश में कहा, यहां तक कि पूरी शिकायत के आधार पर अपराध के होने का खुलासा न होना भी उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार शिकायत को रद्द करने का एक आधार है। मुंबई स्थित मेहता एंटरटेनमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं याचिकाकर्ता दीपक मेहता ने शुरूआत में ओबेरॉय परिवार और उनकी कंपनी के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत के साथ दिल्ली की एक मजिस्ट्रेट अदालत का रुख किया था।

एक नजर

महिला से पूछताछ करने गई पुलिस से मारपीट

नई दिल्ली, एजेंसी। खजूरी खास इलाके में कारोबारी को दुष्कर्म के आरोप में फंसाने की धमकी देकर जबरन वसूली के मामले में पूछताछ करने पहुंची पुलिस टीम पर युवती के परिजनों ने हमला कर दिया। एक एसआई को चोटें आई हैं। एसआई की शिकायत पर करावल नगर थाने की पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। एसआई बलबीर उत्तर पूर्वी जिले के एएटीएस टीम में इंचार्ज हैं। एसआई के अनुसार, चार नंवबर को खजूरी खास के एक हार्डवेयर कारोबारी ने थाने में शिकायत दी थी। उसने पुलिस को बताया कि करावल नगर की रहने वाली एक युवती अपने दो दोस्तों को साथ मिलकर उसे दुष्कर्म के आरोप में फंसाने की धमकी जबरन वसूली कर रही है। युवती ने उससे एक करोड़ रुपये का चेक भी ले रखा है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। जिले के एएटीएस टीम को भी लगाया था। ऐसे में एसआई बलबीर महिला कांस्टेबल समेत टीम के साथ करावल नगर में युवती के घर पर पूछताछ के लिए पहुंचे। जहां पूछताछ के दौरान युवती, उसका भाई, मां व पिता ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। अभद्र भाषा में बात करने लगे। एसआई बलबीर ने विरोध किया तो उन्होंने धक्का-मुक्की व मारपीट करने लगे। बाकी पुलिस कर्मियों ने बीच बचाव किया और थाने में पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एसआई को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेकर गई। पुलिस एसआई बलबीर की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच कर रही है।

ट्रिपल मर्डर में चौथा आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के हरिनगर थाना इलाके में हुए ट्रिपल मर्डर केस में शामिल चौथा आरोपित को हरिनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि मुख्य आरोपित अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। गिरफ्तार आरोपित का नाम रमजान बताया जा रहा है जिसे उसके नाना के घर से गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी घनश्याम बंसल ने बताया कि पांच नवंबर को इंस्पेक्टर प्रताप सिंह की टीम पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर रही थी। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक आरोपित बिहार भाग गया है। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और अररिया स्थित काकन गांव में छापेमारी कर 19 वर्षीय रमजान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित अपने नाना के घर छिपा हुआ था। पुलिस ने आरोपित के पास से एक लाख रुपये, दो दो महंगी घड़ियां, हीरे की अंगूठी, एक चांदी की पायल, आईफोन और चांदी की चेन भी बरामद की है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में ट्रिपल मर्डर की घटना की से सनसनी फैल गई थी। इस घटना में समीर आहूजा, उनकी पत्नी शालू और नौकरानी सपना की हत्या कर दी गई थी। बाद में पुलिस की जांच में सामने आया कि प्रेमिका को पार्लर से निकाले जाने के कारण आरोपित ने दंपती की हत्या कर दी थी। वारदात के समय नौकरानी भी मौके पर आ पहुंची थी, जिसे देखकर आरोपितों ने उसे भी मौत के घाट उतार दिया था। फिलहाल मामले के मुख्य आरोपित अनिल गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

कारोबार में घाटा होने पर बुजुर्ग ने की खुदकुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के आजादपुर में रहने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग जयप्रकाश ने वजीराबाद स्थित यमुना नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। बुजुर्ग सुबह साढ़े तीन बजे यमुना नदी के किनारे पर आए थे। मृतक पेशे से कारोबारी है। बताया जा रहा है कि कारोबार में घाटा होने पर लंबे समय से वह तनाव में थे।

मृतक ने अपने घर पर सुसाइड नोट भी छोड़ा है। जब बुजुर्ग सुबह घर में नहीं मिले तो तलाशी लेने पर परिवार के लोगों को सुसाइड नोट मिला। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके बाद परिजन यमुना पर आये। पुलिस ने घंटों की मशक्कत के बाद गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन कर शव को बाहर निकाला।

उत्तरी जिले के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि आजादपुर इलाके में रहने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग जयप्रकाश पेशे से कारोबारी हैं और उनकी गाजियाबाद में पेंट की फैक्ट्री है। कारोबार में घाटा होने पर लंबे समय से तनाव में थे। रविवार सुबह बुजुर्ग अपने घर से वजीराबाद स्थित यमुना किनारे सुर घाट पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने यमुना में छलांग लगा दी। कारोबार में घाटा से संबंधित सुसाइड नोट बुजुर्ग ने अपने घर पर छोड़ा था। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पुलिस ने 80 वर्षीय जयप्रकाश के शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया दिया है और मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एसओएल में दाखिला चाहिए तो 15 नवंबर तक करा ले पंजीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के रेगुलर कॉलेज में दाखिला नहीं मिलने से छात्र परेशान हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि वे क्या करें और क्या न करें। ऐसे छात्र जिन्हें डीयू के रेगुलर कॉलेज में दाखिला नहीं मिला, वे अपना साल खराब होने से बचा सकते हैं। दरअसल, डीयू के स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब भी दाखिला चल रहा है।

सत्येंद्र जैन को दिल्ली के बाहर के जेल में किया जाए शिफ्ट, केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से तुरंत प्रभाव से सत्येंद्र जैन को दिल्ली के बाहर के जेल में शिफ्ट करने की मांग की है, ताकि उनके ऊपर चल रहे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

मीनाक्षी लेखी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सुकेश चंद्रशेखर की चिट्ठी के बाद यह साफ हो गया कि जेल के अंदर सत्येंद्र जैन को सभी सुविधाएं मिल रही है। फोन भी सत्येंद्र जैन के पास उपलब्ध है। पत्र में सुकेश चंद्रशेखर आप नेताओं को जो पैसे देने का खुलासा किया है, उसको लेकर केजरीवाल को जवाब देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री और नई दिल्ली से सांसद मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में दोपहर तकरीबन 3:30 बजे महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार पर न सिर्फ जमकर आरोप लगाया

बल्कि अरविंद केजरीवाल को वसूली भाई तक करार दिया। लेखी ने सुकेश चंद्रशेखर द्वारा जेल से लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इस पत्र के बाद यह स्पष्ट हो गया कि किस तरह से अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के द्वारा बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किया गया है।

उन्होंने कहा कि पत्र में साफ तौर पर लिखा हुआ है कि 50 करोड़ रुपए की ट्रांजेक्शन हुई, जबकि 50 करोड़ रुपए असोला के फार्महाउस में कैलाश गहलोत और सत्येंद्र जैन को दिए गए थे। मीनाक्षी लेखी ने 'आप' से सवाल पूछा कि अगर सुकेश चंद्रशेखर महाठग है तो उससे आखिर ?50 करोड़ क्यों लिए गए। मीनाक्षी लेखी ने आगे अपनी बात रखते हुए कहा कि पत्र के माध्यम से यह भी सामने आया कि किस तरह से सुकेश चंद्रशेखर के ऊपर दक्षिण भारत में ऐसे 30 लोगों का इक्कठा करने का आप ने दवाब बनाया, जो आप के लिए 500 करोड़ रुपए जैसे बड़ी फंड की राशि का इंतजाम करें। जिससे आप का विस्तार दक्षिण भारत में हो सके।

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने एक अन्य मुद्दे पर कहा कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भ्रष्टाचारी मंत्री बना रहे या नहीं, यह उस राज्य सरकार के विवेक पर निर्भर करता है। मीनाक्षी लेखी ने आगे तंज कसते हुए कहा कि दिल्ली सरकार का जो जेल मंत्री है, आज वह उसी जेल के अंदर बैठकर तमाम सुविधाओं और आनंद का लुफ्त उठा रहा है। पूरा मामला सामने आने के बाद दोषी अधिकारियों का तबादला किया गया। लेकिन जो जेल मंत्री है, उसके ऊपर कोई एक्शन नहीं लिया गया। वह अभी भी उसी जेल में है।

भ्रष्टाचार के इतने आरोप लगने और जेल की सलाखों के पीछे जाने के बाद सत्येंद्र जैन को मंत्री बने रहने का कोई हक नहीं है। क्योंकि यह लोकतंत्र की तोहीन है। अगर वह व्यक्ति कभी भी जेल मंत्री है तो अपने ही जेल में रहकर अधिकारों का गलत तरीके से प्रयोग कर रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सत्येंद्र जैन को तुरंत प्रभाव से दिल्ली के बाहर के जेल में शिफ्ट किया जाए ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष तौर पर जांच हो सके। सत्येंद्र जैन जेल के अंदर बैठकर सीधे तौर पर वसूली का धंधा चला रहा है और अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रहा है।

दिल्ली में मेट्रो की पटरी पर पेशाब करते व्यक्ति का वीडियो वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक व्यक्ति को दिल्ली मेट्रो के प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर पटरी पर पेशाब करते देखा जा सकता है। इस वीडियो ने सोशल मीडिया मंच पर कई लोगों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया, जिन्होंने इसे स्तब्ध कर देने वाला बताया। दिल्ली मेट्रो स्टेशन के परिसर को स्वच्छता के लिए जाना जाता है और थूकने जैसे कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों पर जुमार्ना लगाया जाता है।

बिना तारीख वाला वीडियो कुछ दिन पहले ट्विटर पर एक व्यक्ति ने साझा किया और लिखा, हो सकता है कि दिल्ली मेट्रो में यह पहली बार हुआ हो। उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को भी अपने ट्वीट में टैग किया।

दिल्ली मेट्रो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे परिसर और ट्रेन के अंदर सफाई और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। यात्रियों के उपयोग के लिए स्टेशन पर शौचालय की व्यवस्था है। उन्होंने कहा, इस तरह की कोई गतिविधि नजर आने पर यात्री निकटतम डीएमआरसी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं या हमारे हेल्पलाइन नंबर 155370 या सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 155655 पर संपर्क कर सकते हैं, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। वीडियो में, इसे (वीडियो) बना रहे व्यक्ति द्वारा यह कहते सुना जा सकता है, तुम कहां पेशाब कर रहे हो?

सागर धनखड़ हत्याकांड

सुशील पहलवान को पत्नी की सर्जरी के लिए जमानत के एक दिन बाद रिहाई मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। सागर धनखड़ हत्याकांड में अंतरिम जमानत मिलने के एक दिन बाद पहलवान सुशील कुमार को शनिवार रात को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। सुरक्षा कारणों से उन्हें अलग गेट से छोड़ा गया। रोहणी अदालत ने शुक्रवार को उन्हें पत्नी की सर्जरी के लिए 13 नवंबर तक अंतरिम जमानत दी है। वह पीठ के निचले हिस्से में दर्द से पीड़ित हैं।

सूत्रों के मुताबिक सुशील को तिहाड़ जेल के गेट नंबर 4 की जगह अलग गेट से रिहा किया गया है। वैसे चार नंबर गेट आमतौर पर कैदियों को रिहा करने के लिए प्रयोग किया जाता है। सुशील का रिहाई वारंट शनिवार शाम को ही तिहाड़ जेल पहुंचा दिया गया। सुशील के वकील सुमीत शौकीन ने पुष्टि की कि सुशील को सुरक्षा कारणों से एक अलग गेट से रिहा किया गया। सर्जरी 7 नवंबर को होनी है। अदालत ने शुक्रवार को आदेश दिया कि गवाहों की धमकी की धारणा को ध्यान में रखते हुए और स्वयं आरोपी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, कम से कम दो सुरक्षाकर्मी उसके साथ चौबीसों घंटे मौजूद रहेंगे।

फ्री इंट्री के साथ दिल्ली के कनॉट प्लेस में एन्जॉय करें सरस फूड फेस्टिवल

नई दिल्ली, एजेंसी। संडे को कहीं बाहर घूमने जाने का प्लान कर रहे तो कनॉट प्लेस के नजदीक बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित हैंडीक्राफ्ट भवन पर सरस फूड फेस्टिवल का लुत्फ परिवार सहित उठा सकते हैं। 28 अक्टूबर को शुरू हुआ ये फूड फेस्टिवल 10 नवंबर तक जारी रहेगा। सरस फूड फेस्टिवल में 17 राज्यों के जायकों के साथ लाइव सिंगिंग शो का मजा भी ले सकते हैं। सरस फूड फेस्टिवल में आने वालों के लिए किसी तरह का टिकट नहीं है। ये सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहता है और आप इसमें अपने परिवार के साथ आ सकते हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से सरस फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश भर के 17 राज्यों की करीब 150 महिला उद्यमी व स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भाग ले रही हैं। हरियाणा के इस स्टॉल पर जायकेदार पालक पनीर, बाजरे की रोटी, छाछ, गुड़, केसर खीर, चुरमा, मक्के की रोटी सरसों का साग, कढ़ी चावल जैसे हरियाणवीं व्यंजन मिल जाएंगे। इसके साथ ही अगर हम पंजाब की बात करें तो यहां दही बल्ला, पापड़ी, राम लड्डू, आलू टिक्की, मक्के की रोटी और सरसों की साग लोगों को काफी लुभा रही है। राजस्थान के स्टॉल पर दाल बाटी चूरमा, प्याज कचौड़ी, मावा कचौड़ी, रबड़ी जलेबी, रबड़ी घेवर, कुल्फी समेत राजस्थानी थाली भी है, जिसमें आपको पांच तरह की मिक्स दाल, बेसन व बाजरे की रोटी, गट्टे की सब्जी के साथ ही मूंग दाल का हलवा व चूरमा मिल जाएंगे।

खास हैं इन राज्यों के व्यंजन :-

राजस्थान- दाल बाटी चूरमा, प्याज कचौरी, दाल कचौरी

हरियाणा- राजमा चावल, बाजरे की खिचड़ी, कढ़ी चावल

तेलंगाना-हैदराबादी दम बिरयानी, कबाब

ओडिशा- मुगलई चिकन, तंदूरी चिकन, रस मलाई

अरुणाचल प्रदेश-स्पेशल बैंबू राइस, चाऊमीन, बैंबू चिकन

महाराष्ट्र- पुरन पूरी, वड़ा पाव, मिसल पाव, गावरन चिकन, भाकरी

केरल- मालाबार स्नैक, उतपम, कप्पा फिश कढी, नन्नारी शबरत, वनासुंदरी हर्बल चाय, हनी ग्रैप जूस, फ्रेश फ्रूट जूस, लेमनएड्स

उत्तर प्रदेश-पराठा, रोल्स, कबाब

असम- मशरूम मोमोज, स्टिकी स्ट्रीम राइस एंड मशरूम कढ़ी, स्टिकी राइस खीर

पंजाब- सरसो की साग और मक्के की रोटी, छोले-भटूरे, राम लड्डू, दाल मखनी और मक्के की रोटी

अरुणाचल प्रदेश- पाथेरकुलू, तंदूरी चिकन, आंध्रा चिकन, दम बिरयानी

संदिग्ध हालात में सड़क हादसे में युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिले के सिविल लाइन इलाके में संदिग्ध हालात में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस एक महिला की शिकायत के बाद राहुल को घर से पकड़ लेकर गई। इसके बाद उसका मेडिकल कराने के लिए हॉस्पिटल ले गई। जहां से वापस आते समय पुलिसकर्मियों ने उसकी पिटाई कर दी और इस दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक राहुल ऑटो चलाता था और ऑटो में सवारी बिठाने के विवाद को लेकर एक महिला से उसकी बहस हो गई, जिसके बाद महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से कर दी। परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगते हुए कहा कि सिविल लाइन दिल्ली का पॉश इलाका है। यहां पर मुख्यमंत्री, स्थानीय विधायक व जिले के डीसीपी सहित तमाम वीआईपी रहते हैं। इलाके में दिल्ली सरकार द्वारा सीसीटीवी लगाए गए हैं और हादसे से पहले सिविल लाइन थाने के गेट पर भी सीसीटीवी लगा हुआ था, लेकिन मामले में लीपापोती करते हुए घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी हटा दिया है। घटना की सूचना पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा पीड़िता को समझाने की कोशिश की जा रही थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी राहुल भी अपना ऑटो लेकर थाने के गेट पर पहुंचा था। वह नशे की हालत में था। पुलिस से पूछताछ के दौरान वह थाने के गेट से भागने की कोशिश करने लगा, इसी दौरान वह एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया, जहां उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 354, 509 के तहत मामला दर्ज कर लिया और डेड बॉडी को सब्जी मंडी मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है।

द्वारका पुलिस ने शराब तस्कर को किया गिरफ्तार, 30 कार्टून अवैध शराब बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी में लिप्त एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान पवन के रूप में हुई है। वह दिल्ली के सुरखपुर इलाके का रहने वाला है। आरोपी के कब्जे से लग्जरी गाड़ी से 30 कार्टन में रखी 1500 क्वार्टर अवैध शराब की बोतलें बरामद की गई है। डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि जिले में शराब के कारोबार और इसमें लिप्त लोगों पर लगाम लगाने के लिए स्पेशल स्टाफ पुलिस को लगाया गया है। पुलिस सूत्रों को सक्रिय कर ऐसे अपराधियों के बारे में जानकारियों को विकसित करने में लगी हुई थी। इसी क्रम में पांच नवंबर को पुलिस को गुप्त सूत्रों से अवैध शराब के एक सप्लायर पवन के बारे में पता चला, जो लग्जरी गाड़ी से भारी मात्रा में हरियाणा से शराब की खेप लेकर नजफगढ़ इलाके से होते हुए दिल्ली में आने वाला है। पुलिस ने सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर नजफगढ़ के साईं बाबा मंदिर के पास ट्रैप लगाया। जहां देर रात उनकी नजर मेट्रो फ्लैट्स, साईं बाबा मंदिर के पास से तेजी से आ रही गाड़ी पर पड़ी। पुलिस ने कार चालक को रुकने का इशारा दिया, लेकिन वो भागने की कोशिश करने लगा।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब'

न्यूनतम तापमान औसत से तीन डिग्री ऊपर दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान मौसम के सामान्य औसत से तीन डिग्री ऊपर 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दोपहर 1:10बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 341 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के जिन इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, वे हैं... अलीपुर जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 357 रहा, वहीं शादीपुर में 321, एनएसआईटी द्वारका पर 348, डीटीयू दिल्ली पर 306, आईटीओ पर 335, सीरीफोर्ट पर 351, मंदिर मार्ग पर 333, आर.के. पुरम पर 365 और आया नगर में 333 रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में वायु गुणवत्ता सूचकांक 343 दर्ज किया गया जबकि मथुरा रोड पर 324, पूसा में 304, आईजीआई हवाई अड्डे पर 332, जवाहर लाल नेहरू स्टोडियम पर 351,

नेहरू नगर में 362, पटपड़गंज में 359, अशोक विहार में 357, सोनिया विहार में 372, जहांगीरपुरी में 370, रोहिणी में 361, नरेला में 364 और बवाना में 373 दर्ज किया गया। वहीं, पंजाबी बाग (272), लोधी रोड (278) और दिलशाद गार्डन (284) में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' श्रेणी में रहा। मालूम हो कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली में 12 साल की बच्ची को मौसा ने बनाया हवस का शिकार, भेजा गया जेल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास थाना इलाके में रिश्ते को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। 12 साल की बच्ची को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ उसके मौसा ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की मां की शिकायत पर खजूरी खास थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बच्ची खजूरी खास थाना क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहती है और सरकारी स्कूल में छठी कक्षा में पढ़ती है। पीड़िता का मौसा अपने परिवार के साथ पुरानी दिल्ली में रहता है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक आरोपी

28 अक्तूबर को पीड़िता के घर आया था। पीड़िता के माता-पिता किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। आरोप है कि उसने पीड़िता के दो छोटे भाइयों को पैसे देकर दुकान से कुछ सामान लाने के लिए भेज दिया। उनके जाने के बाद उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। साथ ही परिवार वालों को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर उस बच्ची के माता-पिता के आने से पहले वहां से चला गया।

डर की वजह से उस बच्ची ने किसी को कुछ नहीं बताया। दो नंबवर को पीड़िता के पेट में अचानक दर्द होने लगा। परिवार वाले उसे अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें बच्ची के साथ दुष्कर्म होने की बात बताई। उसके बाद उसकी मां ने बच्ची से पूछताछ की। जिसके बाद पूरी घटना का खुलासा हुआ। उसके बाद बच्ची की मां ने मामले की शिकायत खजुरी खास थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सिर पर गोली चलाकर हुआ था फरार, अपराध शाखा ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शखा ईस्टर्न रेंज- 2 की टीम ने गीता कॉलोनी थाना इलाके में मामूली कहासुनी में एक शख्स पर फायरिंग कर उसकी जान लेने की कोशिश के मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान साहिल चौधरी उर्फ टाइगर के रूप में हुई है। ये दिल्ली के कृष्णन नगर इलाके का रहने वाला है। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

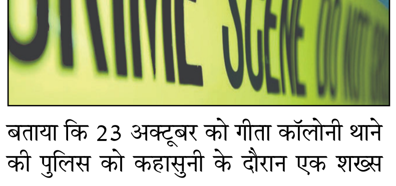

बताया कि 23 अक्टूबर को गीता कॉलोनी थाने की पुलिस को कहासुनी के दौरान एक शख्स के ऊपर फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को पता चला कि यमुना खादर के रहने वाले फुरकान और साहिल चौधरी उर्फ टाइगर के बीच झड़प हुई। जिसमें टाइगर ने मुनाजिर उर्फ पैना के माथे में गोली मार दी। जिसे तुरंत घायल अवस्था में जीटीबी हॉस्पिटल ले जाया गया।

पुलिस ने हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। इस मामले में क्राइम ब्रांच के ईस्टर्न रेंज 2 की टीम को आरोपित के बारे में जानकारियों को विकसित करने और उसकी पकड़ के लिए लगाया गया था। सूत्रों को सक्रिय कर इसके बारे में जानकारियों को विकसित करने में लगी थी। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूत्रों से इस मामले में वांछित साहिल के कृष्णा नगर के शंकर नगर इलाके में मौजूद होने का पता चला। इसके बाद एसीपी राजकुमार शाह की देखरेख में एक टीम का गठन किया गया। सूचना के आधार पर ट्रैप कर उसे दबोच लिया। पूछताछ और जांच के दौरान इस पर पहले से 11 आपराधिक मामले दर्ज होने का पता चला, जिनमें ज्यादातर मामले यमुना पार इलाके में दर्ज हैं। ये कृष्णा नगर थाने का घोषित बदमाश है और इसे 13 जून 2022 को 2 सालों के लिए दिल्ली से तड़ीपार किया गया था। इस मामले में पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

चंदौली जिला विकास की नित नई ऊंचाई को छू रहा : योगी आदित्यनाथ

चंदौली/ एजेंसी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जिले में 963.52 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। जिला मुख्यालय स्थित महिंद्रा टेक्निकल कालेज परिसर में आयोजित जनसभा में मंच से विभिन्न लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं का बटन दबाकर लोकार्पण व शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री ने बच्चों का अन्नप्राशन कराने के साथ विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई योजनाओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, आवास की चाबी सौंपी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदौली जिला विकास की नित नई ऊंचाई को छू रहा है। चंदौली के किसान निरंतर आगे बढ़ रहे है। जिले में काला चावल की खेती करने वाले किसानों और नीति आयोग के मानकों पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जिले की सराहना कर मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदौली उत्पादक जनपद है। खेती-किसानी के कारण चंदौली की अपनी एक अलग पहचान है। जनपद ने अपनी इस पहचान के माध्यम से देश व दुनिया में अपने को और उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है। एक सामान्य जनपद के रूप में चंदौली की नई पहचान ने भारत सरकार के नीति आयोग से कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। केन्द्र और प्रदेश सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख कर मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार लोगों के स्वास्थ्य के साथ विरासत को भी संरक्षित करने का काम कर रही है।

योगी ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जब जिलों में मेडिकल कालेज बनवाने की प्रक्रिया शुरू हुई तो यहां भी मेडिकल कालेज की नींव पड़ी। मेडिकल कालेज का नाम संत बाबा कीनाराम के नाम पर रखकर स्थानीय विरासत की पहचान दूर-दूर तक पहुंचाने का काम किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मार्च 2023 में मेडिकल कालेज बनकर यहां पर तैयार हो जाएगा। मेडिकल कॉलेज के बन जाने से चन्दौली के नौजवानों को मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बीएचयू पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सरकार सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।

- मुख्यमंत्री ने जिले को 963.52 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की दी सौगात
- बच्चों का अन्न प्राशन कराने के साथ विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई योजनाओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं परिवार व समाज को स्वालंबन प्रदान करने में अहम भूमिका निभाती हैं। सरकार उनके लिए भी कई कार्यक्रम चला रही है। युवाओं में स्मार्ट फोन का वितरण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का नौजवान देश में सबसे प्रतिभाशाली व ऊर्जावान युवा है। सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से स्मार्ट फोन देने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ब्रिटेन को पछाड़कर भारत आज दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, देश बदल रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत 195 जोड़ों का हुआ विवाह

औरैया/ एजेंसी। चौधरी विशंभर सिंह भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज के प्रांगण में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत लगभग 195 जोड़ों का विवाह कराया गया।

लोकसभा सांसद रामशंकर कठेरिया ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा गरीब परिवार के बालिकाओं के विवाह के लिए जो कदम उठाया है बहुत ही सराहनीय है। प्रदेश में सामूहिक विवाह के अंतर्गत गरीब परिवार के लोग अपने बेटियों की शादी अच्छे ढंग से कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर उपस्थित जोड़े अपने जीवन का नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं, उनको हमारी तरफ से बहुत-बहुत बधाई है।

राज्यसभा सांसद गीता शाक्य ने कहा कि जनपद में कुल 230 जोड़ों ने आवेदन किया था, जिसमें आज यहां 14 जोड़े मुस्लिम वर्ग के तथा 181 जोड़ी हिंदू वर्ग के अनुसार विवाह बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनके जीवन के नए अध्याय की शुरुआत के लिए मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद देती हूं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सामूहिक विवाह योजना से गरीब परिवार की जिम्मेदारी को अपने कंधों पर उठा लिया है और आप सभी से आशा है कि इस विवाह बंधन के जीवन को आगे भी खुशहाली पूर्वक निभाएंगे। जिलाध्यक्ष श्रीराम मिश्रा ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में जो भी अभिभावक अपने बेटे की शादी कराने आए हैं वह अपनी बहू को अपनी बेटी बनाकर रखें और बेटियां अपने सास-ससुर को अपने मां और पिता जैसा ही सम्मान दें, यही हमारी मनोकामना है। सभी जोड़े एक-दूसरे के लिए सम्मान रखें, यही हमारा आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इस प्रयास से अब बेटियां अपने घर का सम्मान बढ़ाती हैं और अपने परिवार को एक सूत्र में बांध कर रखती हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, जिलाध्यक्ष श्रीराम मिश्रा, जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव व पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया। जनपद के सभी विकास खण्डों से आए हुए जोड़ों के साथ उनके अभिभावकों ने भी वर-वधू को आशीर्वाद दिया। हिंदू जोड़ों का विवाह ज्योतिषाचार्य देवांश पांडे, कमल किशोर द्विवेदी, अंकित शुक्ला, अंशुल दुबे व उनके सहयोगियों द्वारा कराया गया तथा मुस्लिम वर्ग में निकाह का कार्य मौलवी कारी गुलाम रसूल द्वारा कराया गया।

भाजपा के साथ अटूट जन विश्वास : भूपेन्द्र चौधरी

प्रदेश अध्यक्ष ने गोला विधानसभा उपचुनाव में विराट विजय के लिए मुख्यमंत्री योगी को दी बधाई

लखनऊ/ एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने गोला विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की विजय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के साथ अटूट जन विश्वास है।

भूपेन्द्र चौधरी ने गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी अमन गिरी को प्रचंड विजय की शुभकामनाएं देते हुए गोला गोकर्णनाथ विधानसभा की जनता एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गोला गोकर्णनाथ में अमन गिरि की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी के नाम,काम,विकास व सुशासन एवं पार्टी अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी की कुशल रणनीति और टीम वर्क का कमल खिला है। कार्यकर्ताओं का अभिनन्दन,जनता के प्रति आभार,अमन को बधाई।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि गोला की जीत भाजपा नेतृत्व पर जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चहुंमुखी विकास की यात्रा जारी है। गोला को मार्डर्न विधानसभा बनायेंगे।

भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि गोला गोकर्णनाथ की विजय भाजपा की नीतियों की जीत है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जो गांव -गरीब और किसान के लिए काम किया है। आम आम जनमानस का विश्वास सरकार पर बढ़ा है। पूरा देश आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति को स्वीकार कर रहा है और उनकी विकास की नीति के साथ चल रहा है।

ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए पीड़ितों के खातों में पैसा वापस आने से चेहरे पर दौड़ी खुशी

चित्रकूट/ एजेंसी। पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देशन में काम कर रही साइबर सेल द्वारा ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए पीड़ितों के 76 हजार 299 रुपये उनके बैंक खातों में वापस कराये जाने से लोगों के चेहरे पर खुशी की लहर है।

रविवार को क्षेत्राधिकारी नगर हर्ष पांडेय ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराध को रोकने व आमजनमानस को इससे राहत दिलाने के लिए अभियान चलाये जा रहे हैं। बताया कि पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में साइबर सेल प्रभारी एम0पी0 त्रिपाठी तथा उनकी टीम द्वारा लगातार सार्थक प्रयास करते हुए साइबर अपराध के 03 पीड़ितों के कुल 76 हजार 299 रूपये अथक परिश्रम कर उनके खातों में वापस कराया गया है।

क्षेत्राधिकारी श्री पांडेय ने बताया कि सितम्बर माह में हर्ष कुमार विश्वकर्मा थाना सरधुवा जनपद चित्रकूट द्वारा शिकायत की गई थी कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके खाते से बिना जानकारी के धोखाधड़ी करके 54800 रुपये निकाल लिया गया है। इसी प्रकार अक्टूबर माह में शिवप्रकाश सिंह थाना कोतावाली कर्वी द्वारा शिकायत की गया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके खाते से बिना जानकारी के धोखाधड़ी करके 15499/-रुपये निकाल लिया गया है। वहीं अक्टूबर माह में हीं छंगू पाल थाना थाना कोतवाली कर्वी द्वारा भी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके खाते से बिना जानकारी के धोखाधड़ी करके 6000/-रुपये निकाल लेने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। बताया कि साइबर सेल द्वारा अथक प्रयास करके उपरोक्त पीडितों को शत प्रतिशत रुपये बरामद कराया गया है।

क्षेत्राधिकारी ने जनमानस से अपील की है कि गूगल पर किसी भी कम्पनी या बैंक का कस्टमर केयर का नम्बर ढूंढने में बेहद सावधानी बरतें तथा प्राप्त नम्बरों पर पूरी तरह भरोसा न करें और अपनी व्यक्तिगत व बैंकिग सम्बन्धी जानकारी किसी से भी साझा न करें। एनीडेस्क, टीम व्यूअर आदि रिमोट एक्सेस साफ्टवेयर का प्रयोग बेहद सावधानीपूर्वक करें। इससे साइबर अपराधियों द्वारा आपके खाते तक पहुंचकर धोखाधड़ी कर धनराशि निकाली जा सकती है। इसके साथ ही फोन पर कभी भी किसी प्रकार के लुभावने आफर प्राप्त करने के लिए कभी किसी को अपने बैंक, खाता, एटीएम न0, ओटीपी सम्बन्धी जानकारी न शेयर करें। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा यदि फोन पर पैसे भेजने की बात कहें तो खूब सोच समझ कर लेन-देन करें व किसी भी अनजान लिंक व वेबसाइट आदि को न ओपन करें, इससे आपको वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

जो रामरस पियेगा, वह युग-युग जियेगा : संत असंग देव

अयोध्या/ एजेंसी। तीर्थ नगरी अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है। जहां मां सरयू का पावन तट व हजारों मंदिरों की श्रृंखला है जो तीर्थ नगरी अयोध्या की पहचान है। अयोध्या की पवित्र धरा पर सुखद सत्संग का दूसरा दिन है, जिसमें हजारों-हजार भक्तगण गोता लगा रहे हैं। यह बातें रविवार को संत असंग देव महाराज ने रामवल्लभाकुंज जानकीघाट प्रांगण में चल रहे सुखद सत्संग कथा में कही।

उन्होंने कहा कि जो रामरस पियेगा। वह युग-युग जियेगा। संसार में दो प्रकार का रामरस है। पहला रामरस व दूसरा माया रस है। वर्तमान में ज्यादातर जीव माया रस में डूबा हुआ है। रामरस की ओर उन्मुख नहीं हो पा रहा है। वह माया रस में लीन होकर अपनी पूरी जिंदगी खो देता है। जैसे भूख लगने पर भोजन करने के लिए हम समय निकाल लेते हैं। उसी प्रकार से सत्संग और भक्ति के लिए भी समय निकालें। प्रवचन सुनने की आदत बनायें। क्योंकि सत्संग को अमृत कहा गया है। इसलिए सत्संग रूपी अमृत का पान अवश्य करें। सत्संग

की एक-एक बातें अपने हृदय में उतारें एवं दुर्गुणों का नाश करें।

संत असंग देव महाराज ने कहा दूसरों में हम बहुत कमियां निकालते हैं। लेकिन अपनी कमी हमें नहीं दिखाई देती। राष्ट्रीय संत ने कहा कि जब तक हमारी बुद्धि नहीं शुद्ध होगी। तब तक रिद्धि-सिद्धि नहीं आयेगी। अगर हमारी बुद्धि शुद्ध नहीं है। तो हमें रावण, कंस, सुर्पणखा बना सकती है। यदि हमारे अंदर थोड़ी भी बुद्धि है।

सम्मान के साथ पैतृक गांव में जवान का किया अंतिम संस्कार

- ऋ-राजस्थान में सड़क हादसे में दिवंगत हुए जवान का पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही हर आंख हुई नम
- जवान को श्रद्धांजलि देने जनप्रतिनिधियों के साथ हजारों लोग पहुंचे, सड़कों पर भी उमड़ी भीड़

औरैया/ एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर में बीते शुक्रवार की रात एक सड़क हादसे में वीरगति को प्राप्त हुए बीएसएफ जवान का पार्थिव शरीर गांव भर्रापुर पहुंचने पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिये हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जय जवान-जय किसान, धीरज कुमार अमर रहें, भारत माता की जय के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। इटावा लोकसभा सांसद, राज्यसभा सदस्य, विधायक, डीएम-एसपी व अन्य अधिकारियों ने गांव पहुंचकर शहीद जवान को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

फफूंद क्षेत्र के गांव भर्रापुर निवासी महेश कठेरिया के पुत्र धीरज कुमार बीएसएफ 83वीं यूनिट में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। इस समय उनकी तैनाती राजस्थान के बाड़मेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर थी। बीते शुक्रवार की रात अन्य जवानों के साथ मुख्यालय बाड़मेर जाते समय बीएसएफ वाहन में एक ट्राले ने टक्कर मार दी थी, जिसमें वह वीरगति को प्राप्त हो गए। रविवार सुबह विशेष विमान से उनका पार्थिव शरीर अमौसी एयरपोर्ट आया, जहां से यूनिट के जवान पार्थिव शरीर लेकर गांव भर्रापुर पहुंचे।

जवान को श्रद्धांजलि देने के लिए फफूंद से भर्रापुर तक सड़क के दोनों ओर नगर और ग्रामीण इलाके के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गांव पहुंचने के बाद साथ में आई बीएसएफ जवानों की टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी।इटावा सांसद रामशंकर कठेरिया, राज्यसभा सदस्य गीता शाक्य, सदर विधायक गुड़िया कठेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीराम मिश्रा, अंकित रंजन त्रिपाठी, लला त्रिपाठी, डीएम प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, एसपी चारू निगम व अन्य अधिकारियों ने भी श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव एवं क्षेत्र में जनपद के लाल के दिवंगत होने पर शोक की लहर थी। दिवंगत जवान की पत्नी निशा बेसुध होकर पति का फोटो सीने से लगाये थी।

पुरा छात्र सम्मेलन उद्योग और संस्थान दोनों के लिए लाभदायक : प्रो अनुपम

ट्रिपल आईटी के दो दिवसीय पुरा छात्र सम्मेलन का हुआ समापन

प्रयागराज/ एजेंसी। यह पुरा छात्र सम्मेलन उद्योग और संस्थान दोनों के लिए लाभदायक है। जिसके तहत मानव संसाधन, बुनियादी ढांचे, प्रयोगशाला स्थापना, उपकरण एवं सुविधाओं को साझा किया जा सकता है। सम्मेलन के इस महत्वपूर्ण सत्र के निष्कर्ष में संस्थान और उद्योग दोनों मिल कर समाज के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।

उक्त विचार प्रोफेसर अनुपम अग्रवाल डीन, पुरा छात्र ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज की पहली वैश्विक पुरा छात्र सम्मेलन के समापन पर व्यक्त किया। रविवार को पुरा छात्र सम्मेलन फिर से मिलने के वादे के साथ सम्पन्न हुई।

प्रो ओ.पी व्यास, डीन टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट ने कहा कि कम्पनियां व्यावसायिक अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं और छात्र सिद्ध कार्यप्रणाली और विशेषज्ञता का योगदान करते हैं। एक अकादमिक संस्थान में उद्योग-प्रायोजित परियोजनाओं पर काम करते हुए छात्र सीखते हैं कि वास्तविक जीवन की स्थितियों में अपनी कार्यप्रणाली को कैसे मूर्त रूप दिया जाए। यह रोजगार योग्य छात्रों को उद्योग के लिए तैयार छात्रों को बनाने में मदद करता है।

प्रो माधवेंद्र मिश्रा, डीन ने कहा कि कम्पनियों के लिए संस्थान मुख्यतः नवीनतम शोध परिणामों और नवीन पद्धतियों को प्रदान कर सकता है। जिन कम्पनियों का अकादमिक समुदाय से घनिष्ठ सम्बंध नहीं है उनसे धीमी गति से आगे बढ़ने की उम्मीद की जाती है। वे नवीनतम शोध परिणामों और कार्यप्रणाली तक जल्दी पहुंच से चूक जाते हैं और फिर इन विधियों को व्यवहार मं लाने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होती है।

सनातन धर्म संस्कृति की कर्तव्य व्यवस्था से समाज और राष्ट्र में आएगी खुशहाली : डॉ एम एल गुप्ता

हरदोई/ एजेंसी। अहमद नगर गांव में आयोजित शिव सत्संग मण्डल के आंचलिक धर्मोत्सव में डॉ एम एल गुप्ता ने कहा कि सनातन धर्म में कर्तव्य पालन को ही धर्म बताया गया है। कर्तव्य आधारित व्यवस्था से ही समाज को उन्नतिशील बनाया जा सकता है।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जाति-जाति में बंटा हुआ समाज कभी भी सशक्त नहीं हो सकता। हमारे पूर्वजों ने सदैव ज्ञान की बात सर्व समाज के कल्याण के लिए की है।

मण्डलाध्यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि परमेश्वर के ध्यान और भजन से ही समग्र जीवन का कल्याण संभव है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता व भक्ति मार्ग पर चलकर संतों भक्तों ने परमात्मा को साधा है। उन्होंने कहा कि एक गृहस्थ व्यक्ति के लिए यही उचित है कि वह भक्ति और कर्म के मार्ग पर अग्रसर रहे।

धर्मोत्सव में लखीमपुर के जिला प्रमुख जमुना प्रसाद ने कहा कि शिव सत्संग मण्डल समाज में आध्यात्मिक चेतना की अलख जगा रहा है। ध्यान और भजन से मानसिक शांति मिलती है, जो सफल एवं सुखद मानव जीवन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज में चेतना जागृत करके हमें अपने जीवन में विकारों को त्याग कर परमपिता परमात्मा से सच्चा प्रेम और समर्पण रखना चाहिए।

यूपी में 'न्यू जिम कॉर्बेट' बनाएगी योगी सरकार

लखनऊ/ एजेंसी। प्रदेश में आने वाले पर्यटकों और वन्य जीवों के संरक्षण के लिए योगी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके लिए जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान से जुड़े उत्तर प्रदेश के हिस्से को विकसित करने की योजना है। सरकार उन इलाकों को संरक्षित करने के लिए अभियान चलाने जा रही है, जहां बाघों की आवाजाही होती है। इस इलाके को %न्यू जिम कार्बेट% नाम देने पर विचार हो रहा है। इसका मकसद स्थानीय स्तर पर विचरण वाली वन्यजीव आबादी को सुरक्षित आश्रयस्थल देना और अपनी तरह के अनोखे वन क्षेत्र का संरक्षण करना है।

इस सम्बंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में निर्देश दिया है। जल्द ही इस पर कैबिनेट की मुहर लगने की उम्मीद है। बिजनौर के अमानगढ़ में लगभग 80 वर्ग किलोमीटर में फैले इस जंगल को टाइगर सफारी बनाया जाएगा। यही जंगल उत्तराखंड के जिम कार्बेट जंगल से जुड़ा है। साथ ही, इसे इको और गंगा टूरिज्म से भी जोड़ा जाएगा। इसके अलावा यहां पर पर्यटकों के लिए विश्व

पर्यटन स्थल की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या 173 है। जिम कॉर्बेट का हिस्सा होने के कारण इस वन क्षेत्र में भी काफी संख्या में बाघ मौजूद हैं। यहां आने वाले पर्यटकों को टाइगर सफारी के साथ-साथ कई प्रकार के पक्षियों, वनस्पतियों, नदियों, झरनों, वादियों और पहाड़ों को भी आनन्द मिलेगा। इसके अलावा पर्यटक नजदीक से तेंदुआ, बाघ और हिरण को देख भी सकेंगे।

जंगल सफारी के अलावा इस क्षेत्र में हाथी की सवारी, कैम्पिंग, ट्रैकिंग जैसी एक्टिविटीज का भी मजा लिया जा सकेगा। हाथी की सवारी के लिए महावत की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, कैम्पिंग और ट्रैकिंग के लिए ट्रेनर रखे जाएंगे।

- बिजनौर के अमानगढ़ जंगल को टाइगर सफारी के तौर पर किया जाएगा विकसित
- योजना पर जल्द लग सकती है कैबिनेट की मुहर

इससे पर्यटक पूरी सुरक्षा के साथ अपनी ट्रिप का लुत्फ उठा सकेंगे।

पर्यटकों को रुकने के लिए भी यहां सारी व्यवस्थाएं रहेंगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सरकारी विश्राम स्थल के साथ-साथ प्राइवेट होटल्स भी यहां खोले जाएंगे। इसके अलावा रिजॉर्ट और खाने-पीने के लिए कैंटीन की सुविधा भी सरकार उपलब्ध करवाएगी।

अमानगढ़ आने वाले पर्यटकों को गंगा टूरिज्म का लुत्फ भी मिलेगा। बिजनौर के महात्मा विदुर की कुटी, बालावाली व गंगा बैराज को गंगा सर्किट में शामिल किया जा रहा है। इससे अमानगढ़ आने वाले पर्यटक इन स्थलों का भी आनन्द ले सकेंगे।

योगी सरकार के वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन (ओडीओडी) योजना में अमानगढ़ भी शामिल है। इसके तहत इसे इको टूरिज्म से जोड़ा जाएगा। इससे पर्यटकों को जंगल, ताल या झील के किनारे अपनी छुट्टियां बिता सकेंगे। वन-डे-टुअर के तौर पर भी यह काफी मुफीद जगह हो जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी का मानना है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर की बनाने में यूपी के सांस्कृतिक, धार्मिक और वन पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी के दृष्टिगत इस क्षेत्र को नए सिरे से विकसित करने तैयारी चल रही है। यूपी सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि जिम कॉर्बेट पार्क का हिस्सा अमानगढ़ में आता है। इसे न्यू जिम कॉर्बेट नाम देने पर विचार कर रहे हैं। इस हिस्से में बाघ काफी विचरण करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण करना बहुत जरूरी है। इसी कारण सरकार इस दिशा में बहुत तेजी से काम कर रही है। इस पर कैबिनेट में मुहर लगेगी। इसके बाद इसका खाका तैयार होगा।

बद्दी में अब स्वदेशी तकनीक से बनेगा कार्बन डाइऑक्साइड हटाने का प्लांट

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश बद्दी स्थित कंपनी बंकरमैन ने एक नई स्वदेशी तकनीक विकसित की है जिसके द्वारा घर के अंदर या बाहर प्रदूषित हवा से कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसें आसानी से अलग किया जा सकता है और सांस लेने के लिए शुद्ध और स्वस्थ हवा में परिवर्तित किया जा सकता है। कंपनी के अध्यक्ष, मेजर जनरल डॉ. श्रीपाल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इस तकनीक का इस्तेमाल अक्सर सैन्य परमाणु बंकरों, भूमिगत कठोर बकरियों, नौसेना की पनडुब्बियों, आपातकालीन अस्पतालों, आपातकालीन सार्वजनिक आश्रयों और अन्य आपातकालीन भवनों में किया जाता है।

भारत में अब तक इन संयंत्रों को विदेशों से आयात किया जाता रहा है। लेकिन अब हमारे अपने देश में स्वदेशी तकनीक से बने इन पौधों की उपलब्धता आत्मनिर्भर भारत के विकास और विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। कर्मण कंपनी ने हाल ही में बद्दी में इस तकनीक से बने अपने संयंत्रों का प्रदर्शन और परीक्षण किया और इसमें भारतीय सेना के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसरों और देश के अन्य वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने भी सुचारू रूप से भाग लिया।

सभी ने परीक्षण के सफल परिणामों की सराहना की, मेजर जनरल श्रीपाल ने कहा कि भविष्य में अगर पर्यावरण या किसी दुश्मन देश की हवा में कोरोना या कोई अन्य जैविक या रासायनिक वायरस जैसा कोई घातक वायरस आता है या जैविक, रासायनिक या परमाणु हथियारों से हमारे देश पर आतंकवादी हमला होता है। फिर भी इस तकनीक से बने बकरियों और घरों में हम खुद को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएंगे। भविष्य में जैविक हथियारों और वायरस के खतरे को महसूस करते हुए, उन्होंने आम जनता के लिए अपने घरों में एक आपातकालीन कक्ष और अमीर लोगों के लिए अपने आम परिवार के लिए कम से कम एक आपातकालीन घर बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि वे इस तरह की इमरजेंसी कर सकते हैं।

किसी भी आपात स्थिति में खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखें और केवल सरकारी संसाधनों पर निर्भर न रहें। क्योंकि कोरोना या बायोलॉजिकल अटैक जैसी स्थिति में जनता को अस्पताल की ओर भागने की बजाय घर में ही बंद हालत में रहकर सरकार का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी विस्तार से बताया कि बटन अप पोजीशन में कैसे रहें जिसमें हम कम से कम पहले सात दिनों तक बाहरी हवा, पानी और भोजन का उपयोग किए बिना अपने घर में सुरक्षित रह सकें। बकरमैन प्लांट्स द्वारा कोई भी नया या पुराना घर, भवन, कार्यालय या बंकर आसानी से बटन-अप की स्थिति के लिए उचित कीमत पर तैयार किया जा सकता है।

बंकरमैन की मशीनों का भी उसी तरह से डिजाइन किए गए कमरे में परीक्षण किया गया था जिसमें पुरुषों और महिलाओं को मूल बटन वाली स्थिति में रखा गया था, जो एक पूर्ण सफलता थी। मेजर जनरल डॉ. श्रीपाल को दुनिया के अग्रणी वैज्ञानिक और भारत के बंकरमैन के रूप में जाना जाता है। उपरोक्त शोध और अन्वेषण इस क्षेत्र में उनके 45 से अधिक वर्षों के व्यावहारिक अनुभव का परिणाम है एयरकंडीशनिंग (एचवीएसी) प्रणाली घर में डिजाइन और प्रदान की जाती है।

एचवीएसी सिस्टम के अलावा, अन्य कस्टम मेड सिस्टम जैसे सीओ 2 रिमूवल सिस्टम, ऑक्सीजन रीप्लेनिशमेंट सिस्टम, कंप्रेस्ड एयर सिस्टम, गंध हटाने की प्रणाली, निस्पंदन सिस्टम, संचार और नियंत्रण प्रणाली, पर्यावरण निगरानी प्रणाली (ईएमएस), भवन प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) और ऐसी अन्य महत्वपूर्ण प्रणालियों को सदन के एचवीएसी सिस्टम के साथ डिजाइन और एकीकृत किया जाता है ताकि वांछित बटन अप अवधि के दौरान घर के अंदर एक सुरक्षित, आरामदायक और काम करने का माहौल सुनिश्चित किया जा सके, उसके बाद निस्पंदन मोड के दौरान और अंत में एक बार जैविक / रासायनिक खतरा खत्म हो गया है और घर को सामान्य मोड में बदल दिया गया है।

यह सब ऐसी आपदाओं से पहले, उसके दौरान और बाद में ऐसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के सुरक्षित और कार्यात्मक रहने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानकों और मानदंडों के अनुसार किया जाता है। बटन अप अवधि के दौरान और फिल्ट्रेशन मोड के दौरान भी घर के अंदर एक सकारात्मक अधिक दबाव बनाए रखा जाता है ताकि कोई भी बाहरी दूषित हवा किसी भी संभावित रिसाव के माध्यम से रहने वाले क्षेत्र में प्रवेश न कर सके।भोजन, पानी, ऑक्सीजन, संपीड़ित हवा, उपभोग्य सामग्रियों, पुर्जों, दवाओं, प्राथमिक चिकित्सा किट, सुरक्षात्मक मास्क और सूट, बिजली की आपूर्ति जैसी पर्याप्त आपूर्ति भी ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार डिजाइन और प्रदान की जाती है।

विशेष रूप से बटन यूपी और निस्पंदन मोड के दौरान सुविधा के अंदर अपशिष्ट निपटान, सीवेज निपटान, अपशिष्ट जल निपटान, सफाई, स्वच्छता और स्वच्छता की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाता है।मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करने और स्वचालित, अर्ध स्वचालित और मैनुअल मोड में सुविधा के संचालन और रख-रखाव पर शिक्षा और प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

जनजातीय उपमंडल पांगी में हेलीकॉप्टर के माध्यम से पहुंचाई गई ईवीएम मशीनें

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश चंबा उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव 2022 के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र भरमौर के जनजातीय उपमंडल पांगी को आज हेलीकॉप्टर के माध्यम से ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) भेजी गई । डीसी राणा ने बताया कि उपमंडल पांगी के कुल 36 मतदान केंद्रों के लिए 52 ईवीएम मशीन को कमिशनिंग करने के पश्चात कड़ी सुरक्षा के बीच दो हेलीकॉप्टर उड़ानों के माध्यम से किलाड़ पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि आज सुबह भरमौर से ईवीएम को सड़क मार्ग द्वारा चंबा हेलीपैड पहुंचाया गया।

गौरतलब है कि पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के 14, 482 फीट ऊंचे साच दर्रा में बर्फबारी के कारण उपमंडल पांगी को ज़िला मुख्यालय से जोड़ने वाला सड़क मार्ग चंबा बैरागढ़ साच पास किलाड़ बर्फबारी के कारण वाहनों के परिचालन के लिए बंद हो चुका है। ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी बताया कि उपमंडल पांगी में 19 ग्राम पंचायतों के तहत 14629 पंजीकृत मतदाता हैं। इनमें 7151 महिलाएं व 7468 पुरुष और 27 सर्विस वोटर शामिल है। इसके साथ वृद्धजन मतदाताओं में 80 से 89 आयु के 81 और 90 से 99 आयु के 12 वयोवृद्ध मतदाता हैं।

उन्होंने बताया कि ईवीएम मशीन की परिवहन व्यवस्था को कड़ी सुरक्षा के साथ पूरा किया गया। परिवहन प्रक्रिया के दौरान दंडाधिकारी इशांत जसवाल (भारतीय प्रशासनिक सेवा), तहसीलदार होली राकेश कुमार, जिला समन्वयक ईवीएम डॉ. केहर सिंह ठाकुर और पुलिस विभाग से सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद हरदोई कस्बा माधौगंज थाना क्षेत्र में तपनौर चौराहे पर एक दुकान पर हुआ विवाद

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश उप निरीक्षक ज्ञान सिंह हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार शर्मा के साथ इस्लामपुर जगई गांव विवेचना के लिए जा रहे थे तपनौर चौराहे पर कीटनाशक की दुकान के पास किसी कार्य से वे रुक गए उप निरीक्षक ज्ञान सिंह के मुताबिक दुकान पर इंदरपुरवा निवासी रामखिलावन का एक युवक से वाद विवाद चल रहा था, जिसके बाद दोनों एक दूसरे से गाली गलौज व हाथा पाई कर रहे थे वहीं उप निरीक्षक ने मौके पर पहुंच कर मामले को शांत करने को कहा। किसी बात से गुस्साए रामखिलावन ने उप निरीक्षक का कालर पकड़ लिया विरोध करने पर रामखिलावन ने वर्दी फाड़ दी उसके बाद वह भागने की कोशिश करने लगा उप निरीक्षक द्वारा उसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया प्रभारी निरीक्षक सुब्रत नारायण तिवारी ने बताया उप निरीक्षक की तहरीर पर रामखिलावन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच करवाकर निष्पक्ष कार्यवाही करी जायेगी।

औरैया के इरऋजवान की ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम

एनसीआर समाचार

औरैया थाना क्षेत्र के गांव भरापुर में सदर विधायिका गुड़िया कठेरिया का भतीजा जो इरऋ का जवान था, उसकी सड़क हादसे में ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर आते ही गांव वालों व क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई व घर वालों का रो-रो कर बहुत बुरा हाल हो गया।

थाना क्षेत्र के गांव भरापुर निवासी 30 वर्षीय धीरज कुमार पुत्र महेश चंद्र कठेरिया कि 2012 में बीएसएफ के कांस्टेबल के पद पर भर्ती हुआ था व 27 अप्रैल 2021 में जनपद फिरोजाबाद के गांव इटली थाना शिकोहाबाद से धीरज की शादी हुई थी मई में आखरी बार 1 महीने के लिए घर आया था 22 जून को छुट्टी काटकर वापस भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित बाड़मेर राजस्थान के 83 बटालियन में पहुंचा था जहां शुक्रवार रात को बाड़मेर चौहटन मार्ग पर चौहटन आगौर बस स्टैंड के पास बीएसएफ की 83वीं बटालियन से अपने 6 जवान के साथ में ऑफिशियल वर्क के लिए सेड़वा से बाड़मेर आ रहे थे।

इसी दौरान चौहटन कस्बे के निकट ही इरऋ के वाहन और सामने से आ रहे तेज ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस घटना में धीरज कुमार व सैन्य वाहन चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया?। हादसे की खबर जब रात्रि को घर पर आई तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मां आशा ने बताया कि, बहू निशा के पास शाम 5:00 बजे फोन पर धीरज ने बताया था कि, वह 20 तारीख को घर आ रहा हैं। रात्रि में ही उनके मौत की खबर आ गई। मृतक जवान की दो बहने सरोज व शिखा है, जिसमें सबसे बड़ा भाई मृतक अकेला ही था, जिसकी मौत से परिजनों में करूण-कुंदन गूंज रहा है।

चोरी की शिकायत दर्ज.करने पहुंचे दुकानदार के साथ पुलिसकर्मियो द्वारा दुर्व्यवहार

एनसीआर समाचार

गुजरात सोनगढ़ थाना के पास एक टायर पंचर की दुकान में चोरी की शिकायत दर्ज. करने पहुंचे दुकानदार के साथ एनसीआर समाचार के पत्रकार के साथ एफ.आई.आर लेने वाले पुलिसकर्मी के द्वारा गाली गलौज एवम् दुर्व्यवहार की घटना। 04 नवंबर की रात 2 बजे अज्ञात चोरों के द्वारा बड़ी गाड़ी की नट बोल्ट खोलने वाली प्रेशर मशीन उस मशीन की बिल एवम् 6000 रुपए नकद चोरों ने चुरा लिया। ये दुकान सोनगढ़ में साईं गेस्ट हाउस के नीचे स्थित है जिसका दुकान संख्या 29 है जो नया आर.टी.ओ के करीब है। जब दुकानदार ने एनसीआर समाचार के पत्रकार कमर आलम खां को इसकी सूचना दी तो उन्होंने उसे सोनगढ़ थाना में आवेदन देने को कहा।इस बात पर उसने कहा कि आप भी हमारे साथ चले। सुबह 05 नवंबर दुकानदार के साथ एनसीआर समाचार के पत्रकार कमर आलम खां जब थाना पर पहुंचे तो एक पुलिकर्मी द्वारा गाली गलौज किया जाने लगा। ऐसी स्थिति को देखते हुए पत्रकार कमर आलम खां ने वहां के उच्चाधिकारी से मुलाकात की और कहा कि क्या आप के यहां किसी भी तरह की विपदा और मुसीबत में आकर अर्जी देने वाले लोगों के साथ आपके पुलिसकर्मी इसी तरह गाली गलौज एवम् दुर्व्यवहार करते हैं। इस पर उन्होंने फौरन मेरे आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर कर आवेदन जमा ले लिए।

गाड़ी के पीछे से अचानक टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हुआ युवक

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश देवरिया जिले में अभी गौरी बाजार देवरिया मार्ग पर डाक बंगले के सामने एक व्यक्ति जिसका नाम मनोज बताया जा रहा है जो नई बाजार का रहने वाला है, उसे एक फोर व्हीलर के पीछे से अचानक टक्कर हो जाने की वजह से गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद प्रशासन द्वारा 108 एंबुलेंस को बुलाकर उसे उपचार के लिए भेजा गया।

इंजन में तकनीकी समस्या के कारण 10 मिनट तक स्टेशन पर खड़ी रही झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस

एनसीआर समाचार

औरैया दिल्ली हावड़ा रोड पर स्थित कंचौसी रेलवे स्टेशन और पूर्वी क्रॉसिंग के बीच इंजन की पावर खराब होने से हटिया से आनंद विहार टर्मिनल जा रही झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस लगभग 10 मिनट तक खड़ी रही। अचानक ट्रेन खड़ी होने से रेल कर्मियों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे रेल कर्मियों और लोको पायलट इंजन के पावर में आई समस्या को दूर किया और ट्रेन को अपने गंतव्य की ओर रवाना किया। पीछे आ रही मालगाड़ी भी 15 मिनट तक आउटर पर रुकी रही। ट्रेन क्रॉसिंग के बीच में खड़ी होने से आधे घंटे तक सभी वाहन जाम में फंसे रहे। सुबह शनिवार लगभग 9:00 बजे हटिया से आनंद विहार टर्मिनल जा रही झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस क्रॉसिंग और रेलवे स्टेशन के बीच खड़ी रही। इंजन में पावर तकनीकी समस्या के कारण पूरी ट्रेन में सप्लाई बंद हो गई तथा सभी एसी व उपकरण बंद होने से यात्री भी परेशान हो गए। रेलकर्मियों के द्वारा समस्या को दूर किया गया और 9:12 पर ट्रेन को अपने गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। इस संबंध में कंचौसी स्टेशन मास्टर महेश चंद्र बाबू ने बताया कि, इंजन में पावर की तकनीकी की समस्या के कारण ट्रेन रोकी गई।

चुनाव डयूटी में तैनात सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने दायित्व का बखूबी करें निर्वहन

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश चंबा में आगामी 12 नवम्बर, 2022 को निर्धारित विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत आज चुराह निर्वाचन क्षेत्र में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये राजकीय महाविद्यालय तीसा के सभागार में दूसरा चुनावी पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। पूर्वाभ्यास में 662 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें 171 पीठासीन अधिकारी, 128 सहायक पीठासीन अधिकारी, 328 मतदान अधिकारियों के अतिरिक्त 12 सेक्टर आफिसर तथा 23 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त चंबा डीसी राणा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूर्वाभ्यास में चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपने सभी प्रकार के संदेह दूर करने की अपील की ताकि चुनाव के दिन किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करने पड़े। उन्होंने कहा कि चुनाव डयूटी में तैनात सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करें और चुनावों को निष्पक्ष व स्वतंत्र तौर पर सम्पन्न करवाने में अपना सहयोग दें। साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित उनकी डयूटी बारे विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को ईवीएम, वीवीपैट मशीन, आरओनेट प्रणाली सिस्टम तथा चुनाव दिवस प्रबंधन प्रणाली बारे भी जानकारी दी गई।

मलौट कर्मचारी संघ पंजाब द्वारा आज ब्लॉक बाजाखाना फरीदकोट को सर्व सम्मति से चुना

एनसीआर समाचार

पंजाब मलौट कर्मचारी संघ पंजाब द्वारा आज ब्लॉक बाजाखाना फरीदकोट को सर्व सम्मति से चुना गया। राजविंदर सिंह अध्यक्ष, सतपाल सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, यादविंदर सिंह महासचिव, जसपाल सिंह वित्त सचिव, अमनदीप सिंह पंजगरीन प्रेस सचिव, अमनदीप सिंह मारक मुख्य सलाहकार और जसकरण सिंह थे। उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित आज के चुनाव के अवसर पर जो कामरेड इस चुनाव में शामिल नहीं हो सके, विशेष रूप से कर्मचारी आंदोलन के सामने आने वाली चुनौतियों को महसूस करते हुए, उन्हें इस समिति में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया गया था।

इस चुनाव में भाग लेने के लिए कुछ सहयोगियों ने राज्य समिति से संपर्क किया, उन सहयोगियों को भी चयनित टीम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस चुनाव में विशेष रूप से प्रदेश अध्यक्ष कुलबीर सिंह मोगा, गुलजार खान संगरूर, सुखविंदर सिंह मुक्तसर, भूपिंदर सिंह बठिंडा, मुनीश कुमार, बबलजीत सिंह प्रधान जंद साहिब, चरणजीत तेहना, मनप्रीत सिंह और सुखजिंदर सिंह, जिला महासचिव फरीदकोट उपस्थित थे।

अंतराष्ट्रीय पुष्कर मेले में रामसिंह की मुछों ने मोहा देशी विदेशी पर्यटकों का मन

एनसीआर समाचार

अंतराष्ट्रीय पुष्कर मेले में देशी विदेशी पर्यटकों को आकर्शित करने के लिये विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओ का दौर जारी है। आज मेला स्टेडियम में आयोजित मूछ प्रतियोगिता में प्रति वर्ष की भांति इस साल भी रामसिंह ने अपनी बादशाहत बरकरार रखते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर इशाक खान और तीसरे स्थान पर कुलदीप सिंह रहे। रामसिंह ने बताया कि, उन्होंने लगातर 12वीं बार पुष्कर मेले में यह खिताब अपने नाम किया है। अब तक वो 41 बार विजेता रह चुके है। रामसिंह ने बताया कि, मूछे हमारी संस्कृति की शान है और उन्होंने अपनी मुछो का बच्चों की जैसे रखरखाव किया है। प्रतियोगिता में कुल 17 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इसी तरह साफा और तिलक प्रतियोगिता में कुल 13 जोड़ों ने भाग लिया। इजराइल की बार ने अपने साथी इसराब के सबसे सुंदर साफा बांधकर पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरा स्थान भीलवाड़ा के मंजू और मनफूल को मिला, जबकि तीसरे स्थान पर इजराइल के मीका और में रही। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक संजय जौहरी ने बताया कि, विजेताओं को नगद इनाम के साथ प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह से नवाजा गया।

जीरापुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अंधे कत्ल का हुआ पदार्फाश, आरोपियों को किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश 31 अक्टूबर को सूचनाकर्ता मांगीलाल पिता प्रभुलाल गुर्जर उम्र 42 साल निवासी ग्राम कोटड़ा थाना जीरापुर द्वारा सूचना दिया कि कुण्डालिया डेम के पास ग्राम कोटड़ा के नाले की कराड़ के पास जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ दिखाई दिया, जिसकी उम्र करीब 45 साल है और वे सफेद रंग की धोती कुर्ता पहने है जिसकी दाड़ी मूँछ व सिर में छोटे छोटे सफेद बाल है। गले में चोट लग कर सिर व नाक खून से लतपत है मृतक के पास एक सफेद रंग व एक केसरिया रंग की साफी पड़ी हुई है तथा पास में ही चप्पल भी पड़ी हुई है कि सूचना पर रवाना होकर कुण्डालिया डेम के नाले की कराड़ के पास पहुँचा जहाँ मृतक की लाश को रस्सी एवं शॉल की मदद से निकलवा कर समतल जमीन पर रखा गया।

एफ.एस.एल अधिकारी को घटना स्थल निरीक्षण के लिये बुलाया गया एवं मर्ग 42/2022 धारा 174 जाफौ का पंजीबध्द कर मृतक की पहचान कराई गई तो ग्राम खुमानपुरा के घीसालाल, कुशाल, निर्भयसिंह द्वारा मृतक की पहचान उनके गाँव के प्रेम सिंह पिता नरसिंह लाल दाँगी के रुप की गई बाद मृतक प्रेम सिंह पिता नर सिंह लाल दाँगी उम्र 45 साल निवासी ग्राम खुमानपुरा का पीएम कराया जाकर शार्ट पीएम रिपोर्ट प्राप्त की गई जिसमें डॉक्टर द्वारा मृतक की मौत गले में चाकू घोंपने से आई चोटों के कारण होना लेख किया जाने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्द थाना जीरापुर मे अपराध क्रमांक 487/2022 धारा 302, 201 भादवि का पंजीबद्द कर विवेचना मे लिया गया।

उक्त अंधे कत्ल की विवेचना हेतु पुलिस अधीक्षक अवधेश कुमार गौस्वामी (भा.पु.से.) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनकामना प्रसाद एवं अनुविभागीय

अधिकारी पुलिस खिलचीपुर आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जीरापुर उनि. मुकेश गौड़ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया तथा बारीकी से सभी पहलुओं पर जाँच करने के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिये गये बाद थाना प्रभारी जीरापुर द्वारा टीम का गठन कर रवाना की गई। विवेचना के दौरान घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया एवं घटना स्थल निरीक्षण के दौरान साक्ष्य एकत्रित किये गये एवं मृतक की मृत्यु का कारण एवं अज्ञात आरोपी की तलाश हेतु मुखबिरों को मामूर किया गया।

04 नवंबर को घटना स्थल ग्राम कोटड़ा नाले की कराड़ कुण्डालिया डेम का पुनः निरीक्षण किया एवं घटना स्थल के आसपास रोड़ किनारे मिलने वाले खेत वालों से घटना के संबंध में पूछताछ की कोई महत्वपूर्ण सुराग नही मिला कस्वा जीरापुर में लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियो फुटेज को भी कई बार खंगाला गया। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की ग्राम खुमानपुरा के घीसालाल दांगी के मृतक प्रेमसिंह दांगी की पत्नी रामकलाबाई से अवैध संबंध थे। इस कारण से घीसालाल दांगी प्रेमसिंह की हत्या कर सकता है एवं अपनी मोटरसाईकिल से जीरापुर की ओर ही गया है।

मुखबिर की सूचना पर विश्वास करते हुये घीसालाल दाँगी की तलाश कस्वा जीरापुर में की तो घीसालाल दाँगी खिलचीपुर नाके पर मिला जिसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो गोल मोल बातें कर गुमराह करने की कोशिश करने लगा जिससे हिकमत अमली से पूछताछ करने पर घीसालाल दाँगी टूट गया एवं बताया कि पडोस में रहने बाले मृतक प्रेमसिंह दाँगी की पत्नि रामकलावाई से अवैध संबंध थे एक दिन प्रेमसिंह ने उसे व रामकलावाई को एक साथ देख लिया था तो मृतक प्रेम सिंह बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की माँग करने लगा तो मैने सोयाबीन की फसल आने पर पैसे देने का बोला सोयाबीन की फसल आने पर प्रेमसिंह बापिस रिपोर्ट करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर पैसे माँगने लगा तो मैने मेरे बचपन के दोस्त दिनेश दाँगी को पूरी बात बताई एवं उसे 02 लाख रुपये देने का लालच देकर प्रेमसिंह को मारने की योजना बनाई।

दिनांक 30 अक्टूबर को मृतक प्रेमसिंह ने दोबारा पैसे माँगे तो पूर्व के बनाई गई हत्या की योजना के मुताबिक मैंने कहा कि चल तुझे पैसे दिलाता हूँ और उसे अपनी मोटरसाईकिल से लेकर दिनेश के पास ले गया और मैं व दिनेश मृतक प्रेमसिंह को मोटरसाईकिल से ग्राम कोटड़ा के पास पहुँचे जहाँ मैने जर्दा खाने के बहाने मोटरसाईकिल रोकी और दिनेश को इशारा किया दिनेश ने प्रेमसिंह को पकडा और मैने एक चाकू उसकी गर्दन पर मार दिया और रोड किनारे बनी खंती में धकेल दिया। फिर खंती में मैने उसकी गर्दन में चाकू मारकर उसका गला काट दिया था जिसकी उसकी मौत हो गई थी फिर मैने व दिनेश ने उसे पकड़कर खींचकर ले जाकर कोटडा के नाले की कराड़ पर से पटक दिया था व सबूत मिटाने के लिये मृतक का पर्स व उसमें रखे कागज जला दिये थे इसके बाद में व दिनेश मोटरसाईकिल से ग्राम दौलतपुरा नयागाँव के तालाब के पास पहुँचकर तालाब में खून से सने हाथ व कपड़े धोये एवं दिनेश ने चाकू लेकर तालाब के पास ही घास में फैंक देना बताया आरोपी घीसालाल दाँगी उम्र 35 साल निवासी खुमानपुरा को गिरफ्तार किया ,

जाकर घटना के एक और अन्य आरोपी दिनेश दांगी उम्र 48 साल निवासी ग्राम खुमानपुरा को भी गिरफ्तार किया गया है एवं पूछताछ कर मेमो लेख किया गया जिसने घटना स्थल के पास ही स्वयं की केसरिया रंग की साफी छूट जाना व घटना में प्रयुक्त चाकू को तालाब के सामने की ओ? घास में फैंकना बताया गया है आरोपियों के मेमो में बतायेनुसार घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल, खून आलूदा चाकू, आ?ेपीगणों के कपड़े, व जिस स्थान पर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से मृतक का पर्स, आधार कार्ड.जलाया था उस स्थान की राख को जप्त किया जाकर अंधेकत्ल का खुलासा किया गया है।

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बनेगा स्पोर्ट्स हब

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सागर 05 नवम्बर. डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में वेस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 07 से 10 नवम्बर 2022 तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पश्चिम क्षेत्र की 69 विश्वविद्यालय प्रतिभागिता करेंगे।उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि ख्यातिलब्ध ओलिम्पिक खिलाड़ी एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अशोक कुमार ध्यानचंद होंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी।

इस आयोजन के संबंध में प्रेस-वार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि विगत वर्ष की भांति इस बार महिला खो-खो प्रतियोगिता के साथ विश्वविद्यालय परिसर में खेल गतिविधि का एक बड़ा आयोजन किया जा रहा है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चार दिवसीय खो-खो (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का खेल से गहरा संबंध होता है। अध्ययन और चिंतन से जुड़े विद्यार्थियों को का स्वास्थ्य अच्छा रहना जरूरी है। शारीरिक अभ्यास, व्यायाम, खेल ये सभी हमारी जीवनचर्या के महत्त्वपूर्ण अंग है। साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को खेल से जोड़ने के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं जिसमें ओपन जिम, बास्केटबाल कोर्ट, बैडमिन्टन कोर्ट, स्विमिंग पूल, सिंथेटिक ट्रैक आदि सहित कई तरह की अत्याधुनिक सुविधायें विद्यार्थियों को दिए जाने का प्रयास चल रहा है। शारीरिक शिक्षा विभाग में फिजिकल एजुकेशन के पाठ्यक्रम भी अगले अकादमिक सत्र से शुरू करने की तैयारी है आने वाले समय में अन्य तरह के खेलों की भी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी कई तरह के आयोजन अभी प्रस्तावित है। शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. उत्सव आनंद ने 07 से 10 नवम्बर तक चलने वाली प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी उन्होंने बताया कि मानदंड के अनुसार निर्णायक मंडल को भी आमंत्रित किया गया है. सभी प्रतियोगी टीम के आवास-भोजन इत्यादि की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर में की गई है। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक डॉ सुमन पटेल ने किया। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने सभी पत्रकार गणों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ रंजन मोहंती, डॉ राकेश सोनी, डॉ पंकज तिवारी, महेंद्र बाथम, विनय शुक्ला, अनवर खान एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पूर्व में भी विश्वविद्यालय में हुई हैं अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय खेल परिसर में वर्ष 2002 में बैडमिन्टन, 2010-11 में टेबल-टेनिस, 2011-12 में हॉकी एवं बालीवाल अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

एक नजर

उत्तर प्रदेश के औरैया में विद्युत टीम ने छापेमारी कर एक साथ कई विद्युत चोरों को धर दबोचा

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में इस समय विद्युत विभाग टीम बड़ी सक्रियता से काम कर रही है। जिले में विद्युत चोरी कम करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज सुबह 4 बजे विद्युत चेकिंग टीम ने अपने सचल दल के साथ ग्राम हरराजपुर में छापा मारा, जहां कई लोगों को विद्युत चोरी, मीटर न होना, अन्य आपतिजनक रूप में प्रयोग करते हुए पकड़ा। बाद में कुछ उपभोक्ताओं द्वारा कागज दिखाने पर छोड़ दिया गया। चार कनेक्शन धारक के कागज सही निकले, जबकि 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले की जानकारी देते हुए विद्युत चेकिंग टीम के अवर अभियंता मुकेश तिवारी ने बताया, 3 लोगों पर एफआईआर की जा रही है। यह चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा। समय से बिल न जमा करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

महराजगंज में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने हाथो में झाड़ू लेकर जुलूस निकाला

एनसीआर समाचार

उतर प्रदेश महराजगंज जिले के निचलौल में 06 नवंबर को आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष ई. आकाश जायसवाल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओ ने निचलौल में हाथो में झाड़ू लेकर तहसील चौरहा से जुलुस निकालकर नगर भ्रमण करते हुए निचलौल ब्लॉक परिसर में झाड़ू लगाकर गन्दगी की सफाई हुई। उसके बाद नगर सहकारी बैंक के पीछे छठ घाट की सफाई की गयी वहीं पार्टी कार्यकताओं ने नगर में कई जगहों पर सफाई अभियान चलाकर कूड़ा करकट और गन्दगी की साफ सफाई की 3 नवम्बर से 10 नवम्बर तक पुरे प्रदेश में पार्टी द्वारा नगर पंचायतो में सफाई अभियान चलाकर गन्दगी को साफ किया जा रहा है। सफाई अभियान के दौरान पशुपतिनाथ गुप्ता एस एस पटेल, डॉ एलबी प्रसाद, जाहिद अली सेराजुद्दीन, गंगेश चौधरी, प्रदुमंन, आदिल, अजीज, राधे, अमरनाथ, सैफ, आशिक, मनोज, शिवमंगल, अंगद, सत्तार, सादिक, समतुल्लाह, समसुद्दीन, हारून, देवीदयाल, अतिउल्लाह, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परगापुर में कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर रामलीला कार्यक्रम का आयोजन

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश धानी ब्लॉक के पुरन्दरपुर टोला परगापुर में कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर रामलीला कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए हमारे जनप्रिय कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष एवं अपने विधायक वीरेन्द्र चौधरी, इस दौरान वहाँ चंद्र भूषण यादव, पटवारी निषाद नेता, ओमप्रकाश, दीपक सहानी, विजय, रमेश साहनी, अखिलेश निषाद, अजय निषाद, बबलू निषाद, राजेश निषाद, बृजेश निषाद, रवि निषाद, ध्रुव निषाद, विजय निषा, अमन निषाद, धीरज निषाद, गुलशन निषाद, रामनाथ निषाद, रामा निषाद, राज निषाद, दिलीप निषाद, संजय निषाद, परशुराम निषाद, हनुमान निषाद, विजय मिश्रा, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि बबलू चौधरी, ग्राम अध्यक्ष मुग्गन यादव, न्याय पंचायत अध्यक्ष गोविंद प्रसाद, के साथ अन्य सर्व सम्मानित साथीगण एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

दोस्तों के साथ एक शादी में जाने की बात कहकर निकले युवक की संदिग्ध मृत्यु हुई

एनसीआर समाचार

राजस्थान कोटपुतली में बीती रात घर से दोस्तों के साथ एक शादी में जाने की बात कहकर निकले युवक की संदिग्ध मृत्यु हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है और युवक के दोस्तों पर हत्या का नामजद मामला दर्ज करवाया है। बताया जा रहा है कि युवक के शरीर पर चोट के निशान हैं। कोटपुतली थाना पुलिस ने मृतक 20 वर्षीय युवक के शव को बी.डी.एम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, जहां मृतक के परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर मोर्चरी के बाहर बैठे हुए हैं।

परिजनों के बताए अनुसार बीती शाम करीब 7-8 बजे 20 वर्षीय, विकास उर्फ अकबर पड़ोस में किसी कार्यक्रम में अपने दोस्त नवरत्न सोनी व राहुल सोनी के साथ गया था। परिजनों को सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली कि लड़के की मृत्यु हो गई है और उसका शव अस्पताल की मोर्चरी में रखा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि मृतक विकास के शरीर पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग के साथ मोर्चरी के बाहर ही बैठे हुए हैं। मौके पर कोटपुतली थाना पुलिस मौजूद है और घटना की जानकारी जुटा रही है। सब इंस्पेक्टर रविंद्र ने बताया कि परिजनों से रिपोर्ट लेकर हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना की जानकारी जुटाई रही है व सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अग्रिम कारवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि मृतक विकास पांच बहनों का इकलौता भाई था व माता-पिता केशवाना एक फैक्ट्री में मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं।

युवक की संदिग्ध मृत्यु परिवार के गले नहीं उतर रही है। मृतक के पिता प्रकाश चंद प्रजापत ने बताया कि 'मृतक विकास के शरीर पर चोट के निशान हैं, उसके साथ कुछ अनहोनी तो हुई है। परिवार का सहारा छिन गया है, पुलिस निष्पक्षता से जांच व छानबीन करे तो न्याय मिले।

स्वतंत्र यादव डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का गंभीर आरोप, पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर की कार्रवाई की मांग

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश जौनपुर सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के फरीदाबाद गांव के पास एक चिकित्सक द्वारा शुक्रवार की रात मरीज को इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इसी थाना क्षेत्र के मोलनापुर गांव निवासी अखिलेश यादव 40 वर्ग पुत्र स्वर्गीय रजवंता यादव कि शुक्रवार की शाम तबीयत खराब हुई, जिसके बाद उपचार के लिए परिवार के लोग शाहगंज जौनपुर मार्ग स्थित फरीदाबाद गांव के पास एक क्लीनिक पर ले गए। चिकित्सक ने अखिलेश को एक इंजेक्शन लगाया और कहा की घर से फोन आ रहा है हमें जाना पड़ेगा। कुछ देर में तबीयत ठीक हो जाएगी। मरीज को लेकर घर जाइए और चिकित्सक क्लीनिक बंद करके घर चला गया। इस दौरान मरीज की तबीयत बिगड़ गई व उल्टी शुरू होने लगी और शरीर नीला पड? लगा। लोगों ने चिकित्सक को कई बार फोन लगाया लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया, जिसके बाद रात में अखिलेश की मौत हो गई।

मृतक के भतीजे स्वतंत्र कुमार यादव ने चिकित्सक द्वारा गलत दवा देने से मौत होने और लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस उक्त मामले की छानबीन कर रही है। तीन बच्चों प्रीति 10 वर्ष, अंकित आठ वर्ष और आंतरिक पांच वर्ष के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के करुण क्रंदन से गांव का माहौल भी गमगीन हो उठा है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से फर्जी चिकित्सा के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया है।

अजमेर में ग्रामीण पत्रकार समिति का दीपावली स्नेह मिलन समारोह हुआ सम्पन

घनश्याम दास / एनसीआर समाचार

राजस्थान अजमेर के भिनाय उपखंड की ग्राम नागोला में ग्रामीण पत्रकार समिति ब्लॉक भिनाय के तत्वाधान में जिला स्तरीय ग्रामीण पत्रकार समिति के पत्रकारों और समाजसेवियों का दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें अजमेर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के समस्त पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीपीएस के सरंक्षक वरिष्ठ पत्रकार महोदय सुरेंद्र चतुर्वेदी , विशिष्ट अतिथि एडवोकेट डॉ मनोज कुमार आहूजा आहूजा न्यज नेटवर्क की सानिध्य में और जीपीएस के जिलाध्यक्ष किशन अवतार पारीक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

इस दौरान कार्यक्रम में सभी मेहमानों का राजस्थानी परम्परानुसार माला व साफा से स्वागत किया गया। तथा उपस्थित पत्रकारो को मोमेंटो व परिचय पत्र वितरित किये गए। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य

अतिथि चतुर्वेदी ने कहा कि सभी पत्रकार परिवार की तरह है तथा सभी को एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए और में पत्रकारों के सर्वाग हित के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। इसी तरह वरिष्ठ पत्रकार व एडवोकेट डॉक्टर आहूजा ने भी कहा कि अजमेर क्षेत्र के पत्रकारों के सहयोग के लिए मैं हमेशा ततपर रहूंगा।

आप सही व सच्चे मन से देश व समाज की सेवा करें और ग्रामीण पत्रकार समिति की कार्यकारणी को मजबूत बनाए। नसीराबाद उपखण्ड के अध्यक्ष सत्यनारायण लक्षकार ने भी पत्रकारो को सम्बोधित कर सामूहिक बीमा करवाने की बात पर जोर देकर दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर समाजसेवी लोहर वाडा से जगदीश जाट भी पधारे इनका भी माला व साफा से स्वागत किया गया। मंच संचालन जीपीएस के सचिव राजेश वर्मा ने किया। भिनाय ब्लॉक के अध्यक्ष घनश्याम सिह राठौड़ ने सभी मेहमानों की आवभगत कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

सभी पत्रकारों ने विशिष्ट अतिथियों का माला व साफा से स्वागत कर स्नेह मिलन की एक दूसरे को बधाई देकर मुंह मीठा करवाया। इस दौरान क्षेत्र के सैकड़ों पत्रकार उपस्थित हुए। इस मौके पर जीपीएस उपाध्यक्ष रितेश मिश्रा भिनाय, जीपीएस कोषाध्यक्ष जीवराज प्रजापत सराणा, भगवानदास बोराडा, इकरामुद्दीन रामसर, पूरणमल लोहरवाडा, बालकिशन शर्मा अजमेर, हीरा लाल नील, इकबाल सरवाड़, घनश्याम दास के केरोट, दुदाराम देवलिया, महावीर प्रसाद, ओमजी भट्ट भिनाय, एडवोकेट मनीष छीपा, लक्ष्मन सिंह बांदनवाड़ा, आदि जिले भर के ग्रामीण पत्रकार मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश शाजापुर कलेक्टर कार्यालय में स्टेनो लेवे का वीडियो हुआ वायरल

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश शाजापुर कलेक्टर कार्यालय के स्टेनो भगवत प्रसाद लेवे का जिला प्रशासन की छवि खराब करते हुए अनगॅल वातार्लाप का वीडियो सोशल मीडिया एवं न्यूज चैनल में प्रसारित होने पर कलेक्टर दिनेश जैन द्वारा स्टेनो लेवे को स्टेनो पद से हटाते हुए उनकी सेवाएं उनके मूल विभाग जिला पंचायत में वापस की गई है कलेक्टर जैन ने बताया कि स्टेनो लेवे की सेवाएं जिला पंचायत में वापस करते हुए प्रशासन की छवि खराब करने एवं वायरल वीडियो के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

जनता बनी कामधेनु गाय

पिछले कुछ वर्षों से आम आदमी के ऊपर, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से करारोपण किया जा रहा है। सरकारों ने आम जनता को कामधेनु की गाय मान लिया है। जो सरकारों की हर इच्छा को पूरी करने में सक्षम है। इस करारोपण के दायरे में अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी आ रहा है। भारत की अर्थतंत्र में करीब 32 फीसदी टैक्स अभी तक मध्यमवर्ग देता आया है। हाल ही के वर्षों में मध्यम वर्ग पर केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा लगातार टेक्स, शुल्क एवं उपकर के नाम पर टेक्स का दायरा बढ़ाया जा रहा है।

जीएसटी के माध्यम से अब गरीबों को भी भारी टैक्स के दायरे में ले लिया गया है। जीएसटी की बढ़ी हुई दरें 8, 12, 18 और 28 फीसदी अब गरीब आदमी को भी परेशान कर रही हैं। मजदूर हो, बेरोजगार हो, पेंशन से गुजारा करता हो। सभी को खाने -पीने एवं नियमित जरुरतों पर भारी टेक्स देना पड़ रहा है। वर्तमान में गरीब सबसे ज्यादा टेक्स दे रहा है। चाहे रेलवे की टिकट हो चाहे पेट्रोल-डीजल का उपकर हो, खाने पीने का कोई भी सामान हो, किसी भी प्रकार की सेवाएं हो, सभी पर जीएसटी लागू है। इसकी मार सबसे ज्यादा गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रही है। अब टैक्स की मार गांव गांव तक पहुंच रही है। गांव में प्रॉपर्टी टैक्स, जल कर, प्रकाश कर इत्यादि लगना शुरू हो गए हैं पिछले 8 वर्षों में जितने टैक्स बढ़े हैं। वह पिछले 50 सालों में नहीं लगे। सरकार ने सब्सिटी लागू कर दी। टेक्स बड़ा दिये। जिससे मंहगाई बड़ी। आय कम हो गई है। खर्च बड़ गये हैं।

केंद्र एवं राज्य सरकारों ने यह मान लिया है, कि जनता के पास बहुत पैसा है। कोई भी टैक्स लगाते हैं, जनता उसको देने लगती है। जब तक जनता विरोध नहीं कर रही है, तब तक जनता की क्षमता टैक्स चुकाने की है। इसी को आधार बनाकर पिछले 8 वर्षों से लगातार टैक्स बढ़ाया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें अपना बोझ आम जनता के ऊपर धीरे-धीरे करके डाल रही हैं। सरकारों के अपने खर्चे बहुत बढ़ रहे हैं. इंफ्रास्ट्रक्चर में सरकार जो खर्च कर रही है। उसका पैसा आम जनता से पैसा वसूल किया जा रहा है। सरकारी पैसा खर्च करके उसे निजी क्षेत्र को सौंपा जा रहा है। निजी क्षेत्र भी भारी कमाई कर रहे हैं। जनता के ऊपर बड़े पैमाने पर कर्ज बड़ रहा है। उसकी नियमित जिंदगी बहुत तनावपूर्ण हो गई है। जगह-जगह आत्महत्या, लड़ाई - झगड़े, लूट, चोरी, नशाखोरी इत्यादि की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसके बाद भी सरकारों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है।

मध्य प्रदेश सरकार अब बिजली के बिलों पर 5 फीसदी का बिजली उपकर लगाने जा रही है। सरकार अभी तक नगरीय निकाय को जो आर्थिक मदद देती थी। वह सरकार नहीं दे पा रही है। बिजली कंपनियों को नगरीय संस्थाएं भुगतान कर पाएं, इसके लिए अब 5 फीसदी टैक्स उपकर के नाम पर बिजली के उपभोक्ताओं पर लगाया जा रहा है। सरकार अब आम जनता से वसूल किए गए इस उपकर से नगरीय संस्थाओं के बिजली के बिलों का भुगतान, बिजली कंपनियों को करेगी। केन्द्र हो राज्य सरकारें, हर माह कर्ज लेकर सरकार चला रही है। इसका खामियाजा भी आम जनता भुगत रही है। जब तक जनता सड़कों पर आकर अपना विरोध दर्ज नहीं कराएगी। लगातार बढ़ रहे टैक्स और शुल्क का विरोध नहीं करेगी। तब तक यह क्रम रुकने वाला नहीं है। जनता को समझना होगा, आत्महत्या, चोरी-चमारी लूट कोई समस्या के विकल्प नहीं हैं।

वहां सुनक और यहां सियासी विरोध की सनक

सुनक मामले में कुछ और विपक्षी नेताओं के बयान आए हैं। तृणमूल की सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर बहुसंख्यकवाद की राजनीति का आरोप लगाते हुए भारत में भी अल्पसंख्यकों को ब्रिटेन जैसा अवसर दिए जाने की जरूरत बताई। महुआ मोइत्रा के बयान से एक बात साफ है कि उन्हें ब्रिटेन और भारत के सियासी हालातों की बहुत जानकारी नहीं है। संभव है कि थरूर और चिदम्बरम की प्रतिक्रियाओं को देख कुछ बोलने की लालसा उनमें भी जोर मार दी हो। बहती गंगा में डुबुकी लगाने का मौका नहीं गंवाने के इरादे से महुआ ने चिदम्बरम और थरूर का डायलॉग दोहरा दिया। मुखर राजनेता मानी जाती रहीं महुआ से सवाल की अवश्य बनती है। उन्हें जवाब देना चाहिए कि वह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार का नेतृत्व किसी अल्पसंख्यक को सौंपे जाने मांग अपनी नेता ममता बनर्जी से क्यों नहीं करतीं?

-अनिल बिहारी श्रीवास्तव-

भारतीय मूल के ऋषि सुनक के ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनते ही भारत में जिस तरह राजनीतिक घमासान शुरू होने के आसार बन रहे थे उसकी हवा देखते ही देखते निकल गई। लगभग आधा दर्जन राजनेताओं के बयानों पर आम धारणा यह रही कि यह खालिस राजनीतिक विरोध की सनक है। किसी ने कहा यह तुष्टिकरण की राजनीति का एक और नमूना है और किसी की राय रही, लोकतांत्रिक तरीके और परंपराओं की अनदेखी कर समुदाय विशेष को महत्व देने की वकालत की जा रही है। बड़ा झटका कांग्रेस के पी. चिदम्बरम और शशि थरूर को लगा है। उन्हीं की पार्टी ने उनके बयानों से पल्ला झाड़ लिया। इन दोनों की ताजा बयानबाजी से एक बात जरूर साफ हुई कि कांग्रेस में ऐसे नेताओं की फौज बढ़ रही जिन्हें नहीं मालूम होता है कि किसी संवेदनशील और गंभीर विषय पर कब, कहां, कितना बोलना चाहिए। विषय विशेष पर वो पार्टी के स्टैंड से भी अनभिज्ञ रहते हैं। निःसदेह सुनक का प्रधानमंत्री बनना भारतीयों के लिए गर्व की बात है। यह एक सकारात्मक संकेत है। हैरानी चिदम्बरम और थरूर बयानों को लेकर हुई। उन्होंने कहा, ह्यभारत को ब्रिटेन से सबक लेना चाहिए। दोनों ने उम्मीद जताई कि एक दिन भारत में भी किसी अल्पसंख्यक को यह पद मिल सकता है।ह्य तय माने, दोनों ही अपने ज्ञान और दृष्टिकोण पर फूले नहीं समा रहे होंगे। मान बैठे हों कि इस तीरंदाजी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा दोनों ही चकरा जाएंगे। कांग्रेस में उनके हाथों को चूमने के लिए होड़ लग जाएगी। लेकिन, पांसा उल्टा पड़ गया। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि ह्यभारत में विविधता का वर्षों तक सम्मान होता रहा है। डा.जाकिर हुसैन, फखरूद्दीन अली अहमद और डा.एपीजे कलाम भारत में राष्ट्रपति रहे। इनके अलावा बरकतुल्लाा खान और एआर अंतुले यहां मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जिसे जनादेश मिलेगा वह प्रधानमंत्री बनेगा। लोकतांत्रिक तरीके से यदि कोई निर्वाचित होता है तो हमें क्या आपत्ति होगी?ह्न कोई और समय होता तो शायद कांग्रेस चिदम्बरम और थरूर के बयानों को उनके निजी विचार करार देकर अपना चेहरा बचाने की कोशिश कर लेती। इस समय यह संभव नहीं था। चुप रह जाने से थरूर और चिदम्बरम के विचारों पर कांग्रेस की सहमति की मुहर लग जाती। सीधा असर कांग्रेस की बची-खुची राजनीतिक संभावनाओं पर पड़ता। एक संदेश यह जा सकता था कि अल्पसंख्यकों के साथ अतीत में हुए कथित भेदभाव के लिए कांग्रेस भी जिम्मेदार रही है। उधर, भाजपा के आक्रामक तेवर कांग्रेस की परेशानी और अधिक बढ़ाने वाले होते। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने थरूर और चिदम्बरम की प्रतिक्रियाओं को ह्यएक नया झमेलाह्न निरूपित कर दिया था। कुछ लोगों ने सवाल उठाये कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किसी अल्पसंख्यक को प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनाया? सोशल मीडिया पर यह सवाल देखने में आया कि किसी अल्पसंख्यक को कांग्रेस का नेतृत्व सौंपने की पहल पिछले सात दशकों में क्यों नहीं की गई। बहरहाल, जयराम रमेश के बयान के बाद चिदम्बरम और थरूर दोनों की बोलती बंद है।

सुनक मामले में कुछ और विपक्षी नेताओं के बयान आए हैं। तृणमूल की सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर बहुसंख्यकवाद की राजनीति का आरोप लगाते हुए भारत में भी अल्पसंख्यकों को ब्रिटेन जैसा अवसर दिए जाने की जरूरत बताई। महुआ मोइत्रा के बयान से एक बात साफ है कि उन्हें ब्रिटेन और भारत के सियासी हालातों की बहुत जानकारी नहीं है। संभव है कि थरूर और चिदम्बरम की प्रतिक्रियाओं को देख कुछ बोलने की लालसा उनमें भी जोर मार दी हो। बहती गंगा में डुबुकी लगाने का मौका नहीं गंवाने के इरादे से महुआ ने चिदम्बरम और थरूर का डायलॉग दोहरा दिया। मुखर राजनेता मानी जाती रहीं महुआ से सवाल की अवश्य बनती है। उन्हें जवाब देना चाहिए कि वह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार का नेतृत्व किसी अल्पसंख्यक को सौंपे जाने मांग अपनी नेता ममता बनर्जी से क्यों नहीं करतीं? क्या अल्पसंख्यकों को ब्रिटेन जैसा अवसर पश्चिम बंगाल में देकर तृणमूल कांग्रेस देश-दुनिया के सामने एक उदाहरण नहीं पेश कर देगी? मुंह तो पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती और एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी खोला लेकिन उनकी बातें बेसिर-पैर की, संकीर्णता से ओतप्रोत महसूस हुईं। दोनों के बयानों में तर्क कम और राजनीतिक क्षुद्रता ज्यादा थी। महबूबा मुफ्ती ने नस्लीय अल्पसंख्यक के ब्रिटेन में प्रधानमंत्री चुने जाने की तारीफ करते हुए कहा कि ह्यभारत में हम अभी तक सीएए और एनआरसी जैसे भेदभाव वाले कानूनों में फंसे हुए हैं। महबूबा की प्रतिक्रिया में राजनीतिक धूर्तता सड़ांध साफ महसूस की जा सकती है। पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने महबूबा पर कटाक्ष किया, काश वह जम्मू-कश्मीर में किसी अल्पसंख्यक को मुख्यमंत्री स्वीकार कर पातीं। ओवैसी एक कदम और आगे निकल गए। ओवैसी ने कहा एक दिन इस देश का प्रधानमंत्री हिजाबधारी महिला बनेगी। जिस राजनीतिक दल के प्रमुख पदों पर एक भी महिला नहीं है उसका प्रमुख देश में हिजाबधारी महिला के प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी कर रहा है। इस तरह के बरगलाने वाले बयान देने से पहले ओवैसी को यह अवश्य बताना चाहिए कि अपनी पार्टी में उन्होंने कितनी महिलाओं को आगे बढ़ने का अब तक अवसर दिया? एआईएमआईएम के देश भर में कितने विधायक हैं और उनमें कितनी महिलायें हैं? ओवैसी की पार्टी की राज्य इकाइयों में से कितने का नेतृत्व महिला कर रहीं हैं?

ऋषि सुनक का प्रधानमंत्री बनना हम भारतीयों के लिए गर्व की बात कही जा सकती है। उन्हें यह मौका दिए जाने की वजह उनका अल्पसंख्यक समुदाय से होना नहीं है। विश्लेषक मानते हैं कि सुनक की हाथों में सरकार की बागडोर सौंपना कंजर्वेटिव पार्टी की मजबूरी थी। सुनक को प्रधानमंत्री बनाये जाने से कंजर्वेटिव पार्टी में निचले स्तर पर असंतोष पैदा हो जाने की खबरें भी आईं हैं। कहा जा रहा है कि इस बारे में निचले स्तर पर पार्टीजन से मशविरा नहीं किए जाने से असंतोष है। दूसरी ओर कंजर्वेटिव पार्टी के ऊपरी स्तर पर महसूस किया जा रहा है कि ब्रिटेन पर छाये आर्थिक संकट और अन्य समस्याओं से सुनक ही छुटकारा दिला सकते हैं। सुनक के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती महंगाई पर लगाम लगाने की है। इसके अलावा कंजर्वेटिव से गुटबाजी को खत्म करना, अवैध रूप से रह रहे शरणार्थियों विशेषकर रवांडा से आए लोगों को वापस भेजना और चीनी संस्कृति के प्रचार में लगे संस्थानों को बंद या उन्हें सीमित करने जैसे मुद्दों का हल सुनक को तलाशना होगा। सुनक को सिर्फ सात सालों का राजनीतिक अनुभव है। 2015 में वह पहली बार सांसद चुने गए और इसके बाद लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्य और सांसद के रूप में काम किया है। बोरिस जानसन सरकार में वित्त मंत्रालय संभाल चुके सुनक के काम की काफी सराहना हो चुकी है। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए माना जा रहा है कि वह काफी सफल प्रधानमंत्री साबित होंगे। जाहिर है कि सुनक का ब्रिटिश सरकार के शीर्ष पद तक पहुंचने के पीछे उनकी योग्यता, काम और पार्टी के प्रति समर्पण ही मुख्य कारण है। इस तथ्य को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि किसी देश में राजनीतिक सफलता का झंडा गाड़ने वाले सुनक पहले भारतवंशी व्यक्ति नहीं हैं। ब्रिटेन के अलावा अन्य ऐसे 6 देश हैं जहां भारतवंशी ही राष्ट्रप्रमुख हैं। पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा भारतवंशी हैं। उनके दादा लुई अफोन्सों मारिया गोवा में रहते थे। मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ, सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद, गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली और सेशेल्स के राष्ट्रपति वावेल रामकलावन भी भारतीय मूल के हैं। अमेरिका की पहली महिला उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भारतीय तमिल श्यामला गोपालन की बेटी हैं।

पी.चिदम्बरम, शशि थरूर, महुआ मोइत्रा, महबूबा मुफ्ती और ओवैसी के बयानों पर निष्पक्ष प्रतिक्रिया क्या हो सकती है? एक पक्ष का मानना है कि यह मोदी और भाजपा का अंध विरोध नमूना है। बात सही भी है।

शिशु सुरक्षा दिवस 7 नवम्बर पर विशेष

शिशु मृत्यु दर में कमी आना सार्थक प्रयास

-रमेश सर्राफ धमोरा-

हर साल सात नवम्बर को शिशु सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में शिशुओं की सुरक्षा से संबंधित जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल कर के उनके जीवन की रक्षा करना है। नवजात शिशुओं की उचित सुरक्षा ना हो पाने के कारण दुनिया में बहुत सारे बच्चे मौत के आगोश में चले जाते है। हमारे देश में नवजात शिशुओं की मौत की दर बहुत अधिक है। मगर अब सरकार ने इस दिशा में कई बेहतर प्रयास किये हैं जिनकी बदौलत देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है।

नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2020 के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर 2019 में प्रति 1,000 जीवित शिशुओं में से 35 के मुकाबले 2020 में घटकर 32 रह गई है। सबसे अधिक गिरावट उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में दर्ज की गई है। भारत के महापंजीयक द्वारा हाल ही में जारी की गयी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 2014 से शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) पांच वर्ष से कम उम्र के शिशुओं की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) में कमी देखी जा रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार देश 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहा है। मांडविया ने इस उपलब्धि पर देश को बधाई देते हुए सभी स्वास्थ्यकर्मियों, सेवा से जुड़े लोगों तथा समुदाय के सदस्यों को शिशु मृत्यु दर कम करने में अथक कार्य करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होने कहा एसआरएस 2020 ने 2014 से शिशु मृत्यु दर में लगातार गिरावट दिखाई है। भारत केन्द्रित कार्यक्रमों, मजबूत केंद्र-राज्य साझेदारी तथा सभी स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शिशु मृत्यु दर के 2030 एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार है। देश में पांच वर्ष से कम उम्र के शिशुओं की मृत्यु दर (यू5एमआर) में 2019 से तीन अंकों की (वार्षिक कमी दर 8.6 प्रतिशत) देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर 2019 में प्रति 1,000 जीवित शिशुओं में से 35 के मुकाबले 2020 में घटकर 32 रह गई है। रिपोर्ट के अनुसार शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में भी 2019 में प्रति 1000 जीवित शिशुओं में से 30 के मुकाबले 2020 में प्रति 1000 जीवित शिशुओं में से 28 के साथ दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई है और वार्षिक गिरावट दर 6.7 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट के अनुसार अधिकतम आईएमआर मध्य प्रदेश (43) और न्यूनतम केरल (6) में देखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार देश में आईएमआर 2020 में घटकर 28 हो गया है। जो 2015 में 37 था। पिछले पांच वर्षों में नौ अंकों की गिरावट और लगभग 1.8 अंकों की वार्षिक औसत गिरावट आई है। इसमें कहा गया है इस गिरावट के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक 35 शिशुओं में से एक ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक 32 शिशुओं में से एक और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक 52 शिशुओं में से एक की अभी भी जन्म के एक वर्ष के भीतर मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार देश में जन्म के समय लिंग अनुपात 2017-19 में 904 के मुकाबले 2018-20 में तीन अंक बढ़कर 907 हो गया है। केरल में जन्म के समय उच्चतम लिंगानुपात (974) है जबकि उत्तराखंड में सबसे कम (844) है। नवजात मृत्यु दर भी 2019 में प्रति 1,000 जीवित शिशुओं में से 22 के मुकाबले दो अंक घटकर 2020 में 20 रह गई। रिपोर्ट के अनुसार देश के लिए कुल प्रजनन दर (टीएफआर) भी 2019 में 2.1 से घटकर 2020 में 2.0 हो गई है। बिहार में 2020 के दौरान उच्चतम टीएफआर (3.0) दर्ज गई जबकि दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में न्यूनतम टीएफआर (1.4) दर्ज की गई। इसके अनुसार छह राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों, केरल (4), दिल्ली (9), तमिलनाडु (9), महाराष्ट्र (11), जम्मू और कश्मीर (12) और पंजाब (12) ने पहले ही नवजात मृत्यु दर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार ग्यारह राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) - केरल (8), तमिलनाडु (13), दिल्ली (14), महाराष्ट्र (18), जम्मू कश्मीर (17), कर्नाटक (21), पंजाब (22), पश्चिम बंगाल (22), तेलंगाना (23), गुजरात (24) और हिमाचल प्रदेश (24) पहले ही यू5एमआर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं।

देश में स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ जाती है। सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए बहुत सी योजनायें लागू की है। मगर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में पूर्णतया कमी नहीं आई है। उचित पोषण के भाव में अब भी कई बच्चे दम तोड़ देते है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की कमी एवं प्रशिक्षित नर्सो व दाइयों की कमी के कारण भी विभिन्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती है।

भारत में नवजात बच्चों की मौतों के मामले सरकार के लिए बीते 75 साल बड़ी चुनौती भरे रहे हैं। हालांकि इसमें लगातार कमी आ रही है। सरकार की ओर से जो डाटा जारी किया गया है उसके मुताबिक 1951 में जहां प्रति 1000 नवजात बच्चों में 146 की मौत हो जाती थी। वहीं 2022 में घटकर अब 28 तक आ गई है। ये आंकड़ा उन बच्चों से जुड़े है जिनकी मौत जन्म के एक साल के अंदर ही कमजोर इम्युनिटी, देखरेख, दवाओं की कमी, वायरस से होने वाली बीमारियां और कुपोषण के चलते हो जाती है।

भारत ने पिछले पांच दशकों में भले ही चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति करते हुए शिशु मृत्यु दर पर काबू पाया है। लेकिन आज भी शिशुओं की मौत बड़ा सवाल है। वर्तमान में प्रत्येक एक हजार शिशुओं में से 28 की मौत एक साल का होने से पहले ही हो जाती है। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार साल 1971 में भारत की शिशु मृत्यु दर 129 थी। जो साल 2020 में बड़े सुधार के साथ 28 पर आ गई है। पिछले 10 सालों में तो इस में 36 प्रतिशत का सुधार देखने को मिला है। साल 2011 में देश की शिशु मृत्यु दर 44 थी जो अब 28 पर आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि देश ने चिकित्सा क्षेत्र में बहुत अधिक उन्नति की है। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्र की शिशु मृत्यु दर में सबसे अधिक सुधार हुआ है। 2011 में ग्रामीण क्षेत्र में 48 पर रहने वाली शिशु मृत्यु दर साल 2020 में 31 पर आ गई थी। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में 2011 में यह 29 पर पर रहने वाली शिशु मृत्यु दर 2020 में 19 पर आ गई थी। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों की शिशु मृत्यु दर में 35 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है।

देश के सकल घरेलू उत्पाद का 3.01 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है। जो काफी कम है। तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है। शिशु सुरक्षा सिर्फ सरकार की ही नहीं वरन हम सभी की जिम्मेदारी है। हम सभी को एकजुट होकर इसके लिए आगे आना होगा तब जाकर हम अपने देश के शिशुओं की सुरक्षा के मामले में अन्य देशों की तुलना में ऊपरी पायदान पर आएंगे।

लिज ट्रस से सबक लेंगे भारतीय नेता?

-योगेंद्र योगी-

आर्थिक योजना के विफल हो जाने पर ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इससे चंद दिन पहले ही भारतीय मूल की ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। ब्रेवरमैन के इस्तीफे का कारण भी ट्रस की तरह कम आश्चर्यजनक नहीं है। ब्रेवरमैन ने महज इसलिए इस्तीफा दे दिया कि उन्होंने मंत्रिस्तरीय संचार के लिए अपने निजी ई-मेल का इस्तेमाल किया। मामूली से दिखाई देने वाले ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का इस्तीफा देना ब्रिटेन के लोकतंत्र की शान बढ़ाता है। इससे पता चलता है कि ब्रिटेन में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं, जहां जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता और जरा भी गलती से पद जा सकता है। क्या ऐसी गलतियों पर भारत में किसी नेता के इस्तीफे की कल्पना की जा सकती है? किसी योजना के विफल होने या सरकारी काम के लिए निजी मेल के इस्तेमाल करने जैसे साधारण दिखने वाले कारणों से भारत में किसी नेता के इस्तीफे की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

भारत में नेता इस कदर कुर्सी से चिपके रहते हैं कि सारे नियम-कायदे और नैतिकता-शुचिता बेशक दरकिनार हो जाएं, पर कुर्सी नहीं छूटनी चाहिए। भारत में हालात ब्रिटेन से एकदम उलट हैं। नेता आकंठ तक भ्रष्टाचार और अपराधों के मामलों में धंसे होने के बावजूद इस बात पर अड़े रहते हैं कि वे दूध के धुले हैं। आपराधिक आरोपों के मामले में उनका सारा जोर इस बात पर रहता है कि उनके खिलाफ सत्तारूढ़ दल ने साजिश रची है। यहां तक माफिया से नेता बने गैंगस्टर भी ऐसी ही दुहाई देते नजर आते हैं। देश में नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाएं, यहां तक कि उन्हें पुलिस या न्यायिक अभिरक्षा में रहना पड़े या जेल हो जाए, फिर भी वे इस बात पर अड़े रहते हैं कि वे बेकसूर हैं। उन्हें फंसाया गया है। मानो चुनाव लड ?ा उनका जन्मसिद्ध अधिकार है, जब तक कि न्यायालय उन्हें दोषी मान कर सजा नहीं सुना दे। देश में ऐसे नेताओं की फेहरिस्त काफी लंबी है, जिन्होंने जेल में दिन बिताए और गंदगी की राजनीति में डुबकी लगाई। इनमें देश के सर्वोच्च पद पर आसीन रहे प्रधानमंत्री तक शामिल हैं।

प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह को झारखंड मुक्ति मोर्चा घूसकांड में 3 साल जेल की सजा हुई, हालांकि बाद में हाईकोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। बूटा सिंह बाद में बिहार के राज्यपाल भी बने। इससे पहले वर्ष 1978 में इंदिरा गांधी को संसद की अवमानना पर न सिर्फ संसद से निष्कासित किया गया बल्कि तीन दिन की जेल भी हुई। विगत 18 वर्षों में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देश के प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के करीब 200 नेताओं के खिलाफ विभिन्न मामले दर्ज किए, पूछताछ की और अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया। इसके अलावा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, दिवंगत समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव, दूरसंचार घोटाले के आरोपी कांग्रेस के पंडित सुखराम, जयललिता, मधु कोडा, ए. राजा, मायावाती और सुखबीर सिंह बादल ऐसे चर्चित नेता रहे जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की गई। इनमें से ज्यादातर को जेल की हवा खानी पड़ी। ऐसी कार्रवाईयां नेताओं के लिए शर्म का विषय नहीं रही।

आरोपी नेताओं का पूरा जोर इस बात को लेकर रहा है कि उन्हें फंसाने के लिए षड्यंत्र रचा गया है। इतना ही नहीं, सत्ता में आने पर ऐसी कार्रवाई करने वालों को हिसाब चुकता करने की धमकियां तक दी गई। लोकतंत्र का सिर झुकाने में दागी सांसदों की भी कमी नहीं है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहलाने वाले इस देश में संगीन अपराधों के दागी सांसदों की भरमार है। कई सांसदों के ऊपर कोर्ट में डकैती, बलात्कार, अपहरण और हत्या जैसे संगीन जुर्म के केस चल रहे हैं।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोनः 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

खुदरा महंगाई पर रहेगी बाजार की नजर

शेयर समीक्षा: तिमाही नतीजों से प्रभावित होगी बाजार की चाल

मुंबई । आने वाले सप्ताह में शेयर बाजार की चाल अक्टूबर की खुदरा महंगाई कंपनियों के तिमाही नतीजे और निवेशकों की निवेश धारणा से प्रभावित रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह अक्टूबर की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसके साथ ही बीपीसीएल, कोल इंडिया, इंडिया सीमेंट, एमआरएफ, ल्यूपिन, टाटा मोटर्स, एनएचपीसी, ओआईएल, सेल, सुजलॉन, भेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के परिणाम भी आएंगे। इनका असर बाजार पर देखा जा सकेगा।

इसी तरह अगले सप्ताह निवेशकों की निवेश धारणा की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस हफ्ते मंगलवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर अवकाश होने से कारोबारी सप्ताह छोटा होगा। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल तथा कच्चे तेल कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी। नवंबर में अबतक विदेशी संस्थागत निवेशकों एफआईआई 46080.70 करोड़ रुपए लिवाली जबकि 39920.59 करोड़ रुपए की बिकवाली की है, जिससे उनका शुद्ध निवेश 6160.11 करोड़ रुपए रहा है। वहीं, इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों डीआईआई की निवेश धारणा कमजोर रही है। उन्होंने बाजार में 22625.39 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 26014.35 करोड़ रुपए निकाल लिए, जिससे वह 3388.96 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 990.51 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 60950.36 अंक और एनएसई का निफ्टी 342.65 अंक चढ़कर 18129.45 अंक पर रहा।

रिलायंस की अगुवाई में सात कंपनियों की पूंजी बढ़ी

सेंसेक्स की शीर्ष दस मूल्यवान कंपनियों में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बीते हफ्ते 133707.42 करोड़ रुपए बढ़ गया। सर्वाधिक बढ़त रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में दर्ज की गई। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी आरआईएल का बाजार पूंजीकरण पिछले हफ्ते 44956.5 करोड़ रुपए बढ़कर 1753888.92 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी बैंक का पूंजीकरण 22139.15 करोड़ रुपए बढ़कर 834517.67 करोड़ रुपए हो गया। एसबीआई के पूंजीकरण में 20526.61 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई और इसका मूल्यांकन बढ़कर 529898.82 करोड़ रुपए हो गया। वहीं टीसीएस का पूंजीकरण 19521.04 करोड़ रुपए बढ़कर 1176860.69 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 16156.04 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 452396.31 करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान आईटीसी के पूंजीकरण में 9861.07 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और मूल्यांकन 438538.73 करोड़ रुपए हो गया। इसके साथ ही आईटी कंपनी इंफोसिस का मूल्यांकन 547.01 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 637023.14 करोड़ रुपए हो गया। इसके उलट आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 1518.27 करोड़ रुपए घटकर 631314.49 करोड़ रुपए पर आ गया। एचयूएल के पूंजीकरण में भी 1186.55 करोड़ रुपए की गिरावट आई और इसका मूल्यांकन 592132.24 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण पिछले हफ्ते 222.53 करोड़ रुपए घटकर 454182.23 करोड़ रुपए पर आ गया।

सात कंपनियों की बाजार पूंजी में 1.33 लाख करोड़ रुपए इजाफा

एफपीआई ने 15280 करोड़ रुपए की खरीदारी की

दो महीनों तक भारतीय बाजारों से निकासी करने वाले विदेशी निवेशकों ने नवंबर के पहले हफ्ते में जोरदार वापसी करते हुए घरेलू इक्विटी बाजारों में 15280 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों की खरीद की है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की तरफ से नीतिगत दरों में वृद्धि को लेकर नरम रहने की उम्मीद में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में जमकर खरीदारी की। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने एक से चार नवंबर के बीच भारतीय इक्विटी बाजारों में 15280 करोड़ रुपए का निवेश किया। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और डॉलर के मजबूत होने के समय में भी भारतीय बाजार में एफपीआई का खरीदारी करना एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एफपीआई के विश्वास को दर्शाता है।

बिजली इकाइयों को कोयले की आपूर्ति घटी

अक्टूबर में 5.5 प्रतिशत कम रही आपूर्ति

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर के महीने में बिजली उत्पादन इकाइयों को 5.64 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गई। एक साल पहले के समान महीने में यह आपूर्ति 5.97 करोड़ टन थी।

इस प्रकार बिजली उत्पादन इकाइयों को कोयले की आपूर्ति में अक्टूबर के दौरान 5.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों यानी अप्रैल-अक्टूबर के दौरान बिजली इकाइयों को की गई कोयला आपूर्ति 13.07 प्रतिशत बढ़कर 41.3 करोड़ टन हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में 36.5 करोड़ टन की आपूर्ति की गई थी। कोयला मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर में विभिन्न क्षेत्रों को कोयला आपूर्ति घटकर 6.70 करोड़ टन रह गई जबकि अक्टूबर 2021 में यह 7.02 करोड़ टन करोड़ टन थी। कंपनियों के निजी इस्तेमाल वाली बिजली इकाइयों को कोयले की आपूर्ति वाली 49.7 लाख टन से घटकर 35.4 लाख टन रह गई। इस साल गर्मियों के दौरान देश के कई इलाकों में बिजली की किल्लत का सामना करना पड़ा था। इस कमी के लिए कोयला आधारित बिजली उत्पादन इकाइयों को कोयले की कम आपूर्ति को जिम्मेदार बताया गया था। हालांकि कोयला मंत्रालय ने उस बिजली संकट के लिए कोयले को छोड़कर अन्य स्रोतों से पैदा होने वाली बिजली के उत्पादन में कमी को जिम्मेदार बताया था।

सेबी ने 2021-22 में 107 मामलों के समाधान से 59 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली/ एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने वित्त वर्ष 2021-22 में प्रतिभूति नियमों के उल्लंघन से संबंधित 107 मामलों को समाधान प्रक्रिया के जरिये सुलझाकर शुल्क के रूप में 59 करोड़ रुपये जुटाए।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। प्राप्त सूचना के मुताबिक, समाधान प्रक्रिया के लिए सेबी ने वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 107 मामले भेजे। इन मामलों के निपटारे के एवज में कुल 59 करोड़ रुपये की राशि इकठ्ठा हुई।

समाधान प्रणाली के तहत सेबी के निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने के आरोप का सामना कर रही कंपनी अपनी गलती को स्वीकार किए बगैर ही समाधान शुल्क देकर मामले को खत्म कर सकती है।

वित्त वर्ष 2020-21 में सेबी ने 216 मामलों का निपटारा समाधान प्रक्रिया के जरिये किया था और शुल्क के रूप में 68.23 करोड़ रुपये एकत्र हुए थे।

सेबी की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में समाधान प्रक्रिया के जरिये निपटाए गए मामलों में वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ), म्यूचुअल फंड मानकों एवं भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन से संबंधित मामले शामिल थे।

पिछले वित्त वर्ष में सेबी को समाधान प्रक्रिया के तहत मामला खत्म करने के कुल 345 आवेदन मिले थे। इनमें से 107 आवेदनों पर फैसला हो गया।

कंपनी नतीजों, वैश्विक संकेतों से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली/ एजेंसी। कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक संकेतों और विदेशी फंड निवेशकों की गतिविधियों से आने वाले सप्ताह में इक्विटी बाजार की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है।

इस हफ्ते मंगलवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर अवकाश होने से कारोबारी सप्ताह छोटा होगा।

स्वास्तिका इंवेस्टमेंट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, 'घरेलू मोर्चे पर बाजार बीपीसीएल, कोल इंडिया, टाटा मोटर्स, आयशर मोटर्स, हिंडाल्को और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया देगा।'

उन्होंने कहा कि कंपनी नतीजों के अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रहा है। एफआईआई की दिलचस्पी एक बार फिर से भारतीय बाजार को लेकर पैदा हुई है।

करीब दो महीनों तक भारतीय बाजार से निकासी करने वाले विदेशी निवेशकों ने नवंबर के पहले हफ्ते में जोरदार वापसी की है। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 15,280 करोड़ रुपये की लिवाली की है। अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि के सख्त रुख में थोड़ी नरमी आने की उम्मीद में विदेशी निवेशक खरीदार बने हुए हैं।

जहां तक कंपनी नतीजों का सवाल है तो देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने अब तक का सर्वाधिक तिमाही लाभ अर्जित किया है। भारतीय स्टेट बैंक ने शनिवार को कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका एकल आधार पर शुद्ध लाभ 74 प्रतिशत बढ़कर 13,265 करोड़ रुपये हो गया।

सरकार ने 2022-23 में मिलों को 60 लाख टन चीनी निर्यात की दी अनुमति

नई दिल्ली/ एजेंसी। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान मिलो को 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है और इसे तेजी से पूरा करने को भी कहा है।

वाणिज्य मंत्रालय की रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि चीनी का निर्यात बढ़ने से चीनी मिलों की परिचालन लागत उनकी परिचालन पूंजी की लागत का बोझ है हल्का होगा।

विज्ञप्ति के अनुसार चीनी की कीमतों और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है।

बयान में कहा गया है विदेश व्यापार महानिदेशालय ने चीनी के निर्यात को प्रतिबंधित श्रेणी में रखने के निर्णय को 31 अक्टूबर 2023 तक बढ़ाने की अधिसूचना पहले ही जारी कर दी है।

पेट्रोल और डीजल स्थिर

नई दिल्ली/ एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे:-

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	96.72	89.62
मुंबई	106.31	94.27
कोलकाता	106.03	92.76
चेन्नई	102.63	94.24

रविवार को भी स्थिर रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 98.57 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 5.02 प्रतिशत की तेजी लेकर 92.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

ज्यादातर कर्मचारी कामकाज के तनाव से अवसाद होने को लेकर आशंकित : रिपोर्ट

मुंबई/ एजेंसी। काम से संबंधित तनाव से कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनकी काम करने की क्षमता घट जाती है। एक रिपोर्ट में लोगों ने कहा कि इस तनाव की वजह से बैचेनी और अवसाद की स्थिति पैदा हो जाती है।

मानव संसाधन समाधान प्रदाता जीनियस कंसल्टेंट्स की इस रिपोर्ट में 77 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि कामकाज से संबंधित तनाव से व्यग्रता तथा अवसाद हो सकता है। वहीं 14 फीसदी ने इस पर अपनी राय नहीं जताई जबकि नौ फीसदी लोगों ने ऐसा होने से इनकार किया।

यह रिपोर्ट पांच सितंबर से 15 अक्टूबर 2022 के बीच किए गए एक सर्वे के नतीजों पर आधारित है। इस सर्वे में बैंकिंग और वित्त, निर्माण और इंजीनियरिंग, शिक्षा, एफएमसीजी, आतिथ्य, एचआर समाधान, आईटी, आईटीईएस और बीपीओ, लॉजिस्टिक्स एवं विनिर्माण जैसे क्षेत्रों के 1,380 कर्मचारियों से बात की गई। इसके 82 फीसदी प्रतिभागियों ने यह स्वीकार किया कि प्रतिरोधक क्षमता में कमी और पाचन से संबंधित समस्या का सीधा संबंध कामकाज से जुड़े तनाव से है। काम के तनाव से निपटने के लिए 73 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें काम के दौरान हल्की झपकी लेने का मौका मिलना चाहिए।

विदेशों में मांग बढ़ने से बीते सप्ताह खाद्य तेल कीमतों में सुधार

नई दिल्ली/ एजेंसी। बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में विदेशों में खाद्यतेलों की मांग बढ़ने तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, बिनौला, सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार आया। सर्दियां आने के साथ शादी-विवाह की मांग बढ़ने से भी इस कीमत वृद्धि को समर्थन मिला।

कारोबारी सूत्रों ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष कपास (नरमा) के भाव कम हैं जिसकी वजह से किसान कम भाव पर नरमा बिक्री के लिए कम माल ला रहा है। कम आपूर्ति के बीच बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया है।

सूत्रों ने कहा कि किसान मंडियों में सरसों काफी कम बेच रहे हैं और जाड़े के साथ-साथ शादी विवाह के मौसम की मांग होने के कारण सरसों तेल तिलहन कीमतों में सुधार है। जाड़े में हल्के तेलों की मांग बढ़ने और वैश्विक स्तर पर खाद्यतेलों की कम आपूर्ति की वजह से मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन कीमतों में भी सुधार आया।

सूत्रों के मुताबिक, रूस-यूक्रेन युद्ध को देखते हुए खाद्यतेलों की आपूर्ति कम होने से उत्पन्न कमी को कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल पूरा कर रहा है। इसी वजह से इन तेलों की वैश्विक मांग है। खाद्यतेलों की आपूर्ति कम होने से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार देखा गया।

सूत्रों ने कहा कि सूरजमुखी और सोयाबीन खाद्य तेलों के शुल्क-मुक्त आयात की छूट का कोटा निर्धारित किये जाने से बाकी आयात लगभग रुक गया क्योंकि बाकी आयात के लिए आयातकों को आयात शुल्क का भुगतान करना होगा। इससे बाजार में कम आपूर्ति की स्थिति बन गई है और ये खाद्यतेल सस्ता होने की जगह और महंगा हो गये। पहले देश में सूरजमुखी की अच्छी खासी पैदावार थी लेकिन आज इस तेल की मांग को पूरा करने के लिए देश लगभग 98 प्रतिशत सूरजमुखी तेल का आयात करता है।

कारोबारी सूत्रों ने कहा कि सरकार को अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करते हुए या तो आयात पूरी तरह खोल देना चाहिये या पहले की तरह कम से कम 5.5 प्रतिशत का आयात शुल्क लगा देना चाहिये। उन्होंने कहा कि इससे देश को राजस्व की प्राप्ति होगी।

सूत्रों ने कहा कि तेल तिलहन कारोबार का परिदृश्य इतना अनिश्चित रहने के बीच इस समस्या का स्थायी और पुख्ता समाधान देश के किसानों को प्रोत्साहन और संरक्षण जारी कर तिलहन उत्पादन बढ़ाना ही हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले सप्ताहांत के शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 300 रुपये बढ़कर 7,425-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 600 रुपये बढ़कर 15,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 75-75 रुपये बढ़कर क्रमशः 2,330-2,460 रुपये और 2,400-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं।

सूत्रों ने कहा कि हल्के तेलों की मांग बढ़ने के बीच किसान मंडियों में कम दाम पर बिकवाली से बच रहे हैं। सोयाबीन की आवक घटने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 265 और 275 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,550-5,600 रुपये और 5,360-5,410 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार आई। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 1,000 रुपये बढ़कर 15,200 रुपये पर बंद हुआ। सोयाबीन इंदौर का भाव 900 रुपये बढ़कर 14,850 रुपये और सोयाबीन डीगम का भाव 950 रुपये के लाभ के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहनों कीमतों में भी पर्याप्त सुधार देखने को मिला। शादी विवाह के मौसम और जाड़े में हल्के खाद्यतेलों की मांग बढ़ने के कारण समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 75 रुपये बढ़कर 6,900-6,960 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये सुधरकर 16,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 45 रुपये के सुधार के साथ 2,575-2,885 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.6 अरब डॉलर बढ़कर 531.1 अरब डॉलर पर

मुंबई/ एजेंसी। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि के बढ़ने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.6 अरब डॉलर बढ़कर 531.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 3.85 अरब डॉलर कम होकर 524.5 अरब डॉलर रहा गया था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 28 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.8 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 470.85 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 55.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 37.76 अरब डॉलर हो गया।आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 18.5 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 17.63 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 4.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

जीएसटी परिषद की विधायी समिति ऑनलाइन खेलों की परिभाषा तय करने में जुटी

नई दिल्ली/ एजेंसी। केंद्र और राज्यों के जीएसटी अधिकारी ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ मिलकर 'कौशल वाले खेलों' तथा 'किस्मत आजमाने वाले खेलों' की व्याख्या पर काम कर रहे हैं ताकि दोनों तरह के खेलों के लिए अलग कराधान ढांचा तैयार किया जा सके। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ऑनलाइन खेलों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने का पेचीदा मुद्दा पिछले एक साल से अधिक समय से विवाद का विषय बना हुआ है। कई राज्यों ने ऐसे ऑनलाइन खेलों पर कम दर से कर लगाने की मांग की है, जिनमें कौशल की जरूरत होती है। उनका मत है कि कौशल के खेलों को किस्मत आधारित खेल के समान नहीं माना जाना चाहिए।

इन खेलों की स्पष्ट परिभाषा के अभाव में कई बार ऑनलाइन गेम पोर्टलों को कर नोटिस

भेजे जाते हैं और बाद में कानूनी विवाद शुरू हो जाते हैं।

सूत्रों ने बताया कि जीएसटी परिषद की विधायी समिति की शनिवार को बेंगलुरु में हुई बैठक में 'संयोग वाले खेलों' और 'कौशल वाले खेलों' की परिभाषा से संबंधित मुद्दों पर तकनीकी क्षेत्र के विशेषज्ञों से चर्चा की। विधायी समिति में सभी राज्यों के शामिल नहीं होने से परिभाषा संबंधी मसौदा रिपोर्ट सभी राज्यों के साथ साझा की जाएगी और उस पर उनकी राय मांगी जाएगी।

जीएसटी परिषद ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ जैसे खेलों पर कराधान के बारे में मंत्री समूह की रिपोर्ट पर दिसंबर के अंत में होने वाली बैठक में विचार करेगी। मंत्री समूह ने जून में सुझाव दिया था कि ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र पर 28 फीसदी की दर से कर लगाया जाना चाहिए।

हालांकि उद्योग की मांग है कि कौशल वाले खेलों पर कम दर से कर लगाया जाए क्योंकि अधिक कर दर होने पर पुरस्कार की राशि घटानी पड़ेगी। अभी संयोग वाले खेलों पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है।

बिजली इकाइयों को कोयले की आपूर्ति अक्टूबर में 5.5 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली/ एजेंसी। बिजली उत्पादन इकाइयों को कोयले की आपूर्ति में अक्टूबर के दौरान 5.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

कोयला मंत्रालय की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर के महीने में बिजली उत्पादन इकाइयों को 5.64 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गई। एक साल पहले के समान महीने में यह आपूर्ति 5.97 करोड़ टन थी।

हालांकि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों यानी अप्रैल-अक्टूबर के दौरान बिजली इकाइयों को की गई कोयला आपूर्ति 13.07 प्रतिशत बढ़कर 41.3 करोड़ टन हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में 36.5 करोड़ टन की आपूर्ति की गई थी।

कोयला मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर में विभिन्न क्षेत्रों को कोयला आपूर्ति घटकर 6.70 करोड़ टन रह गई जबकि अक्टूबर 2021 में यह 7.02 करोड़ टन करोड़ टन थी।

कंपनियों के निजी इस्तेमाल वाली बिजली इकाइयों को कोयले की आपूर्ति वाली 49.7 लाख टन से घटकर 35.4 लाख टन रह गई।

इस साल गर्मियों के दौरान देश के कई इलाकों में बिजली की किल्लत का सामना करना पड़ा था। इस कमी के लिए कोयला आधारित बिजली उत्पादन इकाइयों को कोयले की कम आपूर्ति को जिम्मेदार बताया गया था।

हालांकि कोयला मंत्रालय ने उस बिजली संकट के लिए कोयले को छोड़कर अन्य स्रोतों से पैदा होने वाली बिजली के उत्पादन में कमी को जिम्मेदार बताया था।

एक नजर

ईरान ने कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने तीन चरण के ठोस ईधन कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया है। ईरानी की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। आईआरएनए ने शनिवार को कहा कि कैम-100 के पहले चरण के इंजन ने जनवरी में अपना जमीनी परीक्षण पूरा किया, ने अपनी पहली उप-कक्षीय उड़ान भरी है। यह रॉकेट अस्सी किलो वजनी उपग्रहों को पृथ्वी की सतह से पांच सौ किलोमीटर की कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार परीक्षणों के बाद कैम-100 अब सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्मित नाहिद उपग्रह को कक्षा में भेजने के लिए तैयार है।

मध्य इंडोनेशिया में आया भूकंप, सुनामी की चेतावनी नहीं

जकार्ता, एजेंसी। मध्य इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में रविवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन सुनामी नहीं आई। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एजेंसी के हवाले से कहा कि भूकंप सुबह 7:03 बजे जकार्ता के समय पर आया, जिसका केंद्र केपुलुआन सीतारो जिले से 69 किमी दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 255 किमी की गहराई पर था। भूकंप के झटके पास के उत्तरी मालुकु प्रांत में भी महसूस किए गए। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की, यह कहते हुए कि भूकंप में सुनामी को ट्रिगर करने की क्षमता नहीं थी।

इंडोनेशिया में भूंकप के झटके

जकार्ता, एजेंसी। मध्य इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि उत्तरी सुलावेसी प्रांत में 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने कहा कि भूकंप सुबह सात बजकर 03 मिनट जकार्ता समय पर आया। भूकंप का केंद्र केपुलुआन सीतारो जिले से 69 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 255 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके पास के उत्तरी मालुकु प्रांत में भी महसूस किए गए। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है।

ईरान ने कैम-100 उपग्रह वाहक का किया परीक्षण

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने तीन चरण के ठोस ईधन कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया है। ईरानी की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। आईआरएनए ने शनिवार को कहा कि कैम-100 के पहले चरण के इंजन ने जनवरी में अपना जमीनी परीक्षण पूरा किया, ने अपनी पहली उप-कक्षीय उड़ान भरी है। यह रॉकेट अस्सी किलो वजनी उपग्रहों को पृथ्वी की सतह से पांच सौ किलोमीटर की कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार परीक्षणों के बाद कैम-100 अब सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्मित नाहिद उपग्रह को कक्षा में भेजने के लिए तैयार है।

अफगानिस्तान में भूस्खलन में 1 की मौत, 2 लापता

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के मैमई जिले में भूस्खलन के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य व्यक्ति लापता हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को प्रांतीय निदेशक कारी माजुदीन अहमदी के हवाले से बताया कि, घटना शनिवार शाम वारो इलाके में हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि, पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के बाद दो और ग्रामीण लापता हो गए।

सात साल में पहली बार जापान के बेड़े की समीक्षा में भाग लेगा कोरिया

टोक्यो, एजेंसी। उत्तर कोरिया से बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों के बीच सात साल में पहली बार रविवार को जापान के अंतरराष्ट्रीय बेड़े की समीक्षा में दक्षिण कोरियाई नौसैनिक पोत हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि दक्षिण कोरिया मेजबान जापान, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित 14 देशों के साथ टोक्यो से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में कानागावा प्रान्त से सगामी खाड़ी में होने वाली समीक्षा में भाग लेगा। दक्षिण कोरिया का 10,000 टन का रसद समर्थन जहाज सोयांग मंगलवार को योकोसुका बंदरगाह में प्रवेश कर गया। 2015 के बाद पहली बार दक्षिण कोरिया की नौसेना जापान में बेड़े की समीक्षा में भाग ले रही है। नौसेना ने 2002 और 2015 में जापान के बेड़े की समीक्षा में भाग लिया, जबकि जापान समुद्री आत्म-रक्षा बल (जेएमएसडीएफ) 1998 और 2008 में दक्षिण कोरिया की बेड़े की समीक्षा में शामिल हुआ। 2018 के बाद से, जब सियोल और टोक्यो के बीच विभिन्न मामलों को लेकर तनाव बढ़ गया, तो दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के बेड़े की समीक्षा में भाग लेना बंद कर दिया। समीक्षा के बाद नौसेना का जहाज सोयांग एक बहुराष्ट्रीय खोज और बचाव अभ्यास में शामिल होने की योजना बना रहा है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में 8 भारतीय दौड़ में, 5 के जीतने की संभावना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मध्यावधि चुनावों में प्रतिनिधि सभा के लिए आठ भारतीय अमेरिकी दौड़ में हैं, जिनमें से चार डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं, और तीन रिपब्लिकन और एक डेमोक्रेट समोसा कॉकस में शामिल होने के इच्छुक हैं।

सभी चार प्रतिनिधि, जिन्होंने खुद को समोसा कॉकस उपनाम दिया था, उनके पूवानुर्मान के अनुसार, वह फिर से चुने जाएंगे। पांचवे डेमोक्रेट श्री थानेदार जो पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं, के जीतने की पूरी संभावना है।

तीन रिपब्लिकन उम्मीदवारों, रितेश टंडन, टेक्सास में संदीप श्रीवास्तव और कैलिफोर्निया में ऋषि कुमार को लेकर पूवानुर्मान में इनकी स्थिति ठीक नहीं है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक जेडी वेंस ओहायो सीनेट सीट से लड़ रहे हैं। यह सीट पहले डेमोक्रेट रॉब पोर्टमैन के पास थी। चुनावों के रियलक्लियर पॉलिटिक्स एग्रीगेशन ने उन्हें 3.3 प्रतिशत की बढ़त दी है। वेंस ने अपनी दोस्त येल लॉ स्कूल की

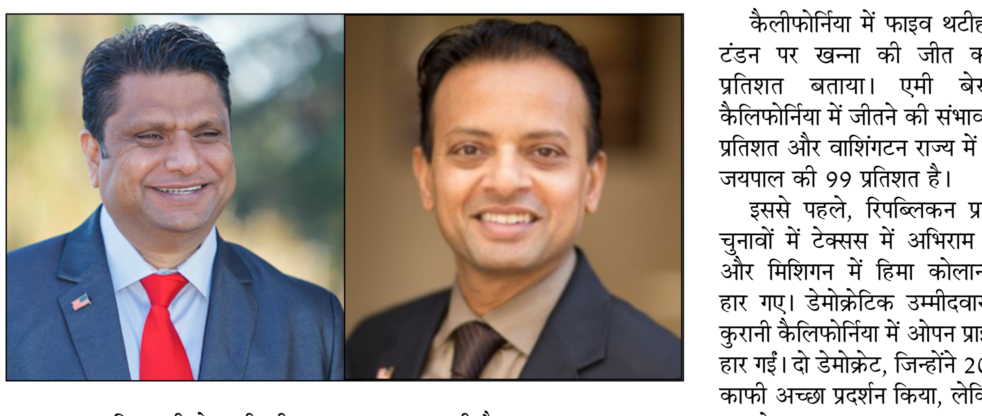

स्नातक उषा चिलुकुरी से शादी की।

एक चुनावी डेटा विश्लेषण संगठन के अनुसार, मिशिगन के डेट्रॉइट में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी मार्टेल बिविंग्स के खिलाफ थानेदार के जीतने का 99 प्रतिशत चांस है।

गुरुवार की रात को समर्थकों से फंड की अपील में, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन द्वारा लाखों डॉलर के समर्थन से मुझे अपनी सीट हारती हुई नजर आ रही है।

उनके निर्वाचन क्षेत्र के एक सर्वे ने उन्हें रिपब्लिकन क्रिस डार्गिस पर छह प्रतिशत की बढ़त दी है और पोलिटिको फोरकास्ट ने उनके जीतने की संभावना जताई है, जबकि फाइव थर्टीह ने उन्हें जीत को 98 प्रतिशत निश्चित बताया है।

पोलिटिको फोरकास्ट ने कहा कि अन्य तीन भारतीय अमेरिकियों के निर्वाचन क्षेत्र ठोस डेमोक्रैटिक है।

कैलीफोर्निया में फाइव थर्टीहाइट ने टंडन पर खन्ना की जीत को 99 प्रतिशत बताया। एमी बेरा के कैलिफोर्निया में जीतने की संभावना 98 प्रतिशत और वाशिंगटन राज्य में प्रेमिला जयपाल की 99 प्रतिशत है।

इससे पहले, रिपब्लिकन प्राथमिक चुनावों में टेक्सस में अभिराम गरपति और मिशिगन में हिमा कोलानागिरेड्डी हार गए। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार श्रिना कुरानी कैलिफोर्निया में ओपन प्राइमरी में हार गईं। दो डेमोक्रेट, जिन्होंने 2020 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन इस बार वे हार गए।

डेमोक्रेट के रूप में 2018 और 2020 में टेक्सस से सदन के लिए दौड़ने वाले श्री प्रेस्टन कुलकर्णी चुनाव से दूर हैं। एक पूर्व राजनयिक, वह अपना चुनाव सात प्रतिशत से भी कम मतों से हार गए थे।

2020 में एरिजोना में पांच फीसदी से कम हारने वाले हीरल टिपिरनेनी भी इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

श्रीलंका की नौसेना ने 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की नौसेना ने देश के समुद्री क्षेत्र में अवैध रूप से मछलियां पकड़ने के आरोप में कम से कम 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी दो नौकाओं को जब्त कर लिया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई।

नौसेना ने एक बयान में बताया कि मछुआरों को शनिवार को मन्नार द्वीप के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित तलाईमन्नार के पास से गिरफ्तार किया गया था।

बयान में बताया गया कि मछुआरों को मत्स्य निरीक्षक को सौंपा जाएगा। दोनों पक्षों के बीच कई उच्च स्तरीय वाताओं के बावजूद श्रीलंकाई समुद्री क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करना विवाद का विषय बना हुआ है। श्रीलंका और भारत ने दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा चुनौतियों के मुद्दे पर हाल में बातचीत की थी।

नौसेना ने बताया कि 32वीं अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा बैठक में दोनों नौसेनाओं और उनके तट रक्षकों की भूमिकाओं पर चर्चा हुई। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के संबंधों में एक विवाद का कारण रहा है। श्रीलंकाई नौसेना के कर्मी कई मामलों में पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करते है और श्रीलंका के जल क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में उनकी नौकाओं को जब्त कर लेते हैं। पाक जलडमरूमध्य श्रीलंका से तमिलनाडु को अलग करने वाला एक जलडमरूमध्य है और इस जल क्षेत्र में बड़ी संख्या में मछलियां मिलती हैं।

'ईरानी विदेश मंत्री बोले : अमेरिका परमाणु वार्ता में वास्तविक इच्छा साबित करें'

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने शनिवार को अमेरिका से 2015 के ईरानी परमाणु समझौते को फिर से शुरू करने के उद्देश्य से वार्ता में अपनी वास्तविक इच्छा साबित करने का आह्वान किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, अमीर-अब्दुल्लाहियन ने शनिवार को राजधानी तेहरान में संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के राष्ट्रीय समन्वयकों की पहली बैठक में कहा, अमेरिका को यह साबित करना चाहिए कि वह प्रतिबंध लगाकर अपने दायित्वों का उल्लंघन नहीं करेगा। उन्होंने परमाणु समझौते से वाशिंगटन की एकतरफा वापसी की ओर इशारा किया, जिसे औपचारिक रूप से 2018 में संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इसने वाशिंगटन की अपने अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों की अवहेलना और संयुक्त राष्ट्र द्वारा सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव का स्पष्ट उल्लंघन दिखाया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मौजूदा अमेरिकी प्रशासन, अपने वादों और दावों के बावजूद, तेहरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्रवाई और अधिकतम दबाव की

विफल नीति को जारी रखना जारी रखता है।

ईरानी विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि उनका देश परमाणु समझौते के पुनरुद्धार के लिए परमाणु वार्ता जारी रखने का पालन करता है, जबकि शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन सहित अपने सभी आयामों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा का उपयोग करने के अपने अक्षम्य अधिकार पर जोर देता है।

उन्होंने कहा कि इस बीच अमेरिका को यह साबित करना होगा कि उसके पास अच्छे इरादे और वास्तविक इच्छा है और समय बर्बाद करने के लिए वार्ता का उपयोग करने का इरादा नहीं है और अपने दायित्वों का उल्लंघन जारी रखने और प्रतिबंधों को जारी रखने के लिए एक और बहाना ढूंढता है।

अमेरिक में मध्यावधि चुनाव से पहले मिलों में ओवरटाइम काम कराने की फैली अफवाह

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका में मंगलवार को होन वाले महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले अंतिम सप्ताहांत में अफवाह फैली कि यहां की मिलों में मजदूरों से तय समय से ज्यादा काम करवाया जा रहा है। इस अफवाह को एक साजिश बताया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप के इस संकेत के साथ कि वह एक लंबित न्याय विभाग की जांच की पृष्ठभूमि के खिलाफ 14 नवंबर को फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की घोषणा करेंगे। लोकतंत्र के लिए खतरा और लंबे समय तक आर्थिक मंदी, निश्चित रूप से शेष महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। मध्यावधि चुनाव को एक युद्ध मानते हुए बराक ओबामा और बिल क्लिंटन इसमें समान रूप से अमेरिका के बढ़ते ट्रंपमैनिया के खिलाफ अपनी मारक क्षमता के साथ पिच कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धी दौड़ राष्ट्रपति जो बाइडेन

के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। सीएनएन ने बताया कि न्याय विभाग के अधिकारियों ने चर्चा की है कि क्या ट्रंप की उम्मीदवारी पूर्व राष्ट्रपति से संबंधित दो विशाल संघीय जांच की देखरेख के लिए एक विशेष वकील की जरूरत पैदा करेगी। न्याय विभाग भी अनुभवी अभियोजकों के साथ जांच कर रहा है, इसलिए यह मध्यावधि के बाद किसी भी निर्णय के लिए तैयार है। ट्रंप और उनके सहयोगियों को जॉर्जिया में कानूनी जोखिम का भी सामना करना पड़ा है, जहां फुल्टन काउंटी के जिला अटॉर्नी फानी विलिस पीच राज्य में 2020 के चुनाव को उलटने के ट्रंप के प्रयासों की जांच कर रहे हैं और वर्ष के अंत तक अपनी जांच समाप्त होने की उम्मीद करते हैं।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडेन एक लाल लहर को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मेडिकेयर और सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और कांग्रेस में रिपब्लिकन को निशाना बनाया। बाइडेन ने अपने प्रशासन के मुद्रास्फीति में कमी अधिनियम को पारित करने पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य चिकित्सकीय दवाओं की लागत को कम करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के रिपब्लिकन इसे निरस्त करना चाहते हैं और साथ ही मेडिकेयर और सामाजिक सुरक्षा सहित संघीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों को दूर करना चाहते हैं। किराना, किराया और गैस की कीमतें पहले की तरह बढ़ गई हैं। बाइडेन ने अपने भाषण में कहा कि संघीय कर्ज को आधा कर दिया गया है जो पूरी तरह से भ्रामक है, मौजूदा स्थिति 31.22 ट्रिलियन डॉलर की है। दोनों पक्षों के दावे केवल उन मतदाताओं के लिए कतारबद्ध हैं जो गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष में फिलीस्तीनी मारे गए : स्वास्थ्य मंत्रालय

रामल्लाह, एजेंसी। सेंट्रल वेस्ट बैंक शहर रामल्लाह के उत्तर-पूर्व में इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष में एक फिलिस्तीनी की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह बयान फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय और प्रत्यक्षदर्शियों ने दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि, रामल्लाह के उत्तर-पूर्व के सिंजिल गांव के 18 वर्षीय मोसाब नफाल को शनिवार को इस्राइली सैनिकों द्वारा सीने में गोली मारने के बाद मार दिया गया था। रामल्लाह में प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि, इजरायली सैनिकों ने दो लोगों पर उस समय गोलियां चला दीं, जब वे गांव के पास इजरायली सैन्य वाहनों पर पत्थर फेंक रहे थे। उनमें से एक ने अस्पताल ले जाने के बाद दम तोड़ दिया और दूसरे को सैनिकों ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा, फिलीस्तीनी चिकित्सा दल दो लोगों तक पहुंचने में असमर्थ थे। इस बीच, इजरायली मीडिया ने बताया कि, इजरायली सैनिकों ने सिंजिल गांव के पास मुख्य सड़क पर इजरायली बसने वालों के वाहनों पर पत्थर फेंकते हुए दो फिलिस्तीनियों को गोली मार दी, जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया और गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार को पूर्वी यरुशलम और वेस्ट बैंक में इजरायली सैनिकों द्वारा चार फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी गई, जिसमें फारूक सलामेह भी शामिल है, एक इस्लामिक जिहाद आतंकवादी इजरायल ने कई महीने पहले एक सैन्य अधिकारी की हत्या के पीछे आरोप लगाया था। ये घटनाएं फिलिस्तीनियों और इजरायल के बीच बढ़े तनाव के बीच हुई हैं। खासकर जब इस सप्ताह इजरायल के चुनावों में वोटों की अंतिम गिनती ने पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को दिखाया है और उनका दूर-दराज गुट सत्ता में लौट आएगा।

इजराइली सेना ने फलस्तीनी युवक को गोली मारी

रामल्ला, एजेंसी। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मंत्रालय ने कहा कि 18 वर्षीय मुसाब नोफल को सीने में एक गोली लगी तथा रामल्ला शहर के अस्पताल में उसकी मौत हो गयी। एक अन्य फलस्तीनी व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। इजराइली मंत्रालय ने बताया कि नोफल और दूसरा फलस्तीनी शख्स रामल्ला के उत्तरपूर्वी सिलवाड के समीप वेस्ट बैंक रोड पर चल रहे इजराइली वाहनों पर पथराव कर रहे थे, जिससे कई कार क्षतिग्रस्त हो गयी थीं। वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में इजराइली तथा फलस्तीन के बीच हिंसा की यह ताजा घटना है। इस साल अभी तक हिंसा में 130 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। यह हिंसा ऐसे वक्त में हुई है जब इजराइल राष्ट्रीय चुनाव के बाद राजनीतिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। लंबे समय तक इजराइल के प्रधानमंत्री रह चुके बेंजामिन नेतन्याहू का सत्ता में लौटना तय माना जा रहा है।

राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद सऊदी क्राउन प्रिंस की पाक यात्रा पटरी पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की पाकिस्तान यात्रा पटरी पर है। सऊदी क्राउन प्रिंस के इस महीने के तीसरे सप्ताह में इस्लामाबाद की यात्रा करने की संभावना है, स्थानीय मीडिया ने ये जानकारी दी है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि, दोनों पक्ष मोहम्मद बिन सलमान की यात्रा की तैयारी में व्यस्त हैं जो अब सऊदी प्रधान मंत्री भी हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि विदेश कार्यालय ने चुप्पी साध रखी है लेकिन यात्रा की संभावित तारीख 21 नवंबर है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लंबे मार्च के कारण यह यात्रा संदेह के घेरे में थी। पीटीआई अध्यक्ष ने अब लंबा मार्च वापस ले लिया है और पूरी तरह से ठीक होने के बाद अपना विरोध फिर से शुरू करेंगे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि, अधिकारियों को उम्मीद है कि स्थिति नियंत्रण में रहेगी और यात्रा के समय कोई हलचल नहीं होगी। कई आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही शहबाज शरीफ सरकार चाहती है कि सऊदी क्राउन प्रिंस पाकिस्तान के लिए एक और वित्तीय राहत पैकेज की घोषणा करें। रियाद पहले ही 3 बिलियन डॉलर से अधिक का ऋण दे चुका है जिसे पाकिस्तान को इस साल के अंत में चुकाना पड़ा था। वित्त मंत्री इशाक डार ने हाल ही में सऊदी अरब की यात्रा के दौरान 4.2 अरब डॉलर के अतिरिक्त वित्तीय राहत पैकेज की मांग की थी। उन्होंने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि, सऊदी अरब ने उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की यात्रा के दौरान चीन ने भी 1.5 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ 7.3 अरब डॉलर का ऋण देने पर सहमति व्यक्त की।

मोगादिशु में आत्मघाती बम विस्फोट, बड़ी संख्या में सैनिक हताहत

मोगादिशु (सोमालिया), एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु के दक्षिणी हिस्से में शनिवार शाम आत्मघाती हमलावर ने मिलिट्री ट्रेनिंग फैसिलिटी को निशाना बनाया। शक्तिशाली बम विस्फोट की गूंज के बाद मोर्टार से हमले किए गए। विस्फोट और हमले में बड़ी संख्या में सैनिकों के हताहत होने की आशंका है।

सुरक्षा अधिकारियों ने अपनी पहचान न उजागर करने की शर्त पर एक मीडिया समूह को बताया कि हमला जनरल धागाबादन सैन्य शिविर के पास हुआ। इसमें सेना में भर्ती कई जवानों की मौत हो गई है। उधर, आतंकी संगठन अल-शबाब ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। अल-शबाब ने दावा किया है कि उसके आत्मघाती हमलावर ने 100 सैनिकों को मार डाला है। दूसरी ओर स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस हमले में लगभग 15 लोगों की मौत हुई है। सैन्य अधिकारी अदन यारे के मुताबिक हमले में नागरिक और सेना में भर्ती जवान हताहत हुए हैं। सोमालिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी सोना ने कहा कि विस्फोट सेंटर के एंट्री गेट पर हुआ। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले सोमाली नेशनल आर्मी और स्थानीय कबीले मिलिशिया ने मध्य शबेले क्षेत्र के अदन-यबाल शहर के बाहरी इलाके में हुए ऑपरेशन में कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया था।

पाकिस्तान में बुलेफ-प्रूफ कारों में चलेंगे चीनी कामगार : रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और चीन ने सीपेक परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों के बाहर निकलने पर उनके लिए बुलेट-प्रूफ वाहन इस्तेमाल करने पर सहमति जतायी है ताकि उन्हें आतंकवादी हमलों से बचाया जा सके। मीडिया में आयी एक खबर में रविवार को यह जानकारी दी गयी। चीन ने अपने कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की थी जिसके बाद यह कदम उठाया गया है।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक) अरब सागर में पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में काशगर से जोड़ता है। चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल

(बीआरआई) के तहत 60 अरब डॉलर की लागत वाला सीपेक राष्ट्रपति शी चिनफिंग की एक बड़ी परियोजना है। चीन की विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उसके कामगारों की सुरक्षा एक बड़ी बाधा रही है।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, दोनों पक्षों ने सीपेक की 11वीं संयुक्त सहयोग समिति (जेसीसी) के मसौदे में कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा जांचकताओं की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी सहमति जतायी है।

ग्यारहवीं जेसीसी के मसौदे के ब्योरे में कहा गया है, यह तय किया गया है कि परियोजनाओं में काम कर रहे चीन के लोगों की सभी बाहरी गतिविधियों के लिए बुलेट-प्रूफ वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। राष्ट्रपति चिनफिंग ने पिछले सप्ताह सीपेक परियोजनाओं पर पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर 'गहरी चिंता' व्यक्त की थी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बीजिंग की पहली यात्रा के दौरान उनसे बातचीत में चीनी कामगारों के लिए 'विश्वसनीय तथा सुरक्षित माहौल' बनाने का अनुरोध किया था। मसौदे के विवरण से पता चलता है कि चीन, पाकिस्तानी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता निर्माण के लिए सुरक्षा संबंधित उपकरण मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चीनी नागरिकों से जुड़े अपराधों की जांच में तेजी लाने के लिए राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान एजेंसी (एनएफएसए) का आधुनिक तर्ज पर विकास करने का फैसला किया गया है। मसौदे के अनुसार, पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए चीन से सहयोग देने का अनुरोध किया है। चीन ने इसके लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

सूत्रों के अनुसार, अपने कामगारों पर बार-बार हमलों के कारण चीन ने पाकिस्तान से चीनी नागरिकों की सुरक्षा उसके सुरक्षाकर्मियों को सौंपने के लिए भी कहा था।

अमेरिका में बार में चली गोली, 12 लोग लहूलुहान

पेंसिल्वेनिया (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के सबसे बड़े शहर फिलाडेल्फिया में शनिवार रात बार में ताबड़ताड़ गोली चलने से 12 लोग लहूलुहान हो गए। यह बार केंसिंग्टन एवेन्यू- ईस्ट एलेघेनी के इलाके में है। पुलिस ने यह जरूर कहा है कि बार में गोली चली है। कुछ लोग घायल हुए हैं। उनको अस्पताल पहुंचाया गया है। मगर पीड़ितों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं मिल पाई है। अभी तक गोलीबारी होने की वजह भी साफ नहीं हो सकी है। उल्लेखनीय है अमेरिका में गोलीबारी और गैंगवार में खूनखूराबा आम बात है। राष्ट्रपति जो बाइडेन कई बार बंदूक हिंसा पर पीड़ा व्यक्त कर चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका फिर चोकर साबित, विश्वकप से बाहर

नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हराया, मैन ऑफ द मैच बने कॉलिन ऐकरमैन

एडिलेड (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका एक बार फिर नीदरलैंड से हारकर चोकर साबित हुई है। टीम पर लगा चोकर्स का ठप्पा टी20 विश्वकप में भी बरकरार रहा।

मैन ऑफ द मैच कॉलिन ऐकरमैन (41 नाबाद) की विस्फोटक पारी और ब्रैंडन ग्लवर (9/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत नीदरलैंड ने रविवार को टी-20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। नीदरलैंड ने ग्रुप-2 के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 159 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका 145 रन ही बना सकी। नीदरलैंड ने पहली बार किसी भी प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका को मात दी है। इस हार के साथ दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई। नीदरलैंड ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए पारी की शानदार शुरुआत दी। स्टेफन माइबर्ग (37 रन) और मैक्स ओडाउड (29 रन) ने पहले विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे टॉप कूपर (19 गेंदों पर 35 रन) ने पारी की रफ्तार बदली। दक्षिण अफ्रीका ने मध्य ओवरों में मैच पर पकड़ बनाने के प्रयास में दो विकेट निकाले, लेकिन ऐकरमैन ने 26 गेंदों पर पनर नाबाद 41 रन बनाकर नीदरलैंड को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया।

आखिरी आठ ओवरों में 74 रन नहीं बना सका दक्षिण अफ्रीका

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका पर बड़ी साझेदारी का अभाव भारी पड़ा। क्विंटन डी कॉक (13) और तेम्बा बावुमा (20) के विकेट 39 रन पर गिरने के बाद राइली रूसो (25) दो चौके लगाकर अच्छी लय में नजर आ रहे थे, लेकिन ग्लवर ने उन्हें पवेलियन भेजकर प्रोटियाज की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसके बाद बल्ले से कमाल दिखाने वाले ऐकरमैन ने अपने तीन ओवरों में सिर्फ 16 रन देकर दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बनाया। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी आठ ओवरों में 74 रनों की आवश्यकता थी, और इस दबाव के कारण उनका मध्यक्रम ढह गया। मार्करम ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाये, जबकि 17 गेंदों पर इतने ही रन बनाने वाले मिलर रोलोफ वैन डर मर्वे के दर्शनीय कैच की बदौलत पवेलियन लौट गए। हेनरिक क्लासेन ने 18 गेंदों पर 21 रन बनाये जबकि वेन पार्नेल अपना खाता भी नहीं खोल सके। इस हार के साथ दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई, जबकि बंगलादेश और पाकिस्तान के बीच का मुकाबला मूल रूप से क्वॉर्टरफाइनल मैच बन गया है।

टी-20 विश्वकप 2022

ग्रुप-एक अंकतालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
न्यूजीलैंड	05	03	01	07	2.113
इंग्लैंड	05	03	01	07	0.473
ऑस्ट्रेलिया	05	03	01	07	-0.173
श्रीलंका	05	02	03	04	-0.422
आयरलैंड	05	01	03	03	-1.615
अफगान	05	00	03	02	-0.571

ग्रुप-दो अंकतालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
भारत	05	04	01	08	1.319
पाकिस्तान	05	03	02	06	1.028
द. अफ्रीका	05	02	02	05	0.874
नीदरलैंड	05	02	03	04	-0.849
बांग्लादेश	05	02	03	04	-1.176
जिम्बाब्वे	05	01	03	03	-1.138

सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

टी-20 विश्वकपः जिम्बाब्वे को हराकर ग्रुप में शीर्ष पायदान के साथ सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

मेलबर्न। मैन ऑफ द मैच सूर्यकुमार यादव (61 नाबाद) के विस्फोटक अर्धशतक के बाद रविचंद्रन अश्विन (22/3) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को टी20 विश्वकप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 71 रन से रौंदकर ग्रुप दो में शीर्ष स्थान के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने सुपर-12 के पांच मैचों में आठ पॉइंट हासिल करके अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। 10 नवंबर को दूसरे सेमीफाइनल में रोहित शर्मा की टीम का सामना इंग्लैंड से होगा।

भारत ने ग्रुप-2 के आखिरी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे को 187 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में जिम्बाब्वे 115 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और कप्तान रोहित शर्मा (15) का विकेट जल्दी गंवाने के बावजूद पावरप्ले में 46 रन जोड़ लिए। राहुल ने टूर्नामेंट दूसरा अर्धशतक जड़ा और विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की।

जिम्बाब्वे ने मध्य ओवरों में कोहली, राहुल और पंत का विकेट लेकर मैच में वापसी करनी चाही लेकिन सूर्यकुमार ने एक बार फिर अपनी 360 डिग्री बल्लेबाजी से विपक्षी टीम को पस्त करते हुए नाबाद 61 रन बनाए। सूर्यकुमार की बदौलत भारत ने आखिरी पांच ओवरों में 79 रन जोड़े और 20 ओवरों में 186/5 का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की आधी टीम 36 रन पर ही पवेलियन लौट गई। भुवनेश्वर ने पहला ओवर मेडेन फेंकते हुए माधेवेरे को आउट किया जबकि अर्शदीप ने चकाब्वा को शून्य रन पर बोल्ड किया। हार्दिक ने अपनी ही गेंद पर इर्विन (13) का कैच पकड़ा जबकि शमी ने विलियम्स और मुन्योंगा को आउट किया। रजा और बर्ल ने छठे विकेट के लिए 60 रन लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत के लिए आर अश्विन ने तीन, शमी और हार्दिक ने 2-2 विकेट झटके।

स्कोर बोर्ड

भारतीय टीम	रन	गेंद	4/6
केएल राहुल कै. वेलिंग्टन बो. रजा	51	35	3/3
रोहित कै. वेलिंग्टन बो. मुजाराबानी	15	13	2/0
कोहली कै. बर्ल बो. विलियम्स	26	25	2/0
सूर्यकुमार यादव नाबाद	61	25	6/4
ऋषभ पंत कै. बर्ल बो. विलियम्स	03	05	0/0
हार्दिक कै. मुजाराबानी बो. एनगरावा	18	18	2/0
अक्षर पटेल नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 12, **कुल:** 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन **विकेट पतन:** 1-27, 2-87, 3-95, 4-101, 5-166, **गेंदबाजी:** रिचर्ड एनगरावा 4-1-44-1, टेंडई चतारा 4-0-34-0, मुजाराबानी 4-0-50-1, मसाकाद्जा 2-0-12-0, रायन बर्ल 1-0-14-0, सिकंदर रजा 3-0-18-1, शॉन 2-0-9-2,

जिम्बाब्वे	रन	गेंद	4/6
मधेवीरे कै. कोहली बो. भुवनेश्वर	00	01	0/0
क्रेग एर्विन कै. एवं बो. हार्दिक	13	15	2/0
रेजिस चकाब्वा बो. अर्शदीप	00	06	0/0
विलियम्स कै. भुवनेश्वर बो. शमी	11	18	0/1
रजा कै. सूर्यकुमार बो. हार्दिक	34	24	3/0
टोनी मुनयोंगा पगबाधा शमी	05	04	1/0
रायन बर्ल बो. अश्विन	35	22	5/1
मसाकाद्जा कै. रोहित बो. अश्विन	01	07	0/0
रिचर्ड एनगरावा बो. अश्विन	01	02	0/0
टेंडई चतारा कै. एवं बो. अक्षर	04	04	1/0
मुजाराबानी नाबाद	00	02	0/0

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 17.2 ओवर में 115 रन पर ऑल आउट **विकेट पतन:** 1-0, 2-2, 3-28, 4-31, 5-36, 6-96, 7-104, 8-106, 9-111, 10-115 **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 3-1-11-1, अर्शदीप 2-0-9-1, मोहम्मद शमी 2-0-14-2, हार्दिक पांड्या 3-0-16-2, अश्विन 4-0-22-3, अक्षर 3.2-0-40-1,

सूर्या एक कैलेंडर ईयर में 1000 टी-20 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव एक कैलेंडर ईयर में 1000 टी-20 रन बनाने वाले भारत के पहले और विश्व के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। पिछले साल पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने सबसे पहले यह मुकाम हासिल किया था। सूर्यकुमार यादव (1020 रन) 183 के स्ट्राइक रेट से इस साल सर्वाधिक रन बनाने के मामले में भी शीर्ष पर है। मोहम्मद रिजवान (924 रन) दूसरे और विराट कोहली (731 रन) के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सूर्यकुमार किसी प्रारूप में सबसे पहले 100 रन बनाने के मामले में लीजेंड सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर की सूची में शामिल हो गए हैं। सुनील गावस्कर ने 1976 में सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट में और सचिन तेंदुलकर ने 1994 में वनडे क्रिकेट में यह कारनामा किया था। अब 2022 में टी-20 में सूर्यकुमार ने यह उपलब्धि हासिल कर इस खास सूची में अपनी जगह बनाई। टी-20 विश्वकप 2022 में सूर्यकुमार यादव ने अपना तीसरा अर्धशतक जड़ा। वहीं भारत की ओर से टी-20 विश्व में चौथा सबसे तेज पाचस भी हैं।

सूर्या ने की कोहली की बराबरी: सूर्यकुमार ने किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक साल में सर्वाधिक मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के मामले में हमवतन विराट कोहली की बराबरी की। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने इस साल का छठा मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता। इससे पहले 2016 में विराट कोहली ने 6 बार मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने नाम किया था।

कप्तान रोहित शर्मा ने की सूर्यकुमार की तारीफ

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत के बाद कहा कि हमारे बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश किया। कप्तान ने सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए कहा कि वह जिम्मेदारी ले रहे हैं, और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर दूसरे बल्लेबाजों का भी दबाव कम कर रहे हैं, यह हमारी टीम के लिए बेहद अहम है। वहीं कोच राहुल द्रविड़ ने भी सूर्य की तारीफ करते हुए कहा कि वह इस प्रारूप में उस निरंतरता और स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाता है, इसलिए वह नंबर वन पर हैं।

भुवनेश्वर सर्वाधिक मेडेन फेंकने वाले गेंदबाज

भुवनेश्वर कुमार टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में सर्वाधिक मेडन ओवर फेंकने वाले गेंदबाज बन गए हैं। भुवनेश्वर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 84वें मैच में 10वां मेडन ओवर फेंककर हमवन जसप्रीत बुमराह का रिकॉर्ड तोड़ा। बुमराह ने 60 मैचों में 9 मेडन ओवर फेंके हैं। भुवी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की ओर से पहला ओवर फेंका और इस ओवर में उन्होंने पहली ही गेंद पर विकेट निकाला और मेडेन ओवर डाला।

रोहित की कप्तानी में भारत ने इस साल टी-20 में 21वीं जीत दर्ज की

जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत के साथ रोहित शर्मा एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक टी-20 मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने इस साल की 21वीं जीत दर्ज की। इस मामले में रोहित ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की पीछे छोड़ा। जिन्होंने पिछले साल 20 मैच जीतकर यह रिकॉर्ड बनाया था। रोहित और बाबर के अलावा इस सूची में तीसरा नंबर पर भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी है। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2016 में 15 मैच जीते थे।

मैदान में घुसा रोहित का फैन, जुर्माना लगा

मैच के दौरान एक भारतीय युवा फैन बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए सीधे मैदान में घुसते ही भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पास पहुंचा और हिटमैन को देखते ही भावुक हो गया। हालांकि, सिक्योरिटी गार्ड्स भी तब तक उस फैन के पास पहुंच चुके थे और उसे पकड़ लिया। इसके बाद रोहित उस फैन से मिले और उससे कुछ कहा और फिर सिक्योरिटी गार्ड्स वाले उसे वापस पवेलियन ले गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की सुरक्षा में अड़चन डालने के लिए उस युवा फैन पर साढ़े छह लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

लगातार दूसरी बार टी-20 विश्वकप के अंतिम चार में पहुंचा पाकिस्तान

बांग्लादेश को छह विकेट से हराया

एडिलेड। शाहीन शाह अफरीदी (22/4) की शानदार गेंदबाजी और मोहम्मद हारिस के विस्फोटक 31 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को टी20 विश्वकप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। पिछली बार सेमीफाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। नौ नवंबर को पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान की भिड़ंत न्यूजीलैंड से होगी।

बांग्लादेश ने ग्रुप-2 के मैच में पाकिस्तान को 128 रन का लक्ष्य दिया, जिसे पाकिस्तान ने 11 गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया। दिन के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हार के बाद यह मैच मूल रूप से क्वॉर्टरफाइनल बन गया था और इसे जीतने वाली टीम का सेमीफाइनल में जाना तय था। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और लिटन दास (10) का विकेट जल्दी गंवाने के साथ पारी को सहजता के साथ आगे बढ़ाया। शान्तो (54 रन) और सौम्य सरकार (20 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी की। शादाब ने 11वें ओवर में सौम्य और कप्तान शाकिब अल-हसन को आउट करके मैच का रुख बदल दिया। यहां से बांग्लादेश के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। अफीफ हुसैन ने हालांकि नाबाद 24 रन बनाये, लेकिन मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और बांग्लादेश 127/8 के स्कोर पर सीमित रह गई। शाहीन ने केवल 22 रन देकर चार विकेट लिए जबकि शादाब ने दो व हारिस रऊफ और इफ्तिखार अहमद ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने 128 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 63 गेंदें खेलकर 57 रनों की साझेदारी बनायी। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों की अच्छी साझेदारी से उसकी मैच में मजबूत स्थिति बन गयी। बाबर आजम ने टूर्नामेंट में पहली बार दहाई का आंकड़ा पार करते हुए 25 रन जबकि मोहम्मद रिजवान ने 32 रन का योगदान दिया। इसके बाद अपना दूसरा टी20 मैच खेल रहे हारिस ने पारी को संभाला। उन्होंने मोहम्मद नवाज (04) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी की, जबकि शान मसूद (24 नाबाद) के साथ चौथे विकेट के लिये 29 रन जोड़े। हारिस के आउट होने के बाद शान ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाकर पाकिस्तान को जीत की दहलीज के पार पहुंचाया।

हुसामुद्दीन व लवलीना ने एशियाई चैंपियनशिप में सुनिश्चित किए पदक

अम्मान। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन ने रविवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वॉर्टरफाइनल में दक्षिण कोरिया के हैंगसिओक ली को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हुसामुद्दीन ने पुरुषों के 57 किग्रा भार वर्ग के एकतरफा क्वार्टरफाइनल बाउट में हैंगसिओक को 5-0 से मात दी। इस जीत के साथ हुसामुद्दीन ने चैंपियनशिप में भारत का सातवां पदक सुनिश्चित किया। इससे पहले दिन में, टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन ने 2016 की विश्व चैंपियन कजाकिस्तान की वेलेंटीना खलज़ोवा को 3-2 से परास्त करके महिलाओं के 75 किग्रा सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लवलीना ने सेमीफाइनल में कदम रखकर अपने लिये कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया, जबकि इससे पहले उन्होंने 2017 और 2021 के संस्करण में भी कांसे का तमगा हासिल किया था।

प्रो लीग: हरमनप्रीत व पाठक ने भारत को जीत दिलाई

भुवनेश्वर। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के तीन गोल और गोलकीपर कृष्ण पाठक के शानदार क्षेत्ररक्षण से भारत ने रविवार को एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में स्पेन को 2-2 (शूटआउट 3-1) से मात दी। हरमनप्रीत ने निर्धारित समय में भारत के लिये दो गोल किये, जबकि उनका तीसरा गोल शूटआउट में आया। इसके अलावा राजकुमार पाल और अभिषेक ने भी शूटआउट में भारत के लिये गोल किए। स्पेन के निर्धारित समय के गोल कप्तान मार्क मिरेल्स और पेरे अमेट ने किए, जबकि शूटआउट में उनका इकलौता गोल गेराल्ड क्लेप्स की हॉकी से आया। मिरेल्स की टीम ने मैच के तीसरे और चौथे क्वार्टर में गोल दागने के कई प्रयास किए, लेकिन वे सिर्फ दो बार ही पाठक को पार कर सके जो भारत की जीत का मुख्य कारण बना। पाठक ने शूटआउट में भी निर्धारित समय जैसा ही क्षेत्ररक्षण जारी रखा और स्पेन को चार में से सिर्फ एक बार सफलतापूर्वक गोल करने दिया। दूसरी ओर, हरमनप्रीत, राजकुमार और अभिषेक ने गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। यह एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-23 में भारत की तीसरी जीत है, जबकि एक बार उन्हें हार मिली है।भारतीय टीम अब आठ अंकों के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई है।

बगनाइया ने जीता मोटो ग्रांप्री खिताब

वेलेंसिया। फ्रांसेस्को बगनाइया 2009 में वेलेंटिनो रोसी के बाद रविवार को मोटो ग्रां प्री चैंपियन बनने वाले इटली के पहले राइडर बने। स्पेन के एलेक्स रिन्स ने वेलेंसिया में रेस जीती। डुकाती टीम के बगनाइया ने कुल 265 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया। यहां हुई रेस में चौथे स्थान पर रहते हुए 13 अंक हासिल करने वाले फाबियो क्वारटारारो बगनाइया से 17 अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। शुरुआती नौ रेस के बाद क्वारटारारो ने 91 अंक की बढ़त बना रखी थी। पच्चीस साल के बगनाइया ने इसके बाद जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सत्र में लगातार चार रेस सहित कुल सात रेस जीती। बगनाइया इसके साथ ही 2007 में केसी स्टोनर के बाद मोटो ग्रां प्री जीतने वाले डुकाती के पहले राइडर हैं। पिछले 50 साल में इटली के किसी राइडर ने इटली की बाइक में मोटो ग्रां प्री खिताब नहीं जीता है। स्पेन के आगस्तो फर्नांडीज ने मोटो2 खिताब जीता।

चोट के कारण अल्फोंसो डेविस अगले 2 मैचों से बाहर

म्यूनिख। क्लब ने रविवार को एक बयान में कहा कि स्टार फुटबॉलर अल्फोंसो डेविस हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद बायर्न म्यूनिख के अगले दो बुंदेसलीगा मैच नहीं खेल पाएंगे। हालांकि बायर्न ने जोर देकर कहा कि कनाडा इंटरनेशनल खिलाड़ी की चोट इतनी गंभीर नहीं है और उन्हें विश्वकप से बाहर होने का खतरा नहीं है। डेविस को शनिवार को हर्था बर्लिन में बायर्न की 3-2 से जीत में घंटे के खेल के बाद मैदान से बाहर ले जाया गया था। क्लब ने कहा, एफसी बायर्न विंटर ब्रेक से पहले बचे हुए दो बुंडेसलीगा मैचों के लिए अल्फांसो डेविस के बिना होगा। 22 वर्षीय स्ट्राइकर को शनिवार को हर्था बीएससी में 3-2 से जीत में हैमस्ट्रिंग की चोट का सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, जर्मन रिकॉर्ड चैंपियन की मेडिकल यूनिट ने चोट की पुष्टि की थी।

अंतरराष्ट्रीय करियर पर फैसला करने से पहले बीबीएल में खेलेंगे आरोन फिंच

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान आरोन फिंच अपनी टीम के टी-20 विश्वकप से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर पर फैसला लेने में जल्दबाजी नहीं करेंगे और इस सीजन के बीबीएल में हिस्सा लेंगे। 35 वर्षीय फिंच ने सितंबर में वनडे मैचों से संन्यास ले लिया था, उनकी अगले अगस्त तक कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता नहीं होगी, जब आस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका में टी20 सीरीज खेलेगा। अगला टी20 विश्वकप 2024 के मध्य में वेस्टइंडीज और यूएसए में है, जब फिंच 37 वर्ष के होंगे। फिंच ने कहा, नहीं, मैं अभी संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं। मैं बिग बैश खेलूंगा और देखूंगा कि उसके बाद क्या होता है, लेकिन मैं अभी भी क्रिकेट खेलने का आनंद ले रहा हूं, टी20 खेल रहा हूं। हालांकि, यह बहुत कम संभावना है कि फिंच आस्ट्रेलिया के लिए फिर से खेलना शुरू कर दें और अगर ऐसा है तो वह 34.28 के औसत और 142.53 की स्ट्राइक-रेट पर 3120 टी-20 रन के साथ अपना करियर समाप्त करेंगे। उनका शीर्ष स्कोर 172 रन होगा।

भगत और मनीषा ने विश्व चैंपियनशिप में जीते स्वर्ण

टोक्यो। टोक्यो पैरा ओलंपिक 2020 के गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत और मनीषा रामदास ने रविवार को यहां बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किये। भगत ने 53 मिनट चले एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में अपने हमवतन नितेश कुमार को 21-19, 21-19 से हराया। दूसरी ओर, मनीषा रामदास ने आधे घंटे तक चले एसयू5 महिला एकल फाइनल में जापान की मामिको टोयोडा को 21-15, 21-15 से शिकस्त दी।

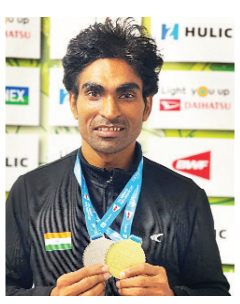

यह विश्व चैंपियनशिप में भगत का चौथा एकल स्वर्ण है। भगत अपने पुरुष युगल जोड़ीदार मनोज सरकार के साथ भी दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण जीत चुके हैं, हालांकि इस बार भारतीय जोड़ी को रजत से संतोष करना पड़ा। हिकमत रामदानी और उकुन रुकेंदी की इंडोनेशियाई पुरुष युगल जोड़ी ने एसएल3-एसएल4 के स्वर्ण पदक मुकाबले में भगत-मनोज को 21-14, 18-21, 13-21 से हराया। भगत ने एक स्वर्ण और एक रजत जीतने के बाद कहा, यह जीत मेरे लिए बहुमूल्य है क्योंकि मैंने इसके लिए काफी मेहनत की है। अपने करियर की सातवीं विश्व चैंपियनशिप खेल रहे भगत ने अब तक एकल और युगल में कुल छह स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते हैं। उन्होंने 2007 और 2017 विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर सभी संस्करणों के फाइनल में जगह बनाई है। भगत ने कहा, मैं एकल में अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। युगल में हम और बेहतर कर सकते थे। यह जीत मेरे लिए बहुत बड़ी है क्योंकि मैं मेहनत कर रहा हूं। यह जीत मुझे बताती है कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रहा हूं। भारत ने पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में अपने अभियान का अंत दो स्वर्ण, दो रजत और 12 कांस्य पदक सहित कुल 16 पदकों के साथ किया।

श्रीकांत की हार के साथ भारतीय अभियान समाप्त

हाइलो ओपन : त्रिशा और गायत्री की भारतीय महिला युगल जोड़ी भी हारी

सारब्रकेन । विश्व के पूर्व नंबर एक शटलर किदांबी श्रीकांत को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के एंथनी गिनटिंग के हाथों मिली हार के साथ भारत का बीडब्ल्यूएफ हायलो ओपन अभियान समाप्त हो गया है। एंथनी ने यहां खेले गए सेमीफाइनल में किदांबी को 21-18, 21-15 के सीधे सेटों में मात दी। श्रीकांत 2022 में चौथी बार सेमीफाइनल मैच हारे हैं। इससे पहले किदांबी मार्च में स्विस ओपन, अप्रैल में कोरिया ओपन और अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में हारे थे। इसी बीच, त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी को सेमीफाइनल में थाईलैंड की बेनयापा एमसार्ड और ननताकर्न एमसार्ड ने हराया। बेनयापा-ननताकर्न की जोड़ी ने भारतीय युगल को 21-17, 21-14, 21-18 से मात दी। गायत्री-त्रिशा पर थाई जोड़ी की यह पहली जीत है। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में गायत्री-त्रिशा ने राउंड ऑफ 32 में उन्हें हराया था।

होल्गर ने जोकोविच को हराकर जीता पहला एटीपी मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। 19 वर्षीय डेनमार्क के होल्गर रूने ने पेरिस मास्टर्स के फाइनल मुकाबले में छह बार के विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 3-6, 6-3, 7-5 से हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स खिताब जीता है। होल्गर की यह अपने करियर में अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

श्रीलंकाई क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका सिडनी में बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार

सिडनी/ एजेंसी। श्रीलंका के साथ यहां टी20 विश्व कप के लिये आये क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। टीम सूत्रों ने यह जानकारी दी।

समझा जाता है कि 31 वर्ष के गुणतिलका को तड़के गिरफ्तार करके सिडनी शहर पुलिस थाने ले जाया गया। दो नवंबर को एक महिला के कथित यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई।

श्रीलंका टीम के एक करीबी सूत्र ने बताया, ''धनुष्का गुणतिलका को कथित बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया है। श्रीलंकाई टीम उसके बिना आस्ट्रेलिया से रवाना हो गई है।''

श्रीलंकाई टीम रविवार को इंग्लैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

गुणतिलका ने पहले दौर में नामीबिया के खिलाफ खेला था और वह खाता खोले बिना आउट हो गया। इसके बाद चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। श्रीलंकाई टीम ने सुपर 12 चरण के लिये क्वालीफाई किया लेकिन ग्रुप एक में चौथे स्थान पर रही। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने अपनी वेबसाइट पर भी श्रीलंका के एक नागरिक की गिरफ्तारी का जिक्र किया है। रिपोर्ट में कहा गया, ''यौन अपराध टीम ने पिछले सप्ताह सिडनी में एक महिला के कथित यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के बाद श्रीलंका के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।''

अनुष्का शर्मा ने पति विराट कोहली को फनी अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा ने उन्हें सोशल मीडिया के जरिये फनी अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली की चार फनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें किंग कोहली काफी क्यूट नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'आज तुम्हारा बर्थडे है माय लव, तो जाहिर है, मैंने इस पोस्ट के लिए आपके सबसे अच्छे एंगल वाली तस्वीरें चुनी हैं.. आपके लिए हर रूप हर फॉर्म में प्यार विराट कोहली'। इसके साथ ही उन्होंने रेड हार्ट इमोजी भी पोस्ट किया है!' अनुष्का शर्मा के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और उनकी इस पोस्ट के जरिये उनके फैंस विराट कोहली को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं । वहीं विराट कोहली ने भी अनुष्का शर्मा के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा-' तुम मेरी ताकत हो। तुम मेरी मार्गदर्शक शक्ति हो। हम दोनों साथ हैं, इसके लिए मैं हर रोज भगवान का धन्यवाद करता हूं। मैं तुमसे प्यार करता हूं।' अनुष्का शर्मा और विराट कोहली की मुलाकात साल 2013 में एक शैम्पू के विज्ञापन के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे थे। दोनों ने 11 दिसंबर 2017 को इटली में परिवार की मौजूदगी के बीच शादी की थी और 11 जनवरी, 2021 को दोनों एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बने जिसका नाम उन्होंने वामिका रखा है। विरुष्का के नाम से मशहूर यह जोड़ी फैंस की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बने बेटी के माता-पिता

अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता रणबीर कपूर रविवार को एक बेटी के माता-पिता बन गए। आलिया और अभिनेता रणबीर कपूर की इस साल अप्रैल में शादी हुई थी। आलिया ने अपने गर्भवती होने की घोषणा इस साल जून में की थी। आलिया ने दक्षिण मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में अपने और रणबीर के पहले बच्चे को जन्म दिया।

अस्पताल के एक सूत्र ने कहा, बच्ची का जन्म हुआ है। वह (आलिया) प्रसव के लिए सुबह साढ़े सात बजे पहुंचीं। वह पिछले कुछ समय से पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच नियमित रूप से अस्पताल आती थीं। ऐसा बताया जा रहा है कि कपूर परिवार बच्ची के जन्म की घोषणा के लिए जल्द ही आधिकारिक बयान जारी करेगा।

आलिया और रणबीर ने इस साल सितंबर में रिलीज फिल्म 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वनः शिवा' में पहली बार साथ काम किया। आलिया करण जौहर के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' तथा अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' में नजर आएंगी, जबकि रणबीर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' और लव रंजन की एक फिल्म में अभिनय करते दिखाई देंगे।

डेटिंग रियलिटी शो स्प्लिट्सविला एक्स4 में शामिल हुईं उरफी जावेद

बिग बॉस ओटीटी फेम उरफी जावेद रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स4 में नजर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उरोफी, जो अपने अनोखे फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं और मेरी दुर्गा, बेपनाह, ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसे कई टीवी शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उन्होंने एक प्रतियोगी के रूप में शो में भाग लेने के बारे में बात की।

उरफी ने कहा कि वह काफी लंबे समय से डेटिंग रियलिटी शो की शौकीन रही हैं और रोमांटिक होने के नाते अभिनेत्री इसका हिस्सा बनने को लेकर ज्यादा उत्साहित हैं। वह 2017 में टीवी अभिनेता पारस कलनावत को डेट कर रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने रास्ते अलग कर लिए। हालांकि हाल ही में उनके एक्स बॉयफ्रेंड के साथ डांस करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

उन्होंने शो का हिस्सा बनने के बारे में कहा, मैं एमटीवी स्प्लिट्सविला को सदियों से फॉलो कर रही हूं, और इस प्रतिष्ठित डेटिंग रियलिटी शो का हिस्सा बनना सिर्फ पागलपन है। यह शो एक आदर्श मैच खोजने के बारे में है। मैं एक कट्टर रोमांटिक हूं इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं इसका हिस्सा बनना चाहती थी।

स्प्लिट्सविला एक्स4 को अर्जुन बिजलानी और सनी लियोन होस्ट करने जा रहे हैं। जबकि पिछले सीजन को रणविजय सिंह और सनी द्वारा होस्ट किया जा रहा था, नए सीजन में अर्जुन रणविजय की जगह लेंगे। जय दुधाने और अदिति राजपूत ने शिवम शर्मा और पलक यादव को हराया और विजेता के रूप में उभरे। एमटीवी पर 12 नवंबर से स्प्लिट्सविला एक्स4 शुरू होने जा रहा है।

सुनील शेट्टी की फिल्म धारावी बैंक का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी की आने वाली फिल्म धारावी बैंक का टीजर रिलीज कर दिया गया है। ओटीटी प्लेटफार्म एमएएक्स प्लेयर ने अपनी आने वाली वेबसीरीज 'धारावी बैंक' का टीजर रिलीज कर दिया है। इस वेब सीरीज में सुनील शेट्टी और विवेक ओबेरॉय की मुख्य भूमिका है। वेबसीरीज की कहानी एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी धारावी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी थलाइवन की भूमिका में दिखाई देंगे, जो कि धारावी के क्राइम सिंडिकेट के सरगना हैं। विवेक ओबेरॉय जेसीपी जयंत गावस्कर के रोल में हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर कार से उतरते ही गोविंदा को मिला उनका डुप्लीकेट

सोशल मीडिया पर अक्सर किसी न किसी फेमस स्टार्स के हमशक्ल देखने को मिल जाते हैं। आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, शाहरुख खान समेत कई स्टार्स के हमशकल के वीडियो आप सब ने देखे होंगे या उनके बारे में सुना होगा। लेकिन अब सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमे बॉलीवुड के फेमस स्टार गोविंदा के साथ उनका एक हमशक्ल नजर आ रहा है।

हाल ही में गोविंदा को उनकी पत्नी के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। लाल रंग की चमचमाती कार से वह उतरे तो मीडिया ने उन्हें घेर लिया। तभी यहां फूलों का गुलदस्ता लेकर एक महाशय दिखाई दिए, जो एक्टर की फोटो कॉपी थे। दोनों ने मुस्कुराते हुए मुलाकात की। फैन जैसे ही एक्टर के पैर छुने के लिए नीचे झुके, उतने में ही गोविंदा ने उनको रोक लिया। फिर दोनों में कुछ बातें हुईं और एक्टर फ्लाइट पकड़ने के लिए वहां से रवाना हो गए। सोशल मीडिया पर इस दौरान का पूरा वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं सोशल मीडिया यूजर्स भी इसपर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- हमशक्ल वाला मुझे रीयल गोविंदा लगा। वहीं दूसरे ने लिखा- असली वाला तो एयरपोर्ट पर ही रह गया। बीवी तो गलत गोविंदा के साथ चली गई। बहरहाल फैंस दो-दो गोविंदा को एक साथ देखकर काफी खुश हैं।

दृश्यम 2 के लिए पहली पसंद थे अक्षय खन्ना : अभिषेक पाठक

दृश्यम 2 के निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बारे में बात की है कि कैसे अक्षय खन्ना फिल्म के लिए एकदम फिट थे। अक्षय खन्ना के चरित्र के बारे में बात करते हुए, फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक ने व्यक्त किया, दृश्यम 2 में, हमारे पास तब्बू और अजय देवगन एक-दूसरे का सामना कर रहे हैं और मैं उस स्तर या उससे भी आगे के किसी व्यक्ति को चाहता था। पूरे चरित्र को इसे ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया था। दिमाग में, हमने कभी नहीं सोचा था कि हम इसे लिखेंगे और फिर कास्टिंग के बारे में सोचेंगे। पहले दिन से ही, जब हमने कॉप का किरदार लिखना शुरू किया था-हमारे दिमाग में अक्षय, उनकी छवि और उनका व्यक्तित्व था। इससे हमारे लिए यह बहुत आसान हो गया, क्योंकि हम जानते थे कि हम टेबल पर क्या लाएंगे। वह हमेशा से पहला विकल्प और इस किरदार के लिए मेरा पहला विचार थे और हम इससे बहुत खुश हैं। अक्षय खन्ना, अजय देवगन और तब्बू के अलावा, फिल्म में श्रिया सरन और इशिता दत्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वायकॉम18 स्टूडियोज प्रस्तुत करता है गुलशन कुमार, टी-सीरीज और पैनोरमा स्टूडियोज, भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित दृश्यम 2 मूल स्कोर और संगीत रॉकस्टार डीएसपी (देवी श्री प्रसाद) का है।

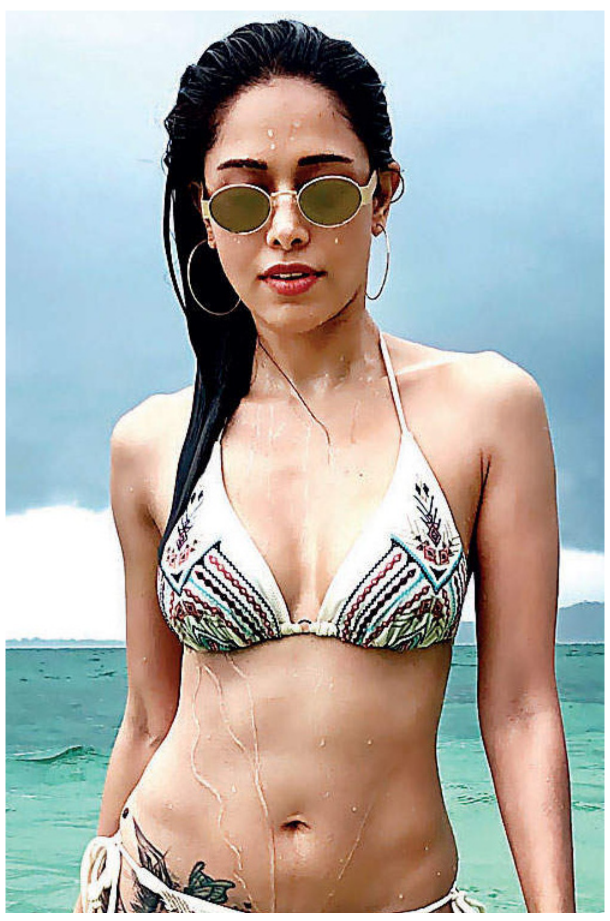

नुसरत भरुचा ने छोरी 2 की तैयारी की शुरू

बॉलीवुड स्टार नुसरत भरुचा ने अगली फिल्म छोरी 2 की तैयारी शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर नुसरत ने छोरी 2 की स्क्रिप्ट पढ़ते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। उन्होंने अपने लैपटॉप की एक तस्वीर साझा की और उसके पीछे उनका बिल्ली का बच्चा नूह भी छिपा हुआ देखा जा सकता है। वह लिखती हैं, नूह भी डरती है? छोरी विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस, शिखा शर्मा और शिव चनाना द्वारा निर्मित है। मराठी भाषा की फिल्म लपछापी (2017) की रीमेक, फिल्म में मीता वशिष्ठ, राजेश जैस और सौरभ गोयल के साथ नुसरत मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर 26 नवंबर, 2021 को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ। अक्षय कुमार अभिनीत उनकी नवीनतम रिलीज राम सेतु है। इस बीच, उनके पास अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के साथ सेल्फी जैसी फिल्मों की एक दिलचस्प लाइनअप है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।